चैत्र मास शुक्ल पक्ष, 22 वर्ष, अंक 127, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | सोमवार 05 जून 2023 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

बालासोर ट्रेन हादसा सीबीआई जांच होगी

हादसे में अब तक 275 लोगों की मौत हो चुकी है और 1000 से अधिक घायल

नई दिल्ली: रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने रविवार को कहा कि ओडिशा के बालासोर में हुई रेल दुर्घटना मामले की जांच रेलवे बोर्ड ने सीबीआई को सुपुर्द करने की सिफारिश की है। इस हादसे में अब तक 275 लोगों की मौत हो चुकी है और 1000 से अधिक घायल हैं।

पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि हादसे से जुड़ा बचाव कार्य पूरा हो चुका है और घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। रेलवे पटरी को बिछल्ल का काम पूरा हो चुका है। अब ऊपर बिजली के तार बिछाने का काम चल रहा है। इसी दौरान उन्होंने कहा कि जिस तरह से घटनाक्रम हुआ, परिस्थितियों को देखते हुए और प्रशासनिक जानकारी के साथ रेलवे बोर्ड ने सीबीआई जांच की सिफारिश की है।

उल्लेखनीय है कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव दुर्घटना स्थल पर 2 दिन से मौजूद हैं। बचाव कार्य के बाद अब दुर्घटना स्थल पर रेस्टोरेशन का काम चल रहा है।

इस मामले में अश्विनी वैष्णव ने बताया था कि दुर्घटना इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में बदलाव की वजह से हुई थी।

हादसे के प्राथमिक कारणों में इंटरलॉकिंग सिस्टम को बताया जिम्मेदार

नई दिल्ली/भुवनेश्वरः ओडिशा के बालासोर जिले में हुए रेल हादसे के प्राथमिक कारणों का पता लगाया जा चुका है। यह रेल हादसा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम की सिग्नलिंग से जुड़ा हो सकता है। रेल मंत्रालय ने कहा है कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त की विस्तृत रिपोर्ट आने पर ही इसपर कुछ कहा जा सकता है। दुर्घटनास्थल पर पिछले 36 घंटे से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि ट्रेन हादसे के कारणों और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को पहचाना जा चुका है। हालांकि अभी इसपर जांच जारी है और रेलवे सुरक्षा आयुक्त विस्तृत जांच कर रहे हैं और वे इसकी विस्तार से जानकारी देंगे। उन्होंने कहा कि यह हादसा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में बदलाव की वजह से हुआ है। दूसरी ओर बचाव कार्य पूरा होने के बाद अब रेलवे ट्रैक को ठीक करने का काम जारी है। हादसे की वजह से रेलवे ट्रैक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ है। इसके चलते कई ट्रेनों को रद्द किया गया या उनके रूट में बदलाव किया गया है। रेल मंत्री ने कहा है कि पहले जैसी स्थिति लाने में बुधवार तक का समय लग सकता है। रेल मंत्री ने एक ट्वीट कर बताया कि दोपहर 12 बजे के आसपास डाउन लाइन को ठीक कर लिया गया है। इसी संबंध में आज रेलवे बोर्ड की ओर से भी पत्रकार वार्ता की गई। इसमें हादसे के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। बोर्ड का कहना है कि जल्द ही हादसों के कारणों की विस्तार से जानकारी दी जाएगी। रेलवे बोर्ड की ऑपरेशनल एंड बिजनेस डेवलपमेंट सदस्य जया वर्मा सिन्हा ने पत्रकार वार्ता में बताया कि प्रथम दृष्टया यह पता चला है कि सिग्नलिंग से जुड़ी कोई दिक्कत थी। हमें रेलवे सुरक्षा आयुक्त की विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

जया वर्मा ने कहा कि हादसा केवल कोरोमंडल ट्रेन से ही जुड़ा हुआ है। ऐसा कहना कि तीन ट्रेनें आपस में टकरा गईं, गलत है। उन्होंने बताया कि कोरोमंडल एक्सप्रेस लौह अयस्क ले जाने वाली एक खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई।

मालगाड़ी के कारण सारा का सारा टकराव का प्रभाव यात्री ट्रेन पर आया जिसके चलते उसके कई डब्बे बेपटरी हो गए। वहीं दूसरी तरफ से आ रही ट्रेन के पिछले दो डब्बे इस ट्रेन के डिब्बों के पलटने के चलते क्षतिग्रस्त हुए। उन्होंने कहा कि दोनों गाड़ियां अपनी अधिकतम सीमा के भीतर थीं।

रेलवे ने अबतक 285 मामलों में 3.22 करोड़ का दिया मुआवजा

नई दिल्ली: रेलवे ने ओडिशा में हुई रेल दुर्घटना में अब तक 285 मामलों (11 मौत, 50 गंभीर चोट एवं 224 सामान्य चोट के मामले) में अनुग्रह राशि के रूप में 3.22 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया है। रेलवे ने रविवार को कहा कि यह सेवा निर्बाध रूप से जारी रहेगी और रेल मंत्री द्वारा घोषित बढ़ी हुई अनुग्रह राशि का त्वरित वितरण सुनिश्चित करेगी। ओडिशा के बालेश्वर जिले में हुए रेल हादसे में मरने वालों को 10 लाख रुपये, गंभीर घायलों को 2 लाख रुपये और मामूली चोटों के लिए 50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि दी जा रही है। भारतीय रेलवे 7 स्थानों- सोरो, खड़गपुर, बालासोर, खंटापारा, भद्रक, कटक, भुवनेश्वर पर अनुग्रह राशि का भुगतान कर रहा है। इसके अलावा भारतीय रेलवे ने ओडिशा में रेल हादसे में फंसे यात्रियों और मृत व्यक्तियों के परिवार/मित्रों/रिश्तेदारों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर 139 पर विशेष व्यवस्था की है। वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम 24 घंटे सातों दिन हेल्पलाइन पर काम कर रही है और जोनल रेलवे एवं राज्य सरकार के साथ समन्वय के बाद कॉल करने वालों को सभी प्रासंगिक विवरण प्रदान करेगी। रेलवे हेल्पलाइन 139 का उद्देश्य इस कठिन समय में पीड़ित यात्रियों और उनके परिजनों की मदद करना और सही एवं संतोषजनक जानकारी देना है।

यमुना नदी का कायाकल्प : गोपाल

नई दिल्ली: दिल्ली के प्रसिद्ध आईटीओ के पास स्थित छठ घाट पर आज सुबह यमुना संसद कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इसमें दिल्ली प्रदेश के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय भी सम्मिलित हुए। यमुना संसद में दिल्ली के लोगों ने मानव श्रृंखला बनाकर यमुना की सफाई को लेकर संकल्प लिया। यमुना नदी की महत्ता और दिल्ली की प्रदूषण की समस्या के बारे में दिल्लीवासियों को अवगत कराने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन के बारे में राज्य के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने पत्रकारों को सम्बोधित करते कहा कि यमुना दिल्ली के लिए एक नदी ही नहीं है बल्कि यह दिल्ली के एक बहुत बड़े इकोसिस्टम को सपोर्ट करती है। दिल्ली अपनी अधिकतर पानी से संबंधित जरूरतों के लिए यमुना नदी पर निर्भर है। यमुना नदी इस क्षेत्र और उसके लोगों की आर्थिक और पारिस्थितिक आवश्यकताओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। हालांकि, वर्षों से रसायनों, प्लास्टिक और अन्य गैर-बायोडिग्रेडेबल प्रदूषकों की विशाल मात्रा ने नदी के पारिस्थितिक संतुलन के साथ छेड़छाड़ की है।

समयबद्ध कार्य न होने पर एजेंसी को काली सूची में डालें : योगी

मुख्यमंत्री योगी ने किया निर्माणाीन आयुष विश्वविद्यालय का निरीक्षण

गोरखपुरः उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार शाम भटहट के पिपरी में बन रहे आयुष विश्वविद्यालय के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। कार्य की अब तक की भौतिक प्रगति पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण कार्य न होने पर निर्माण कराने वाली एजेंसी पर जुर्माना लगाने व इसके बाद भी सुधार न होने की दशा में एजेंसी को काली सूची में डालने के कड़े निर्देश दिए। आयुष विश्वविद्यालय पहुंचने पर मुख्यमंत्री ने ले-आउट डिजाइन का अवलोकन करने के साथ परिसर का भ्रमण कर अब तक हुए निर्माण का जायजा लिया। निर्माण की प्रगति को लेकर उन्होंने जब सवाल पूछने शुरू किए तो निर्माण कराने वाली एजेंसी से जुड़े लोगों के पसीने छूटने लगे। मुख्यमंत्री ने एकेडमिक ब्लॉक, हॉस्टल, जलनिकासी आदि को लेकर चल रहे कार्यों के बारे में पूछताछ की। उन्होंने कहा कि समयबद्धता और गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की चूक अक्षम्य होगी। मुख्यमंत्री ने एजेंसी व कार्यदायी संस्था के अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ बैठक कर निर्माण कार्यों की प्राथमिकता तय कर लें और उसी के अनुरूप कार्य करें। उन्होंने काम में तेजी लाने के लिए एक साथ 1200 से 1500 मजदूरों-कारीगरों को लगाने की भी हिदायत दी। इस दौरान आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एके सिंह, सांसद रविकिशन शुक्ल, भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ धर्मेंद्र सिंह, विधायक महेंद्रपाल सिंह, कमिश्नर रवि कुमार एनजी, जिलाधिकारी कृष्णा करुणेश समेत कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

निर्माणाधीन ओवर ब्रिज का भी किया निरीक्षणः आयुष विश्वविद्यालय का जायजा लेने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बालापार मार्ग पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज का भी निरीक्षण किया ।

सीएम योगी के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत बनेंगे पांच खेल के मैदान

जालौन। मुख्यमंत्री योगी के ड्रीम प्रोजेक्ट के तहत कालपी तहसील में पांच खेलकूद के मैदान बनने हैं, जिसमें से दो खेल मैदानों में बड़े ही तेजी से कार्य शुरू हो चुका है। उक्त जनकारी कालपी तहसीलदार सुशील कुमार सिंह ने दी। उन्होंने कहा कि अब जो तीन और मैदानों में कार्य शुरू नहीं हुआ है उनमें भी बड़ी तेजी से कार्य शुरू होने वाला है। तहसीलदार कालपी सुशील कुमार सिंह ने बताया कि दमरास और चरसौनी दो स्थल ऐसे हैं जहां कार्य शुरू हो चुका है। यह कार्य राजस्व विभाग की देखरेख में पीडब्ल्यूडी द्वारा करवाया जा रहा है। बाकी शेष तीन जगहों परासन, इमिल्या बुजुर्ग और कुरहना में भी खेल कूद के स्थान बनाए जाने हैं, जिन पर भी शीघ्र काम शुरू हो जाएगा। उन्होंने बताया कि खेल के मैदान बन जाने से लोगों को एक खेल खेलने के लिए एक अच्छा वातावरण मिलेगा। मैदान को समतल कराने के बाद किनारे-किनारे वृक्ष लगाए जाएंगें। बैठने की व्यवस्था की जा रही है। लाइट की भी व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा फाटक भी लगाया जाएगा ताकि उसके अंदर की चीजे सुरक्षित रह सके।

मां गंगा के बिना भारत की कल्पना नहीं की जा सकती : रामनाथ

ऋषिकेशः पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि जब हम श्रीराम कथा या मां गंगा की बात करते हैं तो उन्हें लगता है कि मां गंगा के बिना भारत की कल्पना नहीं की जा सकती है। ठीक इसी तरह से भारत के जीवन से प्रभु श्रीराम के जीवन को निकाल दें तो उसके बिना भारत अधूरा रहेगा। यह बात पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने यहां परमार्थ निकेतन में आयोजित श्रीराम कथा में सपरिवार पहुंचने के उपरांत कहीं। उन्होंने अपनी विगत भेंट और परमार्थ निकेतन की स्मृतियों का स्मरण भी किया। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद पत्नी सविता कोविंद और बेटी स्वाति के साथ यहां आए हैं, जिन्होंने गंगा तट पर पर्यावरण और जल संरक्षण के प्रति जनसमुदाय को जागरूक करने, सामाजिक और तात्कालिक समस्याओं के समाधान को समर्पित मासिक ह्यश्री राम कथाह्ल में सहभाग किया। इस दिव्य कथा का उद्देश्य है कि वैश्विक स्तर पर स्वच्छता, स्वच्छ जल, नदियों का संरक्षण, सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त विश्व का निर्माण करने में जन समुदाय को जागरूक करना और पौधरोपण, महिला सशक्तिकरण, शादी से पहले शिक्षा का संदेश प्रसारित कर बाल विवाह को समाप्त करना, नशा मुक्त भारत, भ्रूण हत्या जैसे विषयों पर श्रीराम कथा के मंच से संदेश प्रसारित कर जनसमुदाय को संकल्पित करना है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा कि मां गंगा के पावन तट पर मुरलीधर के मुखारबिन्द से एक माह तक चलने वाली यह श्रीराम कथा श्रवण करने का अवसर पूर्व जन्म का पुण्य और मां गंगा का पावन तट दोनों का संयोग और श्रीराम कथा का भी संयोग है। यह संयोग जीवन में कभी-कभी मिलता है ।

राजस्थान में दोगुनी रफ्तार से हो रहा विकासः गहलोत

पालीः मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए सरकार कटिबद्ध है। हर आहत को राहत पहुंचाना ही सरकार का ध्येय है। इसके लिए ढेरों जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं तथा उसका लाभ भी लोगों को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने यह बात पाली जिले की दो दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन रविवार को सर्किट हाउस में जनसुनवाई करते हुए कही। बडी संख्या में पहुंचे लोगों से मुख्यमंत्री ने मुलाकात कर आत्मीयता से उनकी परिवेदनाएं सुनी और अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री गहलोत ने सर्किट हाउस में बारी-बारी से आमजन से मुलाकात की। लोगों ने पाली जिले को दी गई सौगातों के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। साथ ही, विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपे। मुख्यमंत्री ने एक-एक व्यक्ति की बात को ध्यान से सुना।

पॉवर कॉरपोरेशन इस वर्ष पहले से रहा है सतर्क, बैंकिंग के मिलेंगे प्रतिदिन 3000 मेगावाट

उप्र : पच्चीस हजार मेगावाट के पार पहुंची बिजली की मांग

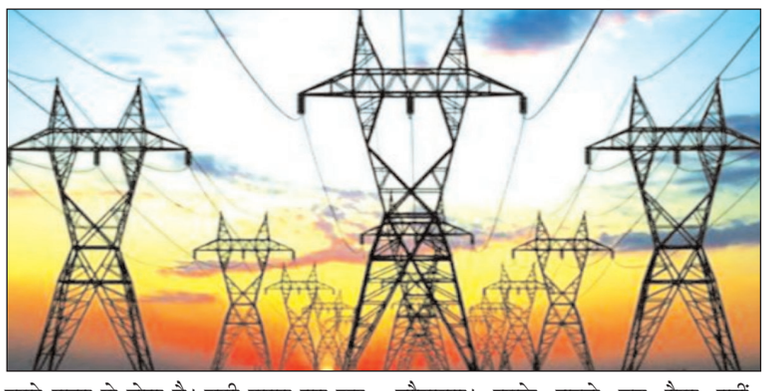

लखनऊ। गर्मी का प्रकोप बढ़ने के साथ ही बिजली की मांग बढ़ने लगी। हालांकि इस बार सरकार ने पहले ही चालाकी दिखाई और बैंकिंग की बिजली उसे 3000 मेगावाट मिल रही है, जिससे बिजली के लिए प्रदेश में हाहाकार नहीं मचा। अभी एक जून को प्रदेश में अधिकतम बिजली की मांग 23833 मेगावाट थी, जो चार जून को बढ़कर 25200 मेगावाट पहुंच गयी। यदि गर्मी ऐसी ही रही तो एक-दो दिन में ही अब तक का पिछले वर्ष टूटा रिकार्ड का 26537 मेगावाट का भी रिकार्ड टूट जाएगा। बैंकिंग बिजली का फामूर्ला यह है कि यदि किसी राज्य को जितने मेगावाट की जरूरत पड़ती है और वह दूसरे राज्य से लेता है। उसी समय तय कर दिया जाता है कि वह किस माह में बिजली लौटाएगा। इसके बदले वह पैसा नहीं, बिजली लौटाता है। वहीं उत्तर प्रदेश ने आफ सीजन में दूसरे राज्यों को इस वर्ष बिजली दिया था, जिसे वे लौटा रहे हैं। वहीं बैंकिंग बिजली 300 मेगावाट प्रतिदिन उत्तर प्रदेश को मिल रही है, जिससे बिजली की कमी नहीं हो रही, वरना अब तक प्रदेश को महंगी बिजली खरीदनी पड़ जाती।

अब तक सबसे ज्यादा बिजली की मांग पिछले वर्ष जून माह में ही एक दिन 26537 मेगावाट पहुंचा था। वह आजादी के बाद से अब तक का प्रदेश में उच्चतम मांग है, लेकिन इस वर्ष वह रिकार्ड भी टूट जाने का अनुमान लगाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का कहना है ।

गंगा नदी पर बन रहा निर्माणाधीन फोरलेन पुल फिर गिरा

2 गार्ड लापता; 1700 करोड़ की लागत से बन रहा था

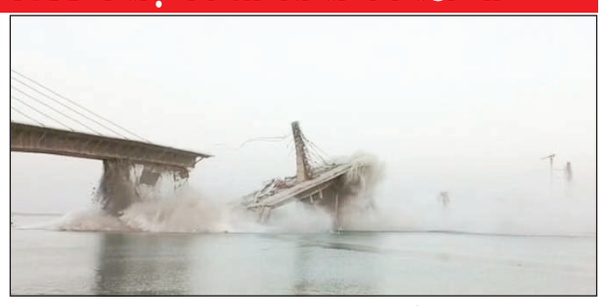

भागलपुरः बिहार के भागलपुर में सुलतानगंज-अगुवानी गंगा नदी पर बन रहे निर्माणाधीन फोरलेन पुल एक बार फिर जमींदोज हो गया। निर्माणाधीन पुल का सुपर स्ट्रक्चर नदी में गिर गया। वहीं पुल पर ड्यूटी कर रहे दो गार्ड भी हादसे के बाद से लापता हैं। टीम इनकी तलाश कर रही है। अगुवानी के तरफ से पुल के पाया नंबर 10,11,12 के ऊपर का पूरा सुपर स्ट्रक्चर गिर गया है जो लगभग 200 मीटर का हिस्सा होगा। हालांकि, हादसे का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। इस महासेतु का निर्माण एसपी सिंगला कंपनी द्वारा किया जा रहा है। बता दें कि यह भागलपुर जिले के सुल्तानगंज में बन रहा यह पुल खगड़िया और भागलपुर जिलों को जोड़ने के लिए बनाया जा रहा है। घटना रविवार शाम की है। इस महासेतु का निर्माण एसपी सिंगला कंपनी द्वारा किया जा रहा है। बता दें पिछले साल 27 अप्रैल को इस निर्माणाधीन पुल का सुपर स्ट्रक्चर नदी में गिर गया था।

इफको में हुआ रन फार इनवायरमेंट का आयोजन

इफको के अधिकारियों ने वृहद वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

अखंड भारत संदेश

फूलपुर। पर्यावरण को संरक्षित करने के साथ ही जन समुदाय में पर्यावरण संरक्षण की भावना जागृत करने के उद्देश्य से इफको की फूलपुर इकाई में रविवार को पर्यावरण जागरूकता रैली ₹रन फॉर इनवायरमेंट₹ निकाली गई। वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक संजय कुदेशिया के नेतृत्व में आयोजित पर्यावरण रैली में इफको के अधिकारी, कर्मचारी, महिलाएं एवं बच्चे शामिल हुए। पर्यावरण संरक्षण के प्रति आमजन को जागरूक करने से सम्बन्धित पोस्टर, बैनर एवं नारे के साथ इफको घियानगर परिसर में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा वृहद वृक्षारोपण किया गया। वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक संजय कुदेशिया ने कहा कि इफको पर्यावरण संरक्षण में हमेशा सकारात्मक रहा है, विश्व पर्यावरण दिवस के दिन भी संयंत्र में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण के लिए शपथ दिलायी जाएगी। कार्यक्रम का संयोजन उमेश कुमार शुक्ला वरिष्ठ प्रबंधक ई.पी.सी. ने किया। मौके पर संयुक्त महाप्रबंधक क्रमशः संजय वैश्य, एम.डी. मिश्र, डॉ अनीता मिश्रा, संजय भंडारी, पीके सिंह, पीके पटेल, रत्नेश कुमार, एसके सिंह, इफको ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सोनू तिवारी व महामंत्री स्वयं प्रकाश, इफको कर्मचारी संघ के अध्यक्ष पंकज पाण्डेय व महामंत्री विनय यादव, प्रबंधक ई.पी.सी. मनोज तिवारी के साथ ही बड़ी संख्या में इफको के अधिकारी, कर्मचारी, महिलाएं एवं बच्चों ने जागरूकता रैली में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

इफको में निकली पर्यावरण जागरूकता रैली में शामिल इफको के अधिकारी व अन्य कर्मचारी

भयानक रेल हादसे से रेल मंत्रालय को सबक लेने की जरूरत : रेलवे इम्प्लॉइज फेडरेशन

रेलवे में ठेकेदारी के खिलाफ जमकर बोले कर्मचारी नेता

प्रयागराज। 2 जून 2023 का दिन भारतीय रेलवे के इतिहास में काले त्रासदी भरे दिन के रूप में याद किया जाएगा। दक्षिण पूर्व रेलवे की खड़गपुर डिवीजन के बहानगर बाजार स्टेशन पर हुए भीषण हादसे में 300 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर में हर एक मनुष्य की आंख को नम कर दिया है। हम इंडियन रेलवे एम्पलाईज फेडरेशन संबद्ध ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल फॉर ट्रेड यूनियंस की ओर से पीड़ित परिवारों के साथ पूर्णता सहानुभूति प्रकट करते हैं। हमारा मानना है कि भारतीय रेलवे तथा देश की सरकार द्वारा दी जाने वाली कोई भी राहत पीड़ित परिवारों के घाव नहीं भर सकती है। हमें इस दुखदाई हादसे से सबक लेने की जरूरत है। उक्त उदगार कमरेड मनोज पाण्डेय राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कमरेड सर्वजीत सिंह महामंत्री, इंडियन रेलवे इम्प्लॉइज फेडरेशन ने संगठन की बैठक मे संयुक्त रूप मे व्यक्त किया। बैठक के उपरांत प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए नेता द्वय ने कहा कि 2 जून को 22 डिब्बों वाली बेंगलुरु-हावड़ा एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 12864 जो हावड़ा की तरफ जा रही थी की तीन-चार बोगियां बहानगर बाजार स्टेशन से गुजरते समय डीरेल होकर दूसरी लाइन पर जा गिरी। ठीक उसी समय 23 डिब्बों वाली शालीमार-चेन्नई एक्सप्रेस गाड़ी संख्या 12841 आ गई जो डिब्बों से टकराकर तीसरी लाइन पर खड़ी मालगाड़ी पर चढ़ गई। जिसके कारण सैकड़े लोगों की बेशकीमती जान चली गई और देश के करोड़ों अरबों रुपए का नुकसान हो गया। कर्मचारी नेता मनोज पाण्डेय व सर्वजीत सिंह, ने हादसे के कारणों पर चर्चा करते हुए कहा कि भीषण गर्मी के चलते रेल लाइनों में बिगाड़ पैदा हो सकते हैं जिसको टेक्निकल भाषा में रेल ट्रैक बकलिंग कहा जाता है। दूसरा कारण भारतीय रेलवे में कर्मचारियों की भारी कमी के चलते कर्मचारियों को प्रॉपर रेस्ट नहीं मिल पा रहा है जिसके चलते कर्मचारी भारी शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक दबाव में रहते हैं। जिसको भारतीय रेलवे प्रशासन भी मानता है। तीसरा कारण भारतीय रेलवे में किया जा रहा अंधाधुंध आउटसोर्सिंग व ठेकेदारी है जिसके चलते अनट्रेंड लोगों को संरक्षा एवं सुरक्षा के साथ जुड़े हुए कार्यों में लगाया जाता है। चौथा कारण रेलवे में कैंसर की तरह तेजी से फैलता भ्रष्टाचार है जिसके चलते गुणवत्ता को दरकिनार कर दिया जाता है। ठेकेदारों द्वारा उनका (ठेकेदार के कर्मियों का) अंधाधुंध शोषण किया जाएगा तो रेल हादसे ही भारतीय रेलवे की तकदीर बनेंगे। मीटिंग में कामरेड रवि सेन, अमरीक सिंह, राजेंद्र पाल, जुमेर दीन, एन एन बनर्जी, नरसिंह कुमार, पार्थो बनर्जी, पी के महापात्रा, किशानु भट्टाचार्य, अलोक वर्मा, मृत्युंजय कुमार, कृष्ण कुमार, कमल उसरी, संजय तिवारी, सैयद इरफात अली, पुष्पेंत्रिपाठी,राहुल चौरसिया, डी के राज, मनीष हरिनंदन, उमेद सिंह चौहान, शिवेन्द्र प्रताप सिंह, तरसेम कुमार, रतन चंद, संतोष पासवान, हरकेश, सुरेंद्र विश्वकर्मा, सुशील कुमार सिंह, प्रदीप सिंह, आलोक कुमार, ब्रह्मानंद बोई व अन्य केंद्रीय कमेटी सदस्य हाजिर थे।

न्यूज झरोखा

इलेक्ट्रिक की दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जला

फूलपुर। इलेक्ट्रिक की दुकान में अचानक आग लग जाने से लाखों का इलेक्ट्रॉनिक सामान जल कर राख हो गया। रात में हुई घटना की सूचना मिलते ही दुकान मालिक ने मौके पर पहुंच कर पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दी। जबतक आग पर काबू पाया जाता तब तक लाखों का सामान जल कर राख हो गया। फूलपुर थाना क्षेत्र के शेषपुर पश्चिमी निवासी अमित कुमार मौर्य की फूलपुर में इलेक्ट्रॉनिक की दुकान है। रविवार की रात करीब एक बजे दुकान से धुआं उठते देख आसपास के लोगों ने उन्हें आग लगने की सूचना दी तो वो आनन फानन में मौके पर पहुंचकर पुलिस व फायर ब्रिगेड को आग लगने की सूचना दी। जबतक आग पर काबू पाया जाता तब तक लाखों का सामान जल चुका था। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। भुक्तभोगी ने पुलिस को लिखित में सूचना देकर उचित कार्रवाई की मांग की। घटना की सूचना पर नगर पंचायत अध्यक्ष अमरनाथ यादव सहित सैकड़ों लोग घटना स्थल पर पहुंच कर खेद जताया।

आरोग्य केंद्र कल्याणपुर के स्टाफ ने निकाली साइकिल रैली

शंकरगढ़। विश्व साइकिल दिवस के मौके पर आरोग्य केंद्र कल्याणपुर के स्टाफ द्वारा साइकिल रैली का आयोजन किया गया। इस रैली में स्थानीय स्टाफ के साथ-साथ ग्राम प्रधान व ग्रामीण भी शामिल हुए। विश्व साइकिल दिवस पर ग्राम प्रधान राम मिलन ने लोगों को पर्यावरण की चिंताओं से अवगत कराते हुए सभी से पर्यावरण संरक्षण की अपील की। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी अभिषेक जायसवाल ने "मोटर छोड़कर साइकिल पर आइए, आलस दूर कर पर्यावरण बचाइए" का नारा दिया। अभिषेक जायसवाल ने कहा, बदलते समय में हम लोग साइकिल के महत्व को भुलाते जा रहे हैं। यह न सिर्फ हमारे आवागमन का महत्वपूर्ण साधन है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण की सेहत का भी विशेष ध्यान रखती है। उन्होंने लोगों को साइकिल से सेहतमंद रहने, बेवजह प्रदूषण रोकने में कारगर उपाय के रूप में साइकिल के इस्तेमाल की अपील की। इस दौरान ग्राम प्रधान राम मिलन के साथ पंचायत सहायक रामलोचन, आशा निर्मला सिंह, आंगनवाड़ी सहायिका गीता देवी, आदर्श, अंगद, राजकली, अर्पित, निखिल एवं अन्य ग्रामवासी मौजूद रहे।

भगवान श्रीराम के नामकरण व बाल लीला का श्रद्धालुओं ने सुना प्रसंग

लालापुर। क्षेत्र के ऋषी मुनियो की तपोभूमि रामजानकी कुटी में 7 दिवसीय श्रीराम कथा चल रही है। रविवार को कथा के चौथे दिन भगवान श्रीराम के नामकरण व बाल लीला का कथा प्रसंग सुनाया गया। अवध के परम पूज्य शिवम शास्त्री महाराज जी ने भगवान राम की सुंदर बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए बताया कि बचपन से ही लक्ष्मण जी की राम जी के चरणों में प्रीति थी। भरत और शत्रुघ्न दोनों भाइयों में स्वामी और सेवक की जिस प्रीति की प्रशंसा है, वैसी प्रीति हो गई। वैसे तो चारों ही पुत्र शील, रूप और गुण के धाम हैं, लेकिन सुख के समुद्र श्री रामचन्द्रजी सबसे अधिक हैं।मां कभी गोदी में लेकर भगवान को प्यार करती हैं, कभी सुंदर पालने में लिटाकर ह्यप्यारे ललना।ह्न कहकर दुलार करती हैं। जो भगवान सर्वव्यापक, निरंजन (मायारहित), निर्गुण, विनोदरहित और अजन्मे ब्रह्म हैं, वो आज प्रेम और भक्ति के वश कौशल्या जी की गोद में (खेल रहे) हैं। भगवान के कान और गाल बहुत ही सुंदर हैं। ठोड़ी बहुत ही सुंदर है। दो-दो सुंदर दंतुलियां हैं, लाल-लाल होठ हैं। नासिका और तिलक (के सौंदर्य) का तो वर्णन ही कौन कर सकता है। जन्म से ही भगवान के बाल चिकने और घुंघराले हैं, जिनको माता ने बहुत प्रकार से बनाकर संवार दिया है। शरीर पर पीली झंगुली पहनाई हुई है। उनका घुटनों और हाथों के बल चलना बहुत ही प्यारा लगता है। उनके रूप का वर्णन वेद और शेषजी भी नहीं कर सकते। उसे वही जानता है, जिसने कभी स्वप्न में भी देखा हो। भगवान दशरथ-कौसल्या के अत्यन्त प्रेम के वश होकर पवित्र बाललीला करते हैं।

जनता की समस्याओं को हल कराना पहली प्राथमिकता : कृष्ण भैया

पसना। केंद्र की मोदी सरकार के 9 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में मोदी एवं योगी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव के अंत्योदय समाज तक पहुंचाने के लिए दिन रात कड़ी मेहनत धूप में करके यमुनापार के पठारी क्षेत्र में जनसंपर्क कर रहे पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह के भतीजे वरिष्ठ भाजपा नेता श्री दिवाकर प्रताप सिंह उर्फ कृष्ण भैया इन दिनों अनवरत सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। बता दें कि रविवार को कोरांव विधानसभा के बभनपट्टी गांव में क्षेत्र पंचायत सदस्य विवेक मिश्र के आवास पर एक गोष्ठी रखी गयी जिसमे बतौर मुख्य अतिथि दिवाकर प्रताप सिंह शामिल हुए और अंत्योदय समाज गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले प्रत्येक वर्ग के लोगों की मौजूदगी में केंद्र सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर एवं राज्य सरकार की चलाई जा रही तमाम योजनाओं को अब तक कितना अमली जामा पहनाया गया इस पर प्रकाश डाला, साथ ही योगी आदित्यनाथ सरकार के अंत्योदय हेतु किये गए विशेष कामों का भी बखूबी गिनाया। ग्राम वासियों ने भाजपा नेता का स्वागत करते हुए अपने गांव की तमाम छोटी बड़ी समस्याओं को अवगत कराया जिसको दिवाकर प्रताप सिंह ने प्राथमिकता से हल कराने का आश्वासन दिया। उक्त कार्यक्रम में विवेक मिश्र सदस्य छेत्र पंचायत, अशोक दुबे, भाजपा नेता भोले दुबे, नचक कोल, मोहन लाल पाल, जमुना प्रसाद विश्वकर्मा समेत अन्य ग्रामीण मौजूद रहें। कार्यक्रम का संचालन धीरज कुमार मिश्र ने किया।

करछना में नारी शक्ति सुरक्षा से संबंधित दी गई जानकारी

करछना। रविवार को ग्राम पंचायत सचिवालय करछना में हमारी सुरक्षा मिशन शक्ति नारी सुरक्षा नारी सम्मान नारी स्वालंबन के अंतर्गत महिलाओं के लिए संदेश की एक बैठक आहूत की गई जिसमें की ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अवतार किशन सिंह थाना करछना से सब इंस्पेक्टर हरिशंकर मिश्रा जी हेड कांस्टेबल प्रवीण पांडे जी भूपेंद्र प्रताप सिंह महिला कांस्टेबल प्रियंका अनीता यादव सुषमा जी पंचायत सहायक प्रतिभा सिंह करछना ग्रामसभा की माताएं बहने उपस्थित रहे पुलिस के द्वारा स्थानीय महिलाओं को प्रयागराज पुलिस के द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए चलाए जा रहे मिशन शक्ति , महिला हेल्प डेस्क, वूमेन हेल्प लाइन 1090, पुलिस हेल्प लाइन 112, सीएम हेल्प लाइन 1076, एंबुलेंस नंबर 108, साइबर क्राइम के विषय में जानकारी दे कर ग्राम की महिला सहायता समूह का उत्साहवर्धन किया गया।

दबंगो ने मारपीट कर किया घायल तीन पर मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। मऊआइमा इलाके में मामूली बात पर दबंगो ने एक को मार पीट कर घायल कर दिए। पुलिस ने तहरीर के आधार पर तीन के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना अंतर्गत वैधनाथ का पूरा गांव निवासी शिवराम वर्मा पुत्र बाबूलाल के मुताबिक मामूली बात को लेकर पडोस के दबंगो ने उसे लाठी डंडो से मारे पीटे कही शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दिए। शिवराम ने मऊआइमा थाने में तहरीर दी कर गांव के ही रामशरण ,करन सिंह उर्फ मेवा, मनोरमा उर्फ मतावा के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

बच्चेदारी से निकाला गया 5 किलो का ट्यूमर

अखंड भारत संदेश

असहनीय पीड़ा से मिली निजात

शंकरगढ़। चंद्रा नर्सिंग होम में रविवार को चिकित्सकों की टीम ने असहनीय पीड़ा झेल रही एक महिला को दर्द से निजात दिलाई। डाक्टरों ने आपरेशन कर महिला की बच्चेदानी से 4.5 किलो से अधिक वजनी का ट्यूमर निकाला। ट्यूमर का आकार और वजन देख परिजन भी हैरान हैं। यह आपरेशन चंद्रा नर्सिंग होम के डाक्टर संजीव साहा और उनकी टीम ने किया है। जानकारी के मुताबिक शंकरगढ़ एरिया के शिवराजपुर निवासी दीनदयाल मौर्या की पत्नी कमला देवी (50) को काफी समय से पेट में दर्द की शिकायत थी। शुरूआत में उन्होंने इसे हल्के में लिया और दर्द की दवाओं से काम चलता रहा। दीनदयाल मौर्य ने बताया कि असहनीय पीड़ा होने पर उन्होंने डा. संजीव साहा को दिखाया और सलाह ली। जांच के दौरान पत्नी की बच्चेदारी में ट्यूमर डिटेक्ट हुआ। रविवार को डा. संजीव साहा और डा.आरके सिंह की टीम ने आपरेशन कर ट्यूमर को निकाला। डा. संजीव साहा ने बताया कि इतना बड़ा ट्यूमर बहुत ही रेयर देखने को मिलता है। इस ट्यूमर का वजन पेट में पलने वाले एक स्वस्थ बच्चे से भी अधिक है। अमूमन गर्भ में बच्चे का औसत वजन तीन से साढ़े तीन किलो के आसपास होता है, जबकि यह ट्यूमर 4.5 किलो का था। चंद्रा नर्सिंग होम के प्रबंधक डा.आरके सिंह ने बताया कि अब महिला की हालत पूरी तरह से ठीक है।

स्पाइन सर्जरी को लेकर डॉक्टर शिवम की हुई सराहना

करछना। क्षेत्र के रामपुर स्थित एक निजी अस्पताल में गंभीर रूप से घायल एक किशोरी की स्पाइन सर्जरी के सफल ऑपरेशन के बाद मायूस परिजनों में खुशी का माहौल है। डॉ.शिवम पाण्डेय द्वारा लगभग 5 घंटे के दौरान किए गए सफल ऑपरेशन के बाद किशोरी अब पूरी तरह स्वस्थ है और क्षेत्र के लोगों में इसकी काफी सराहना की जा रही है।बीते दिनों कोरांव के बहरैचा में ट्रैक्टर और ट्राली के जोरदार भिड़न्त में खीरी के बघोल गांव की रहने 15 वर्षीय ऊषा कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गई थी। घटना के दौरान वह घंटों तक ट्राली के नीचे दबी रही जिससे रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर होने के बाद दोनों पैरों ने काम करना बंद कर दिया था। स्थानीय चिकित्सक डॉ. धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि ऊषा के इलाज को लेकर बाहर जाने और बड़ा खर्च उठाने को लेकर परिजन पूरी तरह मायूस हो चले थे। जानकारी होने पर परिजन उसे रामपुर अस्पताल ले गए जहां युवा सर्जन डॉ. शिवम पांडेय ने देख रेख करने के बाद भर्ती करने की सलाह दीऔर कई घंटे के ऑपरेशन के बाद अब ऊषा को पूरी तरह राहत मिली है। उसके पैरों की हरकत शुरू हो चुकी है और वह अपने से उठने बैठने भी लगी है। डॉ.पांडेय ने बताया कि स्पाइन सर्जरी एक चुनौतीपूर्ण कार्य है।अधिकतर दुर्घटनाओं में हड्डी टूटने का खतरा बना रहता है इसके अलावा भी सामान्य रूप से कमर दर्द,घुटने का दर्द,जोड़ों के दर्द आदि हड्डियों से संबंधित रोगों को गंभीरता से लेना चाहिए। समय रहते इलाज न होने पर बाद में गंभीर स्थितियों का सामना करना पड़ता है। फिलहाल युवा चिकित्सक द्वारा किए गए स्पाइन सर्जरी के सफल ऑपरेशन को लेकर यमुनापार क्षेत्र में प्रशंसा हो रही है।

अज्ञात बोलोरो ने बाइक में मारी टक्कर, इलाज के दौरान युवक की मौत

मऊआइमा। मऊआइमा थाना क्षेत्र के अल्लीपुर में बीती रात अज्ञात बोलोरो ने बाइक में टक्कर मार दी। जिस से यूवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने शहर के लिए रिफर कर दिया शहर ले जाते समय रास्ते में युवक की मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक मऊआइमा के ग्राम अलीपुर में बीती रात बाइक से घर जा रहा युवक को अज्ञात बोलोरो ने टक्कर मार दी जिस से वह बुरी तरह घायल हो गया था। जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर लाया गया जहां डॉक्टरों ने गंभीर देख शहर के लिए रिफर कर दिया था । बताया गया है कि शहर ले जाते समय रास्ते में युवक की मौत हो गई। जिसे एस आर एन ले जाया गया। बाद में पता चला कि मृतक युवक राजू 28 वर्ष पुत्र रईस भुर्रा सुलतानपुर रानीगंज प्रतापगढ़ बताया गया है। बताया गया कि एक अन्य साथी की हालत नाजुक बनी हुई है। जिसे एस आर एन में भर्ती कराया गया है।

पूर्व प्रधान डीहा ने बकाया भुगतान को लेकर सीडीओ से की फरियाद

अखंड भारत संदेश

करछना। विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत डीहा में पूर्व प्रधान रही श्रीमती सुरसती देवी द्वारा लाखों रुपए का भुगतान बकाया वर्तमान प्रधान व सचिव द्वारा न किए जाने पर मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज से लिखित शिकायत देकर विकास कार्यों में खर्च किए गए रुपए के भुगतान के लिए मांग की बताया जाता है कि पूर्व प्रधान सरस्वती देवी द्वारा कायाकल्प शौचालय व अन्य कार्यों में करीब 10 लाख के ऊपर का जिसके लिए जिसके ब्लॉक करछना खंड विकास अधिकारी से लेकर जिले के अधिकारियों तक बकाया भुगतान किए जाने को लेकर विगत वर्षों से करते आ रहे हैं लेकिन जिम्मेदार लोगों द्वारा भुगतान नहीं किया गया पूर्व प्रधान का कहना है कि ग्राम पंचायत डीहा के पूर्व प्रधान द्वारा शासन के मंशा के अनुसार कराए गए कार्य का भुगता न किए जाने पर एडीओ पंचायत व सीडीओ के आदेश पर भी वर्तमान प्रधान भुगतना नही कर रहे हैं पूर्व प्रधान श्रीमती सुरसती देवी जी अपने कार्यकाल मे कराए भुगता के लिए दर दर भटक रही है, उनके द्वारा कराए गए कई कार्य पर वर्तमान प्रधान नए कार्य करा दिए है उनके कार्य को ढकने का काम कर रहे हैं।

प्रायश्चित करना एक मात्र ही मुक्ति पाने का उपाय है : आचार्य देवव्रत

अखंड भारत संदेश

करछना। पूज्य गुरु आचार्य संतोष जी महराज के आशीर्वाद और निर्देशन में मुख्य यजमान व कथा श्रोता श्रीमती प्रभा शुक्ला एवम डा उमा शंकर शुक्ला के यंहा 7 दिवसीय भागवत कथा सप्ताह ज्ञान एवं संगीतमय कथा का आयोजन दिनांक 01 जून से प्रारम्भ हुआ इस आयोजन के प्रारंभ में कलश यात्रा बैंड बाजा, हांथी घोड़ा के संपन्न हुआ। कथा वाचक बालशुक आचार्य देवव्रत जी महराज जी हैं। कलश यात्रा में समस्त ग्रामवासी में महिलाओं के साथ क्षेत्र के गड़मान्य ब्यक्ति उपस्थित थे । ग्राम बेंदों तहसील करछना में चल रहे सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का आज तीसरे दिन रविवार को भगवान श्री कृष्ण जी का जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। आज के इस आयोजन में कथा वाचक बालशुक आचार्य देवव्रत जी महराज जी उपस्थित जन मानस को यह बताया कि मनुष्य जीवन में जाने अनजाने प्रतिदिन कई पाप होते है। उनका ईश्वर के समक्ष प्रायश्चित करना ही एक मात्र मुक्ति पाने का उपाय है। उन्होंने ईश्वर आराधना के साथ अच्छे कर्म करने का आह्वान किया। जीवन में सत्संग व शास्त्रों में बताए आदर्शों का श्रवण करने का आह्वान करते हुए कहा कि सत्संग में वह शक्ति है, जो व्यक्ति के जीवन को बदल देती है। उन्होंने कहा कि व्यक्तियों को अपने जीवन में क्रोध, लोभ, मोह, हिंसा, संग्रह आदि का त्यागकर विवेक के साथ श्रेष्ठ कर्म करने चाहिए। भगवान के नाम मात्र से ही व्यक्ति भवसागर से पार उतर जाता है। उन्होंने भगवत कीर्तन करने, ज्ञानी पुरुषों के साथ सत्संग कर ज्ञान प्राप्त करने व अपने जीवन को सार्थक करने का आह्वान किया। भजन मंडली की ओर से प्रस्तुत किए गए भजनों पर श्रोता भाव विभोर होकर नाचने लगे। आज की कथा में उपस्थित लोगों ने इस संगीतमयी भागवत कथा का आनंद उठाया। इस सात दिवसीय भागवत कथा में आस-पास के गांव के अलावा दूर दराज से काफी संख्या में महिला-पुरूष भक्त इस कथा का आनंद उठाते हैं। कथा के समय पूरा वातावरण भक्तिमय रहता है। भागवत कथा में समस्त ग्रामवासी सहित श्री प्रेम बिहारी मिश्रा , ज्ञानेंद्र श्रीवास्तव , कृष्ण मुरारी लाल श्रीवास्तव, आनंद चतुवेर्दी , अभिजीत शुक्ला, आशुतोष शुक्ला, कमलेश तिवारी , ग्राम प्रधान पति श्री बड़े लाल पटेल , श्रीमती रतन श्रीवास्तव , रेखा देवी, उमा देवी, तथा अशोक कुमार शुक्ला, सोनल शुक्ला, विनीत शुक्ला , अनिल शुक्ला , संजय शुक्ला, विनोद शुक्ला, आनंद चतुवेर्दी , कृष्ण अवतार शुक्ला, राजेश , वीरेंद्र, लालमोहन शुक्ला , मुकेश शुक्ला आदि उपस्थित थे।

तपती धूप और तेज हवा के कारण घर से निकलना हुआ मुश्किल पारा 45 के पार

अखंड भारत संदेश

जारी। इस समय उत्तर प्रदेश के प्रयागराज सहित ग्रामीण अंचलों में भीषण गर्मी पड़ रही है। तथा लू और तपन इतनी बढ़ गई है कि घर से निकलना मुश्किल हो गया है। सुबह दस बजते बजते इतनी तेज धूप हो जाती है कि हाथ पैर सब जलने लगता है ।गर्म हवाएं बहने लगती है ।धूप में निकलना मुश्किल हो गया है। पारा 45 के पार पहुंच गया है। लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त है। और यह धूप तो सुबह नव बजे से शाम पांच बजे तक कड़ाके की धूप रहती है। जिसमें लोगों का बाहर निकलना काफी मुश्किल हो गया है। लोग अपनी दिनचर्या कैसे व्यतीत करें इस धूप और तपन से राहत के लिए लोगों को चाहिए कि ज्यादा से ज्यादा घरों में रहे ।और कम से कम समय बाहर दें। जिससे गर्मी से बचा जा सके। तथा गर्मी के समय में बार-बार पानी का सेवन करते रहे जिससे शरीर में पानी की कमी ना हो । और नींबू पानी का सेवन पर्याप्त मात्रा में करें दिन में लगभग दो-तीन बार पिए जिससे लू से बचा जा सके ।इस गर्मी में पानी की किल्लत अहम है। गांव गांव पानी की समस्या बनी हुई है कहीं पर कुआं सूख गया है तो कहीं तालाब सूख गए हैं। कहीं नल का जल स्तर इतना कम हो गया है कि पानी नहीं मिल पा रहा है। तथा पशुओं को भी पानी की काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। हमारे क्षेत्र में गोवंश इतनी ज्यादा संख्या में है कि इनको भी पानी की काफी दिक्कतें हो रही है गर्मी मे बिजली की आंख मिचौली से ग्रामीण इलाको मे हाहाकार मचा है। कही ट्रान्सफार्मर जला है तो कही तार जर्जर अवस्था मे पडा हुआ है। अधिकारी अनजान बने हुए हैं।

भीषण तपिश में कुम्हार देसी घड़े बनाने में जुटे

जारी। मौसम का तेवर काफी तल्ख है। तेज धूप और उमस लोगों को बेचैन करने लगी है। ऐसे में पल-पल लोगों को पानी की आवश्यकता पड़ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादातर घरों में लोग फ्रिज इस्तेमाल करते हैं ।लेकिन फिर भी घड़ों और सुराही की मांग में तेजी आई है ।बाजारों में घड़ा और सुराही की खरीददारी भी शुरू हो गई है। वहीं जारी के शांति नगर में कुम्हार भी छोटे-बड़े साइज का घड़ा और सुराही बनाने में जुट गए है। बाजार में पचास से लेकर डेढ़ सौ रुपए में इसकी बिक्री की जा रही है। ग्राहकों को मीठा और ठंडा पानी मिल सके, इसके लिए कई चाय-नाश्ता के दूकानदार भी बड़े साइज के घड़े की खरीद कर रहे हैं ।कुम्हारों ने बताया कि अब पहले जैसी घड़ा और सुराही की मांग नहीं है। इसलिए सीमित मात्रा में ही इसे बनाने का काम किया जा रहा है। पर्याप्त मिट्टी भी नहीं मिल पा रही है, जिससे कारोबार को लेकर उत्साह कम होता जा रहा है।

अछोला में श्रीमद्भागवत कथा आज से

मेजा। सप्तदिवसीय संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का आयोजन कल 5 जून से ग्राम पंचायत अछोला में ठाकुर प्रसाद पांडेय के निवास पर शुरू हो रहा है जिसमें कथा व्यास श्रीधाम वृन्दावन के कृष्णनंदन शास्त्री कृष्णा जी महाराज और प्रयागराज के प्रवचन कथा वक्ता पंडित भोलानाथ पांडेय श्रोताओं को भागवत का रसपान कराएंगे ।उक्त आशय की जानकारी कार्यक्रम के आयोजक ठाकुर प्रसाद पांडे, मथुरा प्रसाद पांडे, देवी प्रसाद पांडे, तपेश्वरी प्रसाद पांडे, राजेंद्र प्रसाद पांडेय, महेंद्र प्रसाद पाण्डेय संयुक्त रूप से होंगे। मुख्य यजमान आयोजकों की माता छवि राजी देवी पत्नी स्व0 विश्वंभर नाथ पांडेय होंगी। आयोजकों ने बताया कि 5 जून को सुबह 9 बजे से श्री गंगा घाट अछोला से भागवत कथा स्थल तक मंगल कलश यात्रा से कार्यक्रम का शुभारंभ होगा और उसी दिन राजा परीक्षित का जन्म व शुकागमन की कथा होगी। 6 जून को कपिलोपाख्यान, ध्रुव चरित्र और जड़भरत चरित्र की कथा होगी। 7 जून को अजामिलोपाख्यान, प्रहलाद चरित्र और गजेंद्र मोक्ष, 8 जून को अंबरीश चरित्र, गंगा अवतरण,श्री राम जन्म कथा एवं श्री कृष्ण जन्मोत्सव, 9 जून को श्री कृष्ण बाल लीला, माखन चोरी, गोवर्धन पूजा एवं छप्पन भोग, 10 जून को महारास, मथुरा आगमन, कंस वध, रुक्मणी विवाह महोत्सव और 11 जून को श्री सुदामा चरित्र, सुखदेव जी की विदाई एवं श्रीमद् भागवत कथा की पूणार्हुति होगी तत्पश्चात 12 जून को महाप्रसाद एवं महाभंडारा कथा स्थल पर ही आयोजित किया गया है। कथा का समय प्रतिदिन सायं 3 बजे से सायं 7 बजे तक रहेगा।आयोजकों ने बताया कि संपूर्ण कार्यक्रम में केदारनाथ पांडे, सुवालाल पांडे, ओंकार नाथ पांडे, चिंतामणि पांडे, राम जी पांडे, दुर्गा प्रसाद पांडे, अरुण कुमार पांडे और विनय कुमार पांडे स्वागत के लिए मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में मुख्य यजमान के कुल पुरोहित पंडित दिनेश मिश्र अपनी टीम के साथ संपूर्ण कार्यक्रम तक भागवत भगवान का जाप करेंगे। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से सप्तदिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के अवसर पर पधार कर श्रवणामृत का पान कर अपना जीवन धन्य बनाने और उन्हें कृतार्थ करने का अनुरोध किया है।

रेलवे पुलिस में तैनात दरोगा की पत्नी की हत्या

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शहर के रेलवे पुलिस जीआरपी में तैनात दरोगा निहाल सिंह यादव की पत्नी की हत्या उनके घर पीपल गांव में कर दी गई है रेलवे दरोगा की पत्नी की हत्या करने के बाद हत्यारे मौके से फरार हो गए हैं दरोगा की पत्नी की हत्या की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की मौके पर भीड़ लग गई है सूचना दरोगा को दी गई है सूचना पाकर दरोगा भी अपने घर पहुंच गए हैं मामले की भनक लगते ही मौके पर स्थानीय थाना पुलिस पहुंची है और महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है जानकारी के मुताबिक धूमनगंज थाना अंतर्गत पीपल गांव में दरोगा की पत्नी महिला पुष्पा देवी उम्र लगभग 50 वर्ष रविवार को अपने घर पर मौजूद थी इसी बीच कुछ लोगों ने महिला की गला घोटकर हत्या कर दी है महिला के नाक से खून बह रहा है गले में निशान पाए गए हैं दरोगा की पत्नी की हत्या की जानकारी मिलते ही हड़कंप मच गया पत्नी की हत्या की जानकारी मिलते ही आनन-फानन में ड्यूटी छोड़ कर दरोगा भी घर पर पहुंच गए मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है दरोगा की पत्नी की हत्या क्यों की गई है इस बारे में कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं है पुलिस हत्या के कारणों की जांच कर रही है।

ई-रिक्शा चालक की गोली मारकर हत्या

अखंड भारत संदेश

परिवार वालों का आरोप है कि स्मैक के विवाद में वारदात, पान की दुकान पर बात करते समय बदमाशों ने झोंका फायर

प्रयागराज। कैंट थाना क्षेत्र में स्मैक के विवाद में ई-रिक्शा चालक किशोर की गोली मारकर हत्या कर दी गई जिस से नाराज लोगों ने पुलिस के खिलाफ हंगामा करते हुए कार्रवाई की मांग की आरोप लगाया कि राजापुर क्षेत्र में एक दशक से स्मैक, हेरोइन जैसे मादक पदार्थों की बिक्री हो रही है जानकारी के बावजूद पुलिस मौन रहती है इसी चक्कर में एक किशोर की गोली मारकर हत्या कर दी गई घटना की सूचना के बाद प्रयागराज पुलिस कमिश्नर, सहायक पुलिस कमिश्नर समेत तमाम आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। फॉरेसिक टीम को बुलाया गया जांच पड़ताल कराई गई वहां के आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई घर पर ई रिक्शा खड़ा करके चाय पीने गया था आदिल प्रयागराज नगर के कैंट थाना अंतर्गति राजापुर मोहल्ला निवासी रियासत अली उफ गुडडू खान ई रिक्शा चालक हैं उसका इकलौता बेटा आदिल खान भी ई रिक्शा चलाता था शनिवार की रात करीब 11: अदिल अपना ई रेक्शा लेकर घर पहुंचा ई-रिक्शा घर पर खड़ा करने के बाद वह चाय पीने के लिए राजापुर में मुन्ना भूसे वाले की गली के सामने पहुंच गया वहां एक पान की दुकान पर खड़े होकर आदिल अपने साथियों के साथ बात कर रहा था दुकान पर आदिल को देख तीन युवक आए। उनमें से एक ने उसके सिर पर गोली मार दी और साथियों के साथ भाग निकला। अचानक फायरिंग की आवाज सुनकर हड़कंप मच गया। जब तक लोग इकटा हुए, जमीन पर गिरा आदिल खून से लथपथ हो चुका था घरवालों और पुलिस को सूचना दी गई पुलिस के सामने रोते हुए रियासत अली उर्फ गुड्डू ने बताया कि उसके इकलौते बेटे को मोहल्ले की ही एक युवक ने गोली मारी है पुलिस ने आदिल को स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय भेजा। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया पुलिस कमिश्वर रमेश शर्मा समेत तमाम अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर पूछताछ की। इस दौरान पिता ने पुलिस को बताया कि स्मैक बेचने वाले राशिद, पंकज और सनी नाम के तीन लड़कों ने उसके बेटे की गोली मारकर हत्या की है पुलिस ने उसकी लाश को पोस्टमार्टम हाउस भिजवा दिया है। लोगों ने बताया कि राशिद स्मैक का कारोबार काफी दिनों से कर रहा है। वह कैंट थाने का हिस्ट्रीशीटर भी है। कई बार जेल जा चुका है। उसकी पूरी एक गैंग है, जो क्षेत्र में घूम-घूम कर स्मैक की बिक्री खुलेआम करती है जिसके बारे में क्षेत्रीय पुलिस को भी पता है डीसीपी नगर दीपक भूकर का कहना है कि राशिद, पंकज और सनी नाम के लड़कों ने स्मैक के विवाद में आदिल की गोली मारकर हत्या की है पिता की तहरीर पर तीनों लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है आरोपियों की तलाश में 5 टीमें लगाई गई हैं जल्दी तीनों की गिरफ्तारी कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

जमीन कब्जाने की नीयत से दबंग ने घर में घुस की मारपीट, कपड़े फाड़े

दो बच्चों के साथ कप्तान के पास पहुंची विधवा ने लगाई न्याय की गुहार

प्रतापगढ़। कोहड़ौर थाना क्षेत्र के अतरसंड की रहने वाली विधवा रंजना सिंह ने पुलिस अधीक्षक से जान-माल के सुरक्षा की गुहार लगाई है। रंजना सिंह का आरोप है कि जमीन पर कब्जा करने की नीयत से उसके दबंग पड़ोसी उसे आए दिन परेशान करते रहते हैं। घर में घुसकर कई बार हमला कर चुके हैं। बीते 28 मई की शाम घर में घुस नग्न तांडव किया। आरोपित है कि दबंग पड़ोसी ने घर का सारा सामान फेंक दिया। विरोध पर विधवाके साथ न सिर्फ मारपीट की गई, बल्कि उसके कपड़े भी फाड़ दिए गए। आरोपी ने बाल पकड़कर घसीटा और बच्चों केसाथ घर छोड़कर भाग जाने की धमकी दी गई। रंजना सिंह पत्नी स्व. अजय प्रताप सिंह का आरोप है कि इस मामले की शिकायत लेकर वह कोहड़ौर थाने गई, लेकिन उसके प्रार्थनापत्र पर कोई कार्यवाही नहीं की गई और न ही उसका मेडिकल करवाया गया। बल्कि उसे सुबह-शाम थाने का चक्कर लगवाया जा रहा है। विधवा ने आरोप लगाया कि आरोपी व्यक्ति काफी सरहंग किस्म का है। उसके खिलाफ कोहड़ौर थाने में पहले से संगीन धाराओं में मामला दर्ज है। चूंकि, पति की मौत के बाद उसके घर में कोई पुरुष सदस्य नहीं बचा। बुजुर्ग ससुर बीमार होने के कारण चलने-फिरने में असमर्थ हैं और घर में दो छोटे बच्चे हैं। इस वजह से दबंग विपक्षी उसे भगाकर उसकी संपत्ति पर कब्जा करना चाहते हैं। यदि पुलिस-प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया तो उसकी और उसके बच्चों के साथ कभी भी कोई अनहोनी की घटना घट सकती है। रंजना सिंह ने बताया कि इसके पूर्वभी उसके साथ मारपीट की घटना की जा चुकी है। जिसके संबंध में उसने सात मई और नौ मई को कोहड़ौर पुलिस के साथ-साथ पुलिस अधीक्षक को भी प्रार्थनापत्र दिया था। यदि उसके साथ कोई अनहोनी होती है तो इसकी जिम्मेदारी उक्त दबंग आरोपी की ही होगी।

कैंसर के प्रति जागरूकता मानव के लिए जरूरी : डॉ. हरिशंकर शुक्ल

मेजा। कैंसर की बीमारी में देरी होने पर यह असाध्य के साथ जानलेवा हो जाती है। इसके लिए लोगों को जागरूक होने की जरूरत है। उक्त बातें बनारस हिंदू विश्व विद्यालय के कैंसर विभाग के डॉ. हरिशंकर शुक्ल ने रविवार को सीएचसी मेजा में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन यमुनापार द्वारा आयोजित कैंसर जागरूकता अभियान में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने कहा कि पुरुषों में मुंह का कैंसर व महिलाओं में स्तन कैंसर अधिक हो रहा है। कैंसर से बचाव की जानकारी देते हुए कहा कि कैंसर एक ऐसी बीमारी है, जिसकी शुरूआत में पता चलने पर इलाज हो जाता है तो मरीज भी पूरी तरह से ठीक हो जाता है लेकिन देरी करने पर यह बीमारी असाध्य हो जाता है और जानलेवा साबित हो जाता है। इसलिए खुद भी इसे लेकर जागरूक होने की जरूरत है। महिलाओं को अगर स्तन में गांठ का अनुभव हो तो तत्काल जांच कराएं। अगर, शुरूआत में हीं पहचान हो जाती है उसका इलाज आसानी से हो जाता है। इस दौरान अंतराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एसएस तोमर,पुलिस उपाधीक्षक विमल किशोर मिश्र,नमामि गंगे के जिला संयोजक अमरेश तिवारी,मेजा बार के पूर्व अध्यक्ष जटाशंकर शुक्ला,आजम सिंह और सविता सिंह ने संगठन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। संगठन के सदस्यों ने सभी मंचासिन अतिथियों का माल्यार्पण और बैच लगाकर स्वागत किया। अधिवक्ता केके त्रिपाठी ने अपने स्वागत भाषण में मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए संगठन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम के आयोजक सीएचसी चिकित्सक डॉक्टर समीम अख्तर ने कैंसर के लक्षण और बचाव के बारे में विस्तार से जानकारी दी। संचालन संगठन सचिव यमुनापार कन्हैयालाल बिंद ने किया। इस मौके पर संगठन के यमुनापार अध्यक्ष कमलाकर सिंह,प्रधान रामधारी बिंद,प्रधान अनिल शुक्ला,पारसनाथ तिवारी,राजन मिश्र, एपी सिंह और पीएस द्विवेदी मौजूद रहे।

संगम पर नहाते समय आंधी से जेटी टूटी, वकील समेत पांच युवक गंगा में समाए

प्रयागराज। संगम में स्नान के दौरान रविवार शाम तेज आंधी से जेटी टूटने के बाद एक अधिवक्ता समेत नौ युवक गंगा में डूबने लगे। गहरे पानी में युवकों के डूबने के दौरान कोहराम मच गया। जल पुलिस और गोताखोरों की मदद से चार युवकों को बाहर निकाल लिया गया, लेकिन पांच युवक गंगा में समा गए। देर रात तक डूबे युवकों की तलाश जारी थी, लेकिन उनका पता नहीं चला सका था।स्नान के समय संगम पर यह हादसा शाम करीब छह बजे के बाद तेज आंधी के दौरान हुआ। उस वक्त कुछ युवक नहाने पहुंचे थे। आंधी आने के बाद संगम घाट पर गहरे पानी में जाने से बचाने के लिए लगाई गई जेटी की रस्सियां टूट गईं। जेटी की रस्सी टूटने की वजह से नौ युवक गहरे पानी में चले गए।युवकों के डूबने के दौरान चीख-पुकार मच गई। जानकारी मिलने के बाद वहां पर मौजूद जल पुलिस व गोताखोर की टीम ने मशक्कत कर चार युवकों को बाहर निकाल लिया, लेकिन पांच युवकों का पता नहीं चला। डूबने वालों में एक अधिवक्ता के भी होने की बात कही जा रही है। इनमें दो युवक अलोपीबाग और तीन युवक प्रयागराज के किसी हॉस्टल के बताए जा रहे हैं।

बोट क्लब के पास यमुना में युवक डूबा, मौत

अखंड भारत संदेश

गोताखोरों ने शव निकाला बाहर, 15 दिन में लगभग 12 लड़कों की डूबने से गई जान, गोताखोर मनोज निषाद की टीम ने घंटों मशक्कत के बाद युवक का शव बाहर निकाला

प्रयागराज। रविवार को सुबह कीडगंज थाना क्षेत्र के बोट क्लब के पास यमुना में स्नान के दौरान एक युवक डूब गया। सूचना के बाद सक्रिय हुए गोताखोरों की टीम ने करीब 2 घंटे बाद उसे बरामद तो कर लिया, लेकिन तब तक उसरकी मौत हो चुकी थी पुलिस ने परिजनों को सूचना देने के बाद लाश को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया भीषण गर्मी में गंगा यमुना में नहाने के लिए जाने वाले युवकों का पानी में खिलवाड़ करना जानलेवा साबित हो रहा है बीते एक पखवारे में गंगा यमुना में एक दर्जन लड़कों की डूबने से मौत हो चुकी है करेली का रहने वाला था रतन करेली थाना अंतर्गत रसूलपुर का रहने वाला रतन पटेल (35) पुत्र बच्चा लाल पटेल तीन भाइयों में बड़ा था प्राइवेट काम करता था। रविवार सुबह कीडगंज थाना क्षेत्र के वोट क्लब के पास नहाने गया था उसके साथ तीन-चार लड़के और नहा रहे थे नहाने के दौरान गहरे पानी में जाने की वजह से वह डूबने लगा तो साथ में नहा रहे लड़कों ने शोर मचाया शोर सुनकर आसपास के लोग भी दौड़े। इस बीच नए पुल के पास गोताखोर मनोज निषाद अपनी टीम के साथ मौजूद थे। उन्होंने सुना तो तत्काल नाव लेकर घटनास्थल की ओर भागे। तब तक रतन यमुना में हूब चुका था। करीब घंटे भर की मशक्कत के बाद मनोज निषाद ने आपने साथियों के साथ रतन पटेल को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी सूचना के बाद कीडगंज थाने के एसआई बलवंत सिंह यादव मौके पर पहुंच गए। उन्होंने लाश को कब्जे में लिया। साथियों के जरिए उसकी पहचान हुई तो घरवालों को सूचना दी। पता चलने पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे, उसके बाद पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया उसकी मौत से घर में कोहराम मचा हुआ है।

रामसागर स्थित तालाब में नहाने के दौरान किशोर डूबा, मौत

नैनी। नैनी कोतवाली क्षेत्र के चाका बसंत का पूरा स्थित अपनी ननिंहाल में गर्मी की छुट्टी बिताने आया था सदियापुर इलाके में रहने वाले कन्हैया लाल का (13) वर्षीय पुत्र प्रशांत उर्फ गोलू नैनी कोतवाली स्थित रामसागर तालाब में शनिवार को वह कुछ दोस्तों के साथ नहाने आया था गहरे पानी में डूयने लगा दोस्तों ने मदद के लिए गुहार लगाई जब तक लोग पहुंचते प्रशांत डूब चुका था वहीं मौजूद लोगों ने पुलिस प्रशासन को बुलाया तब जाकर तलाब से बॉडी निकली गई पुलिस अपनी आगे की कार्रवाई करी।

रेल दुर्घटना के सभी दिवंगत आत्माओं को एसपीओ की टीम ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी एसपीओ टीम के कार्यालय पर प्रभारी अभय राज सिंह एवं उप प्रभारी परवेज अहमद एवं समस्त पदाधिकारी व सदस्यों के नेतृत्व में एकत्रित हो कर रेल दुर्घटना में मारे गए लोगों को दो मिनट का मौन रख कर श्रद्धांजलि दी शुक्रवार शाम ओडिशा के बालासोर में एक बड़ा ट्रेन हादसा हुआ जो भारतीय रेलवे के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा रेल हादसा है जिसमें अब तक 288 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि सैकड़ों लोग बुरी तरह से घायल है। इस हादसे ने दिल को झकझोर कर रख देने वाली तस्वीरें भी सामने आ रही है। हादसा इतना भयानक है हम और आप कल्पना भी नहीं कर सकते। एसपीओ टीम के जनसंपर्क अधिकारी शेख लियाकत अली ने मांग की हादसे की उच्च स्तरीय जांच हो और जिम्मेदार अधिकारी सस्पेंड किए जाएं। मन में सवाल उठ रहा है की आखिर इस हादसे के लिए कौन जिम्मेदार है। श्रद्धांजलि देने वालों में एसपीओ टीम के प्रभारी अभय राज सिंह एवं उप प्रभारी परवेज अहमद जनसंपर्क अधिकारी शेख लियाकत अली रविन्द्र सिंह थाना रवि मिश्रा वीरेंद्र कुमार रामजी जयसवाल राजू वर्मा संजू वर्मा प्रदीप कुमार सुशील शर्मा वजी अहमद राकेश कुमार सोनकर अरविंद कुमार राजू शाहनी मों नसीम रोहित चौरसिया अश्वनी कुमार दिनेश कुमार सुरेंद्र कुमार पंकज दीपक चौरसिया विशाल जयसवाल सुजल केसरवानी धीरज मिश्रा शुभम प्रजापति मौजूद रहे।

दूषित जल के सेवन से फैलती है अनेकों बीमारियां : ब्लॉक प्रमुख

सोरांव। गंगा डिग्री कॉलेज रामनगर सोरांव में रविवार को मेरा पथ एजुकेशन लिमिटेड के तत्वाधान में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत दो दिवसीय क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत निर्वाचित सभी ग्राम सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रदीप कुमार सरोज ने कहा की सरकार का लक्ष्य है हर परिवार को शुद्ध पेयजल की सुविधा मिले। इसीलिए सरकार की तरफ से प्रत्येक ग्राम सभा में पानी की टंकी का निर्माण कराया जा रहा है। जिसमें जल का दुरुपयोग रोकना हमारी और आप सब नैतिक जिम्मेदारी है। संस्था के ट्रेनर ओम प्रकाश ने कहा की दूषित जल के लगातार सेवन से पीलिया कैंसर कुपोषण जैसे घातक बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है। इस अवसर पर अभिषेक शुक्ला, जिला कोऑर्डिनेटर शिवाजी राठौर, ओमप्रकाश, सिमरन, सुशील कुमार, बृजेश कुमार, नीरज कुमार,सुभाष चंद्र, प्रधान संघ अध्यक्ष सोरांव लल्लन पासी, प्रधान रविराज सोनकर, प्रधान प्रतिनिधि राम गणेश मौर्य, प्रधान संजय यादव,प्रधान प्रतिनिधि चंचल मिश्रा,प्रधान प्रेम सत्यार्थी, प्रधान पवन कुमार,प्रधान जानकी नाथ यादव, सिद्धार्थ यादव, अल्ताब अहमद सहित सोरांव ब्लॉक के अड़तालिस ग्राम पंचायतों के प्रधान सहित 641 सदस्यों ने प्रतिभाग लिया। सभी सदस्यों को संस्था की तरफ से जलपान की उत्तम व्यवस्था थी। तथा सभी सदस्यों को एक बैग में पानी की गुणवत्ता परखने के लिए किट का भी वितरण किया गया।

न्यूज झरोखा

अधिकारियों के लापरवाही से नहर के पटरी पर बना अतिक्रमण

सिरसा। मेजा क्षेत्र के अन्तर्गर ब्लाक उरूवा में अमिलहवा से खानपुर जाने वाला बेलन नहर क्षेत्र में नहर के किनारे लंबे समय से मकान बनाकर लोग बसे है। यह मकान नहर के साथ-साथ पटरी पर है। इसमें रहने वाले लोग नहर की जगह आशियाने के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। यहां से जितनी भी गंदगी निकलती है वह नहर में जा रही है। यहां बने शौचालयों के पाइप नहर में जुड़े हैं। इस तरह से सारी गंदगी नहर में जा रही है। दूसरी ओर नहर के किनारे जिन लोगों की जमीन है। उन्होंने भी नहर की पटरी पर अतिक्रमण कर रखा है। नहर विभाग के जिम्मेदार अधिकारी अतिक्रमण को लेकर गंभीर नहीं है। कुछ अतिक्रमणकारियों को नोटिस भी जारी किया गया, लेकिन उसके बावजूद भी वह जगह खाली नहीं करा पाए हैं।

पीएम आवास में धांधली की शिकायत उच्च अधिकारियों से

सिरसा। विकासखंड खंड उरूवा के समहन गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ अपात्रों को देने के आरोप में ग्राम प्रधान पर लगाया गया आरोप। बता दें कि उक्त गांव के जयदीप मिश्रा पुत्र शिवाधार मिश्रा ने ग्राम प्रधान के उपर प्रधानमंत्री आवास योजना में घोटाले का आरोप लगाया है उनका कहना है कि प्रधान अपने चहेतों को रेवड़ी बांट रहा जो वाकई में पात्र हैं उन्हें आवास नहीं दिया जा रहा है जो अपात्र है उन्हें आवास दिया जा रहा। उनका कहना है कि पात्रता सूची में उनका नाम है फिर भी उन्हें आवास नहीं दिया जा रहा जिसकी शिकायत उन्होंने उच्चाधिकारियों से किया हैं। लेकिन कार्रवाई नहीं हो सकी सरकार भले ही गांव के विकास के लिए पानी की तरह पैसा बहा रही हो लेकिन कहीं ना कहीं अधिकारी और कर्मचारी एवं जिम्मेदार लोगों की मनमानी के कारण सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों को नहीं मिल पा रहा। गांव समहन के प्रधान पर मनमानी एवं अनियमितताएं बरतने का आरोप लगाते हुए अधिकारियों को शिकायती पत्र सौंपा है। आरोप है कि दर्जनों आपात्रो को इस योजना का लाभ दिया गया है इस सूची में ऐसे लोगों के नाम शामिल हैं जिनके पास पक्के मकान सहित चार पहिया वाहन तक शामिल है। जयदीप मिश्रा ने विकास कार्यों में हुई धांधली की जांच कराए जाने की मांग की है। जिसकी शिकायत उन्होंने मुख्यमंत्री, अपर मुख्य सचिव, पंचायती विभाग, मंडलायुक्त, जिला अधिकारी मुख्य विकास अधिकारी सहित आदि तमाम कार्यालयों में किया है।

प्रबुद्ध वर्ग महासम्मेलन को खिताब करेंगे राष्ट्रीय प्रवक्ता शहनवाज हुसैन

प्रयागराज। केंद्र सरकार के नौ साल पूरे होने के उपलक्ष्य में छह जून, 2023 को प्रबुद्ध वर्ग महासम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन यूनाइटेड कालेज नैनी में दोपहर एक बजे से शुरू होगा। यह जानकारी देते हुए बारा विधायक डा. वाचस्पति ने बताया कि महा सम्मेलन में बतौर चीफ गेस्ट भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व पूर्व केंद्रीय मंत्री सैयद शहनवाज हुसैन भाग लेंगे, जबकि अध्यक्षता सांसद डा. रीता बहुगुणा जोशी करेंगी। इस आयोजन में प्रदेश सरकार के मंत्री नंद गोपाल गुप्ता उर्फ नंदी, महापौर गणेश केसरवानी, जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती, विधायक पीयूष रंजन निषाद, कोरांव विधायक राजमणि कोल, जिला संयोजक सुरेश सिंह, जिला महामंत्री राजेश शुक्ल समेत तमाम पदाधिकारी शामिल होंगे। विधायक प्रतिनिधि उमेश शुक्ल ने यमुनापार के समस्त प्रबुद्ध वर्ग से आयोजन को सफल बनाने का अनुरोध किया है। उमेश शुक्ल ने बताया कि इस आयोजन में (एनडीए) महागठबंधन भारतीय जनता पार्टी, अपना दल और निषाद पार्टी के समस्त जिला पदाधिकारीगण, मंडल अध्यक्षगण, समस्त मोर्चा के पदाधिकारीगण, समस्त ब्लॉक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्य, सभासद, शक्ति केंद्र संयोजक, बूथ अध्यक्ष, पन्ना प्रमुख शामिल होंगे।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगी स्ट्रीट लाइट मात्र दिखावा

शिवगढ़ चौराहे पर लगी लाइट मात्र दिखावा

स्ट्रीट लाइट के जलने से अपराधों पर भी लग सकता है अंकुश, क्षेत्र के प्रधानों ने स्ट्रीट लाइट जलवाने की अधिकारियों से लगाई गुहार

अखंड भारत संदेश

सोरांव। सरकार जनता के सुविधा के लिए हाइवे तो बनाकर तैयार कर दिया है। और उन पर गाडियां भी फरार्टे भर रहीं है। लेकिन वर्षों बाद भी सड़कों पर आवागमन के सुविधा के लिए लगाई गई स्ट्रीट लाइट आज भी मात्र दिखावा साबित हो रही है। जानकारी के अनुसार प्रयागराज से प्रतापगढ़ जाने वाली हाइवे को बने वर्षों गुजर गए लेकिन मलकिया से भावापुर तक लगभग 2 किलो मीटर तक राहगीरों के सुविधा के लिए लगाई गई स्ट्रीट लाइट का कनेक्शन बिजली विभाग से अभी तक नही हुआ है। जिसके कारण सूर्यास्त होने के बाद सड़कों पर अंधेरा छाया रहता है। तथा अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती है। स्ट्रीट लाइट का कनेक्शन करने के लिए मौजा डीहा के प्रधान ललिता देवी तथा प्रधान पति श्याम धर पटेल, बाहर सराय के प्रधान मनोरमा देवी तथा प्रधान पति राम गणेश मौर्य, उसरही के प्रधान सीता देवी तथा प्रधान पति अवधेश कुमार कुशवाहा और सराय लाल खातून उर्फ शिवगढ़ के प्रधान संजय यादव संग व्यापार मंडल अध्यक्ष लाल चंद्र पटेल, समाज सेवी हाजी इलियास खान, पवन पाल, डॉक्टर उदय पटेल,राम चंद्र गुप्ता आदि लोगों ने जिला पंचायत सदस्य खिन्नी लाल सरोज के माध्यम से संबंधित विभाग को अवगत कराकर स्ट्रीट लाइट का कनेक्शन करवाने की मांग किया है। जिससे लोगों को आवागमन में सुविधा मिल सके। इसके लिए विधानसभा सोरांव के विधायक गीता पासी व क्षेत्रीय सांसद केशरी देवी पटेल से शिवगढ़ के व्यापार मंडल सहित अन्य लोगों ने पेपर के माध्यम से अवगत कराकर मांग किया है कि जल्द से जल्द राष्ट्रीय राजमार्ग पर लगी स्ट्रीट लाइट को जलवाया जाए। जिससे राहगीरों संग आने जाने वाले लोगों को दिक्कतों से छुटकारा मिल सके तथा अपराधियों पर भी अंकुश लग सके। दुकानदारों का मानना है कि यदि स्ट्रीट लाइट जलने लगे तो पूरी रात आवागमन में सुविधा के साथ ही साथ सड़क के बगल दुकानों में होने वाली चोरी, और राहगीरों के साथ होने वाली छिनैती आदि अपराधों पर काफी हद तक अंकुश लग सकता है।

बाइक अनियंत्रित होने से महिला की हुई मौत, परिजनों में मचा कोहराम

मृतका के घर पर गमजदा लोग ।

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। मांगालिक कार्यक्रम से लौट रही विवाहिता की दुर्घटना में मौत होने से कोहराम मच गया। वहीं मृतका के अपने दूसरे बेटे के हाथ पीले करने की ललक भी अधूरी रह गयी।

उदयपुर थाना के ढकवा दर्रा गांव निवासिनी संगीता सिंह (50) वर्ष पत्नी दिलीप सिंह अपनी बहन की लड़की की शादी में अमेठी जिले के रणबीर नगर गांव के पड़ोसी अजीत सिंह के साथ बाइक से गई थी। रविवार को वह दोपहर लगभग साढे ग्यारह बजे बाइक से अपने घर के लिए निकली। सांगीपुर थाना के शाहवरी नहर पुलिया मोड़ पर अचानक बाइक अनियंत्रित हो गयी। बाइक के पुलिया से टकरा जाने से संगीता चुटहिल हो गयी। वही दुर्घटना में अजीत सिंह को भी चोटे आ गयी है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को सी एच सी सांगीपुर ले आयी। यहां डाक्टरों ने घायल महिला संगीता को मृत घोषित कर दिया। वही बाइक चला रहे अजीत सिंह को भी चोट अधिक होने कारण इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है। पुलिस ने शव का पंचनामाकर पीएम के लिए भेजवाया है। दुर्घटना में महिला की मौत की जानकारी घर पहुंची, तो परिजनों में कोहराम मच गया। वही रिश्तेदारों में भी संगीता की मौत की जानकारी होने पर दुख छा गया। मृतका संगीता अपने पीछे दो पुत्र छोड़ गयी है। बड़ें बेटे संतोष का का विवाह हो चुका है। दूसरे बेटे सूरज (28) की भी शादी तय है। सप्ताह भर पहले सूरज के शादी को लेकर बरीक्षा कार्यक्रम में संगीता काफी खुश नजर आयी। काल के चक्र को शायद उसकी यह खुशी मंजूर न हो सकी। छोटे बेटे के हाथ पीले करने की हसरत लिये संगीता ने दुनिया को अलविदा बोल दिया। प्रभारी निरीक्षक मनोज यादव का कहना है दुर्घटना में मृतक महिला के शव का पीएम कराया जा रहा है। तहरीर मिलने पर कार्यवाई की जायेगी।

किशोरी ने बहती गंगा मे कूदकर दी जान, कोहराम

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। जिले के हथिगवा थाना क्षेत्र के दरियापुर गांव निवासी ओमप्रकाश दुबे की बेटी निधि (17) वर्षीय अपने परिजनों के साथ हथिगवां थाना क्षेत्र के एनएच-2 के बगल स्थित शनिदेव मंदिर मे शनिवार की शाम लगभग सवा छ्ह बजे दर्शन करने गई थी। मंदिर दर्शन करने के बाद लौटते समय दो किलोमीटर आगे एनएच-2 गंगापुल से अचानक गंगा के तेज बहाव मे कूद गई जिसे देख परिजन लोग शोर मचाने लगे घटना की जानकारी मिलते ही हथिगवा थाना प्रभारी संतोष सिंह अपने दल बल के साथ मौके पर पहुचे और गोताखोरो को गंगानदी मे शव ढूढ़ने के लिए उतार दिया काफी मेहनत के बाद शव का पता नही चल सका निधि द्वारा उठाये गये इस हृदय विचारक घटना से परिजन लोग स्तम्भ रह गये परिजनों को कुछ समझ मे नही आ रहा है कि आखिर कौन सी वजह ने निधि को मजबूर कर दिया जो गंगा मे कूद कर अपनी जिंदगी गवा बैठी। घटना को लेकर परिजनों मे कोहराम मचा हुआ है। रविवार की सुबह से समाचार भेजे जाने तक हथिगवा पुलिस गोता खोरो की मदद से शव बरामद करने के प्रयास में लगी रही लेकिन शव बरामद नही हो सका। घटना को लेकर परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

आबादी की जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों में मारपीट

दोनों पक्ष पर जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। आबादी की जमीन के विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर घमासान हुआ जिससे दोनों पक्षों के कुल आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के विरुद्ध पट्टी कोतवाली में शिकायत पत्र दिया तो पुलिस ने जांच के बाद दोनों बच्चों के विरुद्ध जानलेवा हमला बलवा गाली गलौज मारपीट का मामला दर्ज कर लिया है।

पट्टी कोतवाली क्षेत्र के कुंदनपुर गांव के सत्य प्रकाश शर्मा तथा राजकुमार शर्मा दोनों पड़ोसी हैं। आबादी की जमीन के विवाद को लेकर दोनों के बीच में काफी दिन से विवाद चल रहा है। इसी विवाद को लेकर शनिवार की रात लगभग 10 बजे दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और रक दूसरे के विरुद्ध लाठी डंडा ईंट पत्थर चलाने लगे, जिससे दोनों पक्षों के आधा दर्जन लोग बुरी तरीके से जख्मी हो गए। गंभीर रूप से घायल लोगों को एंबुलेंस की सहायता से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। सत्य प्रकाश की शिकायती पत्र पर पुलिस ने दूसरे पक्ष के राजकुमार, शिवकु मार, राजेश शर्मा, शिवम,सुनीता, कोमल तथा कुसुम के विरुद्ध वही राजकुमार शर्मा की तहरीर पर पुलिस ने दूसरे पक्ष से पवन शर्मा, संतराम, राजबहादुर, शिवम शर्मा, सुनीता, अनीता के विरुद्ध जानलेवा हमला गाली गलौज जान से मारने की धमकी का मामला दोनों पक्षों की तरफ से दर्ज किया है। इस संबंध में कोतवाल नंदलाल सिंह से बात करने पर उन्होंने बताया कि कुंदनपुर गांव में मारपीट का मामला सामने आया, जिसमे कई लोग घायल हुए हैं। मेडिकल होने के बाद जानलेवा हमले सहित विभिन्न धाराओं में पुलिस ने दोनों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। दोनों पक्षो के आरोपियों को पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई करके जेल भेज दिया।

ट्रक चालक की हत्या के तीनों आरोपी गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मानधाता थाना क्षेत्र के हैंसी चैराहे पर शनिवार को हुई ट्रक चालक की हत्या में शामिल तीनों आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आज रविवार को रोशन के शव का पोस्टमार्टम हुआ। पोस्टमार्टम के बाद शव जब घर आया तो लोगों में हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के लिये प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। इस आक्रोश को लेकर पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया तब गांव वालों ने राहत की सांस ली और रोशन के शव को दफन किया गया। बता दें कि शनिवार को रोशन चाय पीने मानधाता बाजार आया था जहां तीन बदमाशों ने उसे दौड़ा-दौड़ाकर गोली मारी थी जहां प्रयागराज ले जाते समय उसकी मौत हो गई थी।

सांसद के प्रयास से कुंडा में स्वीकृत हुए रेलवे ओवर ब्रिज पर जारी हुआ टेंडर

रेलवे ओवर ब्रिज बनने के बाद लोगों को मिलेगी जाम से मुक्ति

अखंड भारत संदेश

कुण्डा, प्रतापगढ़। काफी अर्से से जाम के झाम से जूझ रहे लोगों को जल्द ही निजात मिलने वाला है। कौशाम्बी सांसद विनोद सोनकर के प्रयास से केन्द्र सरकार ने कुंडा क्षेत्र में दो रेलवे फाटक पर ओवर ब्रिज बनाने की संस्तुति दी थी। जिसके बाद रेलवे ने अपने अधिकारियों को भेज कर कार्ययोजना तैयार करवाई। अब विभाग द्वारा टेंडर जारी कर दिया गया है।

सांसद के मीडिया प्रभारी भूपेन्द्र पाण्डेय ने बताया कि कौशाम्बी लोकसभा के सांसद, संसदीय आचार समिति लोकसभा के चेयरमैन, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सचिव, दादरा नगर हवेली एवं दमन दीव के प्रभारी विनोद सोनकर कुंडा क्षेत्र के विकास के लिए लगातार 2014 से प्रयत्न शील है। पिछले वर्ष सांसद विनोद सोनकर ने कुंडा क्षेत्र के जाम को देखते हुए तीन रेलवे फाटक पर रेलवे ओवर ब्रिज

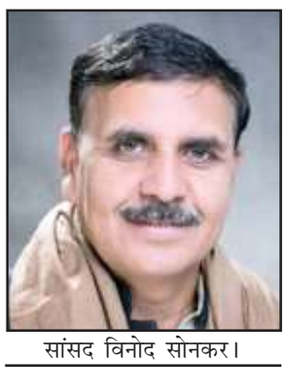

सांसद विनोद सोनकर।

बनाने के लिए केन्द्र सरकार को प्रस्ताव भेजा था। कुंडा क्षेत्र के बाबूगंज रेलवे फाटक एवं मवई रेलवे पर अब रेलवे ने टेंडर जारी किया है। टेंडर प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद जल्द ही कुंडा क्षेत्र को एक साथ दो रेलवे ओवर ब्रिज की सौगात पहली बार मिलने जा रही है। बता दें कि कुंडा क्षेत्र के लोग काफी अर्से से रेलवे फाटक पर ओवर ब्रिज बनाने की मांग कर रहे थे। सांसद विनोद सोनकर का प्रयास रंग लाया है। कुंडा क्षेत्र के करेंटी रोड़ पर स्थित रेलवे ओवर ब्रिज के लिए लगातार प्रयास जारी हैं। जल्द ही करेंटी रोड़ पर भी रेलवे ओवर ब्रिज बनेगा।

शहीद उद्यान में आज नपाध्यक्ष करेंगे वृक्षारोपण

प्रतापगढ़। विश्व पर्यावरण दिवस पर सोमवार को पूर्वान्ह दस बजे शहीद उद्यान (कम्पनी गार्डेन) में नवनिर्वाचित अध्यक्ष हरिप्रताप सिंह वृक्षारोपण करेंगे। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में नगर पालिका के ईओ राम अचल कुरील सहित सभी नगर पालिका के कर्मचारी वृक्षारोपण में शामिल रहेंगे। नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि इस अवसर पर पर्यावरण सुरक्षा की शपथ भी दिलाई जाएगी।

कोहड़ौर पुलिस ने स्मैक तस्कर को दबोचा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नशे के सौदागरों के खिलाफ प्रतापगढ़ पुलिस ने मुहिम छेड़ रखी है। नशे के सौदागरों के खिलाफ प्रतापगढ़ के एस पी सतपाल अंतिल की सख्ती का जिले में असर हा रहा है। कोंहडौर पुलिस ने चंदौका गांव निवासी सतीश मिश्र को स्मैक के साथ पकड़ा है। बता दें कि नशे के कारोबार में सतीश पहले भी तीन बार जेल जा चुका है। कोहड़ौर थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने जब यह मुहिम चलाई तो स्मैक कारोबारी हत्थे चढ़ गया।

भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जनता का विश्वास बढ़ा: राजेन्द्र

भाजयुमो की जिला कार्य समिति की बैठक में बोले विधायक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। भारतीय जनता युवा मोर्चा की जिला कार्यसमिति की बैठक आज भारतीय जनता पार्टी टेऊँगा कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक के मुख्य अतिथि सदर विधायक राजेंद्र मौर्या रहे। भाजयुमो जिला अध्यक्ष अंशुमान सिंह की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई।

इस दौरान सदर विधायक राजेंद्र मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे जन कल्याणकारी योजनाओं से जनता का विश्वास और भरोसा भाजपा पर बढ़ता जा रहा है। आज पूरे देश में भाजपा के सबसे अधिक विधायक और सांसद हैं। पार्टी की इस विजय गाथा में युवा मोर्चा के कार्यकताओं का बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 9 वर्ष का कार्यकाल

जिला कार्य समिति की बैठक में बोलते सदर विधायक राजेन्द्र मौर्य।

पूर्ण हुआ है 9 वर्ष पूर्ण होने पर पार्टी द्वारा महा संपर्क अभियान प्रारंभ किया गया है इस अभियान में युवा मोर्चा के कार्यकताओं को जोड़कर अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए बड़ी संख्या में युवाओं को पार्टी की विचारधारा से जोड़ना इसके साथ ही मोदी योगी सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में योजना पूर्वक अपनी भूमिका का निर्वहन करना चाहिए दूसरे सत्र में आगामी कार्यक्रम को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष द्वारा विस्तृत जानकारी में लाभार्थी संवाद नव मतदाता सम्मेलन एवं नव मतदाताओं को जोड़ना बाइक यात्रा ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता जैसे मुख्य कार्यक्रमों को भाजयुमो को पूर्ण करना है। बैठक का संचालन जिला महामंत्री सुजीत पांडे ने किया। बैठक में जिला महामंत्री नीतीश श्रीवास्तव, शुभम, विकास, विक्रम, अर्पित, सुनील विक्रम, अविनाश, अंकित, शैलेश, मदनपाल, ज्ञान प्रकाश, रोहित, राहुल, चंचल, प्रशांत, राजीव, रितेश, प्रांजल, सर्वेश्वर, सुमित, निहाल, विकल, शुभम, नितेश, फैसल, शिवा, पंकज, विनय, सिद्धांत, विरेंद्र, देवांग आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

आदर्श नगर पंचायत कार्यालय के सामने गंदगी ही गंदगी

अध्यक्ष है स्वच्छ भारत मिशन की ब्रांड एंबेसडर, फिर भी नहीं है सफाई

नगर पंचायत कार्यालय के सामने लगा गंदगी का अम्बार।

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। स्थानीय नगर पंचायत के सामने गंदगी ही गंदगी है। यह गंदगी का ढेर ही नगर की सफाई के दावे पर पानी फेर रहा है। जब की अध्यक्ष को स्वच्छ भारत मिशन नगरीय के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। अधिकारियों को भी नगर की साफ-सफाई से जैसे कोई सरोकार नहीं है।

नगर के सभी वार्ड स्वच्छ दिखे इसी वजह से साफ-सफाई के लिए सफाई कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है,लेकिन शासन के लाख प्रयास के बावजूद इसका असर स्थानीय नगर क्षेत्र में देखने को नहीं मिल रहा है। जबकि आदर्श का दर्जा प्राप्त नगर पंचायत के कार्यालय के ही सामने सफाई नहीं दिखाई दे रही है। सामने ही कूड़े का ढेर लगा हुआ है तो अन्य वार्डो की क्या दशा होगी। नगर के जिम्मेदार जब ऐसी लापरवाही करेंगे तो प्रधान मंत्री के स्वच्छ भारत मिशन का सपना कैसे पूरा होगा? वहीं ईओ ने स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान 2023 के लिए अध्यक्ष अनीता द्विवेदी को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है। नगर पंचायत जब खुद के कार्यालय के पास सफाई कराने में असफल दिखाई दे रहा है तो अन्य स्थानों पर कितनी सफाई होगी इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है। वहीं लोगों की माने तो शिकायत का भी जिम्मेदारों पर कोई असर नहीं होता है।

पॉलीथीन लेकर कहां-कहां खड़ी रहे नपं

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर पंचायत ईओ नगर की सफाई के प्रति कितनी जिम्मेदार है यह उनका गैरजिम्मेदाराना बयान ही उनकी कार्यशैली को बयां कर रहा है। ईओ का जवाब भी अजीब है। लालगंज बहुत बड़ा है, कहां-कहां नपं पॉलीथीन लिए खड़ी रहेगी और कहेगी कि कूड़ा इसमें डालो। जबकि पूरे लालगंज की बात तो दूर की है, यहां तो नपं खुद के कार्यालय के ही सामने लगे गंदगी के ढेर को साफ कराने में असफल दिखाई दे रही है।

सांसद की शिकायत पर लापरवाह हेडमास्टर हुए निलम्बित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। बाबा बेलखरनाथ धाम के शेखपुर अठगवां के प्रधानाध्यापक का निलंबन आदेश जारी हुआ है। बता दें कि विद्यालय की दुर्दशा देख सांसद संगम लाल गुप्ता ने डीजी बेसिक विजय किरण आनन्द से फोन पर नाराजगी जताई थी। विद्यालय में जर्जर थीं दीवारें और रंगाई पोताई की जगह कबाड़ घर की शक्ल में विद्यालय के पठन पाठन कक्ष पाये गये थे। शौचालयों में सफाई की जगह कबाड़ की तरह अग्नि शमन यंत्र फेंका गया था तथा विद्यालय में अब्यवस्था का बोलबाला था। प्रतिवर्ष विद्यालय को मिलने वाली मेंटिनेंस की धनराशि का खण्ड शिक्षाधिकारी की मदद से बंदरबांट किया जाता रहा। ग्रामीणों ने सांसद संगम के ग्राम प्रवास के दौरान शिकायत की थी जिस पर डीजी बेसिक विजय किरण आनन्द के निर्देश पर भौतिक सत्यापन करने के बाद हेडमास्टर को निलंबित किया गया। निलम्बन की कार्यवाही के बाद बेसिक विभाग सक्रिय हो गया है।

एक ही रात में छिनैती की दो वारदातों से मंचा हड़कम्प, जांच में जुटी पुलिस

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज थाना क्षेत्र में छिनैती की वारदात को लेकर पीड़ितों ने अलग-अलग तहरीर सौंपी है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के डभियार निवासी रामकृपाल के पुत्र त्रिभुवन यादव ने सांगीपुर पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि बीती 31 मई की रात वह भदारी गांव से निमंत्रण से वापस घर आ रहा था।

गजेहड़ी गांव के पास आरोप है कि दो बाइक पर आधा दर्जन नकाबपोश बदमाशों ने उसे जबरिया रोक कर हॉकी डण्डे से मारा पीटा और सत्ताईस सौ रुपए नगद छीन लिये। वही थाना सांगीपुर के ही गोविंदराम निवासी शिव प्रसाद के पुत्र उदयभान शर्मा ने पुलिस को दी गयी तहरीर में कहा है कि बीते इक्कतीस मई की रात वह लालगंज के इटैला गांव से बारात से घर वापस आ रहा था। पूरे गोसाई के पास तीन बाइक पर अज्ञात नकाबपोश नौ बदमाशों ने उसकी बाइक जबरिया रोकवाई बदमाशो ने पीड़ित के साथ मारपीट करते हुए सत्रह सौ रुपए छीन लिये। बदमाश पीड़ित को जांनलेवा धमकी देते भाग निकले। एक ही रात में लालगंज घुइसरनाथ रोड पर छीनैती की दो वारदातों के घटित होने से लोगों में भय का माहौल देखा जा रहा है। सांगीपुर पुलिस का कहना है कि तहरीरं में जिन घटनाओं का जिक्र किया गया है वह लालगंज थाना क्षेत्र में घटित हुई है। घुइसरनाथ धाम चैकी इंचार्ज राजेश शुक्ला का कहना है कि उन्होने मौके की जांच की और पीड़ितों को लालगंज थाने में तहरीर देने को कहा। इधर लालगंज प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल का कहना है कि इस प्रकार की घटनाओं की अभी उन्हें कोई जानकारी नही है और न ही कोतवाली में पीड़ितों की ओर से कोई तहरीर दी गयी है। यदि इस संदर्भ में तहरीर मिली तो जांच कर कार्यवाई की जायेगी।

मां विंध्यवासिनी दर्शन यात्रा को किया गया रवाना, लगे जयकारे

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। एक वर्ष तक निशुल्क जगत जननी मां विंध्यवासिनी दर्शन यात्रा के तहत छठवीं यात्रा आज प्रातः आठ बजे डॉ आशुतोष त्रिपाठी के जनसंपर्क कार्यालय भगवा चुंगी से समस्त दर्शनार्थियों को लेकर जगत जननी मां विंध्यवासिनी दर्शन हेतु प्रस्थान किया।

वरिष्ठ समाजसेवीका तथा दहेज प्रथा विरोधी मंच की जिला अध्यक्ष नित्या त्रिपाठी पत्नी डॉ आशुतोष त्रिपाठी ने माता रानी की चुनरी वाली झंडी दिखाकर बस को दर्शन हेतु प्रस्थान कराया। समस्त दर्शनार्थी मां विंध्यवासिनी की जय मां बेल्हा देवी की जय

मां विंध्यवासिनी दर्शन यात्रा को हरी झण्डी दिखातीं नित्या त्रिपाठी।

का जयकारा लगाते हुए प्रस्थान किए समस्त दर्शनार्थी रास्ते भर जयकारा लगाते रहे। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ आशुतोष त्रिपाठी के प्रतिनिधि सुशील मल्होत्रा, सुशील कुमार श्रीवास्तव, गुड्डू लाला, अरशद खान, देवेंद्र सिंह, राजकुमार जैसवार, विनय शर्मा, जगदीश मौर्य, पुष्पराज मिश्रा, हरिकेश सिंह आदि उपस्थित थे।

कुंडा तहसील को जोड़ने वाली जर्जर सड़क पर लोगों का चलना हुआ दुस्वार, जनप्रतिनिधि कर रहे अनदेखा

अखंड भारत संदेश

परियावां, प्रतापगढ़। कुंडा तहसील क्षेत्र के खेमीपुर (नन्दा का पुरवा),पिंगरी, बसहीपुर, झकरहिया, जमेठी मार्ग पर चलना खतरे से खाली नहीं है कई स्थानों पर बड़े-बड़े गड्ढे हो गये हैं साइकिल व बाइक सवार आने जाने वाले लोग जानलेवा गड्ढे मे गिरकर चोटहिल हो रहे हैं सड़क के खराब हो जाने से उड़ती हुई धूल भी लोगों के लिए नुकसान देह साबित हो रही है। चिलचिलाती धूप में आते जाते हुए लोग सड़क में बने हुए गड्ढों से परेशान होकर जन प्रतिनिधियो को रह रह कर कोस रहे है।

एक तरफ जहा प्रदेश सरकार सड़कों को गड्ढा मुक्त करने व सड़कों के चौड़ीकरण करने तथा सबसे अधिक सड़क बनाने का दावा करती है तो वही दूसरी तरफ तहसील से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाली सड़क में कोई सुधार नहीं हो रहा है कुंडा तहसील से पिंगरी गांव की दूरी लगभग 8 किलोमीटर है यह सड़क लगभग दो दर्जन से अधिक गांवों को जोड़ती हैं जो कुंडा तहसील तक आने के लिए एक प्रमुख मार्ग है। सड़क मार्ग में कई जगह बड़े-बड़े गड्ढे होने के कारण जान लेवा हो गये है सड़क से कोचिंग को आने जाने वाले छात्र छात्राएं आये दिन गड्ढों मे गिरकर जख्मी हो रहे हैं। सड़क क्षतिग्रस्त होने के कारण गाड़ियों का आपस में बगल से निकालने के चक्कर में टक्कर भी हो जाती कि जिसको लेकर आपस में कहा सुनी हो जाती है। हल्की वारिश होने पर गड्ढों में पानी भर जाता है जिससे लोग परेशान हो जाते हैं। बता दें कि कुंडा तहसील तक पहुंचने के लिए यही एक ऐसा मार्ग है जहां से तहसील एवं ब्लाक तक पहुंचना लोगों की मजबूरी है मगर सड़क का हाल खस्ताहाल है और लोग मजबूरी मे बाईक व सायकिल से न जाकर बस से सफर करने के लिए विवश हैं, जिसको लेकर ग्रामीणो में आक्रोश है। आक्रोशित ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं कौशांबी भाजपा सांसद विनोद सोनकर को कई बार ग्रामीणों ने अपनी समस्या को लिखित देकर अवगत कराया जिस पर आज तक किसी भी जनप्रतिनिधियो ने ध्यान नहीं दिया।

खबर संक्षेप

मनमाने तरीके से अपात्र को दिए जा रहे पीएम आवास और शौचालय का लाभ

कौशाम्बी। नेवादा बिकास खण्ड क्षेत्र के ग्राम पंचायत दरहा सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों में ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव द्वारा मनमानी तरीके से आपात्रों को प्रधानमंत्री आवास और शौचालय योजना का लाभ दिया जा रहा है ग्रामीणों ने बताया कि दरहा गांव मे बिना मुनियादी कराये ग्राम सचिव से मिलकर प्रधान ने अपात्रो को प्राधानमत्रीं अवास का फार्म भर दिया है यदि योजना की जांच कराकर अपात्रो के फार्म को निरस्त नहीं किया तो अपात्रो का चयन हो जाएंगे ग्रामीणों ने बताया कि अपात्र लोगों का चयन कर योजना का लाभ दिलाने के उद्देश्य से ग्राम प्रधान और पंचायत सचिव धन की वसूली भी कर रहे हैं योगी राज मे गरीबो को लाभ दिलाने के लिए बड़े अधिकारी लाख कोशिश कर ले लेकिन ग्राम प्राधान और पंचायत सचिव दरहा के मनमानी से गरीब कमजोर जरूरतमंद और योजना के पात्र योजना का लाभ नहीं पा रहे हैं प्राधानमत्रीं आवास स्वीकृति कराए जाने की गांव में बैठक भी नहीं कराई गई है मुनादी भी नही कराई गई है जिससे गांव के गरीब कमजोर और जरूरतमंद लोगों को बैठक की जानकारी नहीं हो सकी है ग्रामीणों ने डीएम से मांग की है कि खंड विकास अधिकारी नेवादा के अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास योजना और शौचालय योजना की बैठक कराकर पात्र लाभार्थियों का चयन किया जाए और अपात्र लोगों के चयन को निरस्त किया जाएं।

बदमाशो ने प्रतापगढ़ में ट्रक को लूटकर चालक क्लीनर को कौशाम्बी में फेंका

आंध्र प्रदेश से धान का बीज लेकर निकले ट्रक चालक को प्रतापगढ़ में अगवा कर किया गया था लूट, 20 दिन बाद लूट अपहरण का पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शुरू की जांच

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। प्रतापगढ़ जनपद में एक ट्रक चालक और क्लीनर को कार सवार बदमाशो ने 20 दिन पहले असलहे के दम पर रोक लिया और उनको जबरन कार में बैठा लिया और उनका धान का बीज से भरा हुआ ट्रक लूटकर चालक और क्लीनर को मारकर उन्हें कौशाम्बी जिले के महेबाघाट थाना क्षेत्र के कुम्हियावां बाजार के पास फेंक कर लुटेरे बदमाश फरार हो गए थे मामले की सूचना चालक ने पुलिस को दी लेकिन पुलिस ने कोई मामला नहीं दर्ज किया,एसपी के आदेश पर 20 दिन बाद मामला दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है जानकारी के मुताबिक आंध्र प्रदेश के हैदराबाद से धान का बीज लोड कर कुशीनगर जाने के लिए ट्रक नंबर ङअ40 /अ /8697 निकला था,लेकिन ट्रक को प्रतापगढ़ जिले में कार सवार बदमाशो ने ट्रक चालक इशाक और क्लीनर मोमिन को मारपीट कर ट्रक को उसमें लदे धान के बीज सहित लूट लिया और चालक खलासी को कौशाम्बी जिले के महेवघाट थाना क्षेत्र के कुम्हियावा बाजार के पास फेंक कर बदमाश फरार हो गए।इसकी शिकायत चालक ने पुलिस से की थी लेकिन पुलिस ने मामला दर्ज नही किया था,ट्रक मालिक धर्मा वरपो सूर्यप्रकाश ने इसकी शिकायत एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव से की,एसपी के आदेश पर महेवाघाट थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अतीक अहमद के शार्प शूटर अब्दुल कवि के साथ पुलिस यमुना की तराई इलाके में कर रही छापेमारी

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। प्रयागराज में तत्कालीन बसपा विधायक राजू पाल हत्याकांड के आरोपी और अतीक अहमद के शार्प शूटर अब्दुल कवि की पुलिस को 48 घंटे की रिमांड मिली है सराय अकिल थाना पुलिस ने न्यायालय से जांच के लिए अब्दुल कवि की रिमांड मांगी थी,48 घंटे की रिमांड के आदेश के बाद पुलिस अब्दुल कवि को ललखनऊ से रिमांड पर लेकर कौशाम्बी पहुंची है,पुलिस यमुना की तराई में अब्दुल कवि को लेकर छापेमारी कर रही है,तमाम महत्वपूर्ण सुराग हासिल करने की तैयारी में पुलिस जुटी हुई है। राजू पाल हत्याकांड में आरोपी अब्दुल कवि पर फरारी के दौरान पुलिस ने 1लाख रुपए का इनाम भी घोषित कर रखा था,जिसके बाद पुलिस का शिकंजा कसने पर अब्दुल कवि ने लखनऊ सीबीआई कोर्ट में सरेंडर कर दिया था। वहीं पुलिस को सर्च अभियान के दौरान अब्दुल कवि के घर से काफी मात्रा में अवैध असलहे और हथियार बरामद हुए थे,जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज किया था,अवैध असलहे और हथियार की बरामदगी के संबंध पुलिस अब्दुल कवि को रिमांड पर लेकर लखनऊ से कौशाम्बी पहुंची है।पुलिस सराय अकिल थाना क्षेत्र में यमुना की तराई क्षेत्र में छापेमारी कर रही है।

गला घोट कर हत्या करने को चरवा थानेदार नहीं मानते हत्या

अखंड भारत संदेश

एसपी के निर्देश पर हत्या का मुकदमा दर्ज करने के बाद अभियुक्तों की गिरफ्तारी के बाद थाना पुलिस ने आत्महत्या के लिए प्रेरित करने की अदालत को भेजी रिपोर्ट

मृतक के गले में फंदा के बजाय गांठ लगाकर पेड़ की 3 फिट ऊंची डाल से बंधी थी लाश

कौशाम्बी। गला घोट कर हत्या किए जाने ऑल राउंड नेक को चरवा थाना पुलिस हत्या नहीं मानती है आखिर चरवा थाना पुलिस के प्रशिक्षण में कहां खामियां रह गई हैं इनकी खामियों को फिर से प्रशिक्षण देकर के दूर किए जाने की जरूरत है बीते दिनों सैनी कोतवाली क्षेत्र के मेड़ीपुर कनवार निवासी रूकेन्द्र सोनकर उम्र 20 वर्ष की चरवा थाना क्षेत्र के कूड़ापुर सैय्यद सरावा में गला घोट कर हत्या करने के बाद पेड़ की 3 फुट ऊंची डाल में साढ़े 5 फुट से अधिक लम्बे युवक को बांध कर आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया गया इस मौत के मामले में सबसे अहम बात यह है कि जिस पेड़ की डाल से युवक के शव को बांधा गया था फंदा नहीं लगा था बल्कि गांठ लगाकर पेड़ की डाल से बांध दिया गया है और गांठ लगाने से आत्महत्या नहीं होती है घटनास्थल पर मौजूद परिस्थिति जन्म साक्ष्य खुलेआम हत्या की गवाही दे रहे थे पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी ऑल राउंड नेक की पुष्टि करते हुए हत्या पर मुहर लगा दी घटना के कई दिनों बाद तक मामले में थाना पुलिस ने मुकदमा नहीं दर्ज किया पीड़ित परिजन पुलिस अधीक्षक से मिले और पूरी दास्तान बताई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चरवा थानेदार ने हत्या का मुकदमा अपराध संख्या 98 सन 2023 में दर्ज कर लिया लेकिन उसके बाद युवक की हत्या में चरवा पुलिस ने 2 लोगों को गिरफ्तार कर जब अदालत में पेश किया तो आत्महत्या के लिए प्रेरित करने की धारा 306 के तहत अदालत में अभिलेख प्रस्तुत किए हैं आखिर चरवा थाना पुलिस ऑल राउंड नेक गला घोट कर हत्या किए जाने को हत्या क्यों नहीं मान रही है चरवा पुलिस की विवेचना कैसी है कि वह ऑलराउंड नेक को हत्या नहीं मान रही है गले में गांठ लगने के बाद भी वह उसे आत्महत्या मान रही है 3 फुट ऊंची डाल पर साढ़े 5 फुट का युवक कैसे आत्महत्या करके झूल जाएगा यह चरवा पुलिस के कारनामों पर बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं यदि हत्या का मुकदमा दर्ज कर अदालत में आत्महत्या के लिए प्रेरित करने की रिपोर्ट भेजने के मामले को पुलिस आला अधिकारियों ने गंभीरता से लिया तो चरवा थाना पुलिस की मुसीबत बढ़ सकती हैं बताया जाता है कि युवक की हत्या में शामिल हत्यारों को बचाने में एक माननीय ने एड़ी चोटी का जोर लगा दिया है और माननीय के दबाव में चरवा पुलिस जघन्य अपराध के अभिलेखों में हेराफेरी कर हत्यारों को लाभ देने का प्रयास कर रही है चरवा पुलिस के हत्यारो से साठगांठ के इस मामले में पुलिस अधिकारियों ने सूक्ष्म जांच कराई तो चरवा पुलिस का चेहरा बेनकाब होना तय है।

पेशेवर चोर लुटेरा बना पुलिस का खास मुखबिर

महेवा घाट थाना क्षेत्र के अजरौली गांव की चोरी के खुलासे में झोल ही झोल

कौशाम्बी। बीते दिनों चोर उचक्के लफंगे लुटेरे पुलिस को देख कर भाग जाते थे लेकिन इन दिनों चोर उचक्के लुटेरे पुलिस के खास मुखबिर बनते जा रहे हैं जिसका फायदा चोर लुटेरे उठा रहे हैं इसी तरह का एक मामला महेवा घाट थाना क्षेत्र का प्रकाश में आया है जहां अजरौली गांव की एक बड़ी चोरी लूट की घटना में नामजद पेशेवर अभियुक्त इन दिनों महेवाघाट पुलिस और एसओजी पुलिस का खासम खास मुखबिर बन गया है पेशे से चोर लुटेरा यह अपने गैंग के जरिए अभी भी घटनाओं को अंजाम देता है और घटनाओं को अंजाम देने के बाद पुलिस को गुमराह कर गांव के निर्दोष लोगों के ऊपर मुखबिरी कर उन्हें प्रताड़ित परेशान कर रहा है बीते दिनों महेवा घाट थाना क्षेत्र के अजरौली में चोरी की घटना के पुलिस खुलासे में इसी तरह का मामला सामने आया है कई वर्षों पूर्व चोरी लूट की घटना में नामजद एक मुलजिम इन दिनों थाना पुलिस का खास मुखबिर है पुलिस के इस खास मुखबिर से गांव के भानु यादव का विरोध चल रहा है और भानू यादव के घर जाकर पुलिस गाली गलौज करती रही जिस पर भानु यादव की पत्नी इंद्राणी देवी ने 22 मई 2023 को पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि दलाल के इशारे पर पुलिस परेशान कर रही है इंद्राणी देवी की जमीन पर दलाल कब्जा करना चाहता था लेकिन इंद्राणी देवी अपनी जमीन पर दलाल को काबिल नहीं होने देना चाहती थी जब इंद्राणी देवी ने जमीन पर निर्माण शुरू कराया तो इसी चोर दलाल ने जमीन पर कब्जा बनाने के उद्देश्य से थाना पुलिस को गुमराह कर दिया और इंद्राणी देवी के बेटे को चोरी के घटना में लिप्त बताते हुए मुखबिरी शुरू कर दी एसपी से फरियाद करने के बाद महिला के बेटे को पुलिस गिरफ्तार करके थाने लाई एक सप्ताह तक युवक को पुलिस ने थाने में रखा उस पर जुल्म ज्यादती अत्याचार और थर्ड डिग्री का प्रयोग कर पुलिस जुर्म कबूल करवाती रही लेकिन नतीजा शून्य रहा 24 घंटे में आरोपी को जेल भेज दिए जाने का निर्देश कानून ने दे रखा है लेकिन इस मामले में 24 घंटे में आरोपी को जेल भेजने का भी पालन थाना पुलिस नहीं कर सकी बाद में दूसरे आरोपी के घर से माल बरामद करने के बाद महिला के बेटे को घटना में लिप्त बताते हुए थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर एक सप्ताह हिरासत में रखने के बाद युवक को जेल भेज दिया है थाना पुलिस की कार्यवाही में पुलिस का खास लुटेरा चोर अपने मकसद में सफल हो गया आखिर चोर लुटेरे की मुखबिरी पर थाना पुलिस कब तक निर्देशों का उत्पीड़न करती रहेगी।

नगर पालिका में कराए गए निर्माण कार्यों की उच्च स्तरीय जांच कराए जाने की पूर्व अधिषासी अधिकारी ने की मांग

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद मंझनपुर में कराए जा रहे निर्माण कार्यों में जमकर धांधली हो रही है एक तरफ निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं दूसरे तरफ निर्माण कार्य ध्वस्त हो रहे हैं घटिया निर्माण को देखने वाले अधिकारियों ने मौन धारण कर लिया है जिससे उनकी ठेकेदारों से सांठगांठ कमीशन खोरी से इनकार नहीं किया जा सकता है नगर पालिका परिषद मंझनपुर में 2 वर्ष के बीच कई करोड़ रुपए के विकास कार्य कराए गए हैं लेकिन विकास कार्यों का लाभ आम जनमानस को नहीं मिल पाया है निर्माण कार्य या तो ध्वस्त हो गए हैं या बेवजह के निर्माण कराए गए हैं जिनकी कोई उपयोगिता नहीं थी जहां नाली सड़क निर्माण कराया जाना है वहां निर्माण कार्य नहीं हो रहे हैं नगरपालिका मंझनपुर में शामिल किए गए ग्राम पंचायतों की दुर्दशा देखने लायक है आने जाने लायक रास्ते नहीं हैं गलियों में नालियों का गन्दा पानी बह रहा है लोगों को नारकीय जीवन जीना पड़ रहा है बार-बार मांग किए जाने के बाद भी नगर पालिका के गांव क्षेत्र में नाली सड़क का निर्माण नगर पालिका के अधिकारी नहीं कर सके हैं मंझनपुर मुख्यालय के अग्रहरि मेडिकल स्टोर से बड़ा शिवाला तक इंटरलॉकिंग सड़क और नाली का निर्माण कराया जा रहा है इस सड़क के निर्माण में बेहद घटिया क्वालिटी के इंटरलॉकिंग ईट लगाई गई है नाली का निर्माण होते ही ध्वस्त होने लगी है टेडी मेडी नालियां बनाई गई हैं जिससे जल निकासी में समस्या उत्पन्न होगी पूर्व अधिशासी अधिकारी रज्जन लाल श्रीवास्तव ने नाली निर्माण और इंटरलॉकिंग पर सवाल खड़ा किया है उन्होंने मामले की शिकायत वर्तमान अधिशासी अधिकारी और जे ई से किया है लेकिन मौके पर कोई जांच करने नहीं पहुंचा है अधिशासी अधिकारी की शिकायत पर वर्तमान अधिकारियों ने जवाब दिया कि ठेकेदार को ब्लैक लिस्टेड किया जा रहा है लेकिन उसे ब्लैक लिस्टेड करने के बजाय घटिया निर्माण करने वाले ठेकेदार को नया निर्माण का कार्य सौंप दिया गया है जिससे ठेकेदार और अधिकारियों के गठजोड़ का अंदाजा लगाया जा सकता है पूर्व अधिशासी अधिकारी रज्जन लाल श्रीवास्तव ने योगी सरकार को शिकायती पत्र भेज कर योगी सरकार से मांग की है कि नगर पालिका परिषद मंझनपुर में बीते 2 वर्षों के बीच कराए गए संपूर्ण कार्यों की उच्च स्तरीय जांच कराते हुए घटिया निर्माण के कार्यों को उजागर कर घटिया निर्माण में लगे ठेकेदार और अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज करा कर दोषियों को दंडित किया जाए।

न्यूज झरोखा

वार्ड ब्याय की आत्महत्या के मामले में 36 घण्टे बाद भी किसी नतीजे पर नही पहुँची पुलिस

कौशाम्बी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिराथू में वार्ड ब्याय के पद पर तैनात राहुल यादव निवासी कैमा थाना मोहब्बतपुर पइंसा के शुक्रवार की रात्रि आत्महत्या किए जाने और घटनास्थल से सुसाइड नोट मिलने के 36 घंटे बाद भी थाना पुलिस किसी नतीजे पर नहीं पहुंची है बताया जाता है कि राहुल यादव का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिराथू की एक महिला स्वास्थ्य कर्मी एएनएम से प्रेम मोहब्बत चल रहा था और महिला एएनएम की प्रताड़ना से राहुल यादव ने आत्महत्या किया है सुसाइड नोट में राहुल यादव ने महिला एएनएम के प्रताड़ना की चर्चा की है सुसाइड नोट मिलने के 36 घण्टे बाद भी पुलिस महिला को गिरफ्तार कर पूछताछ नहीं कर सकी है दोनों के मोबाइल फोन को सर्विलांस पर लगाकर जांच कर इस घटना का खुलासा किए जाने की जरूरत है।

सुलह ना होने पर दलित महिला से दबंगों ने फिर की मारपीट

हर्रायपुर कौशाम्बी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर बजहा इमामगंज की रहने वाली दलित महिला प्रतिमा पत्नी साहब लाल के साथ दो वर्ष पूर्व गांव के दबंगों ने मारपीट गाली गलौज किया था मामले में अपराध संख्या 04 सन 2020 कोखराज थाने में दर्ज हुआ था यह मुकदमा अदालत में विचाराधीन है मुकदमे में लगातार सुला समझौते का दबाव दबंगों द्वारा दलित महिला पर डाला जा रहा है महिला सुलह समझौते को तैयार नहीं है इसी खुन्नस के चलते 27 मई की रात्रि 9:00 बजे फिर दबंगों ने दलित महिला को लाठी डंडा सबबर से बेरहमी से पीटा है दबंगों ने महिला के साथ गाली गलौज करते हुए जान से मारने का प्रयास किया है महिला ने दबंगो पर आरोप लगाया है कि उसके कपड़े फाड़ कर उसके साथ दुराचार करने का प्रयास किया गया है महिला का कहना है कि दबंगों की पिटाई से परेशान हो कर उनके चंगुल से भाग कर घर के भीतर घुस गई लेकिन दबंग घर के भीतर घुस गए और उसे घर के बाहर खींच कर बेरहमी से मारा है महिला ने फिर संदीपन घाट थाना पुलिस को शिकायती प्रार्थना पत्र दे कर दबंगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराए जाने की मांग की है।

जन शिक्षण संस्थान के प्रशिक्षण केंद्र अषाढा में फिट इंडिया मूवमेंट साइकिल दौड़ कार्यक्रम आयोजित

कौशाम्बी। जन शिक्षण संस्थान कौशांबी द्वारा प्रशिक्षण केंद्र अषाढा मे रविवार को साइकिल दौड़ कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में संस्थान के निर्देशक राजकुमार पांडेय ने दिनांक 1 जून 2023 से 15 जून 2023 तक जन भागीदारी ॠ20 कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से चर्चा किया तथा सभी प्रशिक्षा'र्थियों को ॠ20 टी-शर्ट भी वितरित किए और फिट इंडिया मूवमेंट साइकिल दौड़ कार्यक्रम के बारे में सभी लाभार्थियों को बताया तथा प्रशिक्षण केंद्र से पेट्रोल पंप लगभग 2 किलोमीटर तक साइकिल दौड़ में बढ़ चढ़कर सभी प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया इस कार्यक्रम में संस्थान के सहायक कार्यक्रम अधिकारी विजेंद्र मिश्रा राजू शुक्ला अजीत पाल कलावती पाल धर्मेंद्र सिंह यादव सपना अंजलि मोना शिवानी सोनम रीना सपना लगभग 60 लाभार्थी मौजूद रहे।

युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष बीजेपी का मनौरी में भव्य स्वागत

मनौरी कौशांबी। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष रोहित मिश्रा का भव्य स्वागत मनौरी चरवा रोड स्थिति आर राजकुमार के निवास में रविवार को ब्यापारियों ने किया जहाँ सैकड़ो व्यापारियों ने प्रदेश उपाध्यक्ष को फूलमाला पहनाकर स्वागत किया और मनौरी बाजार की समस्या से उपाध्यक्ष को अवगत कराया इस दौरान उपाध्यक्ष के साथ सूर्य प्रकाश मिश्र पूर्व छात्र नेता इलाहाबाद विश्वविद्यालय और अजीत सिंह प्रदेश संयोजक मनौरी बाजार के व्यापारियों से रूबरू हुए इस कार्यक्रम में आर.राजकुमार केशरवानी , प्रमोद चंद केशवानी, रिंकू केशरवानी ,अमित केशरवानी ,पुरुषोत्तम दास केशवानी ,अभय केशरवानी ,अजीत केशरवानी ,अभिलाष(गोलू) केशरवानी, प्रियांशु केशरवानी, प्रदीप कुमार,दिनेश केशरवानी , पंकज अनिल पिंटू केशरवानी केशरवानी अनूप केशरवानी सहित सैकड़ो व्यापारी स्वागत में मौजूद रहे।

अवैध वसूली में लिप्त लेखपाल को हटाने के लिए डीएम से मिले ग्राम प्रधान

अखंड भारत संदेश

आपदा पीड़ित लोगों से रिपोर्ट लगाने के नाम पर लेखपाल मोटी रकम की कर रहा है डिमाण्ड

बेनीराम कटरा कौशाम्बी। नेवादा बिकास खण्ड के सिकंदरपुर आईमा फरीदपुर सुलेम और सिंहपुर गांव में तैनात लेखपाल के अवैध वसूली से ग्रामीण परेशान हो चुके हैं लेखपाल बार-बार ग्रामीणों को परेशान कर धनादोहन में लिप्त है अवैध वसूली से परेशान ग्रामीणों ने लेखपाल के कारनामों को ग्राम प्रधान से बताया जिस पर ग्राम प्रधानों ने जिला अधिकारी को पत्र देकर लेखपाल को हटाने की मांग की है। गौरतलब है कि जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देने वाले ग्राम प्रधानों में आशीष कुमार ग्राम प्रधान सिकंदरपुर आईमा जगत नारायण कुमार ग्राम प्रधान फरीदपुर सुलेम और सुनीता देवी ग्राम प्रधान सिंहपुर ने जिलाधिकारी को बताया कि उनके गांव में तैनात लेखपाल पूरी तरह से भ्रष्टाचार और अवैध वसूली में लिप्त है जिससे योगी सरकार की मंशा के अनुसार गांव के किसान और गरीब ग्रामीणों को योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता है ग्राम प्रधानों ने डीएम को बताया कि बरासत बंजर की भूमि पर मकान का निर्माण कराकर लेखपाल अवैध तरीके से धन की वसूली कर रहा है लेखपाल के कारनामे से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है ग्राम प्रधानों ने डीएम को बताया कि गांव के सीधे सज्जन और गरीब ग्रामीणों को अपने झांसे में फंसा कर उन्हें सरकारी भूमि पर पट्टा देने का लालच देकर लेखपाल ग्रामीणों से मोटी रकम की वसूली कर रहा है आपदा से पीड़ित ग्रामीणों के मुआवजा देने के लिए लेखपाल रिपोर्ट नहीं लगा रहा है आपदा पीड़ित लोगों से रिपोर्ट लगाने के नाम पर लेखपाल मोटी रकम की डिमांड करता है और मजबूरन ग्रामीण लेखपाल को आपदा की रिपोर्ट लगाने के लिए रकम दे रहे हैं इतना ही नहीं चक मार्ग की नाप करने के लिए लेखपाल तैयार नहीं है प्रधानों का कहना है कि कई बार लेखपाल से चक मार्ग को नाप करने को कहा गया लेकिन वह आनाकानी कर रहा है कई गांव के ग्राम प्रधानों ने जिला अधिकारी को शिकायती पत्र देते हुए अवैध वसूली में लिप्त लेखपाल को गांव से हटाकर दूसरे लेखपाल की तैनाती की मांग की है।

शीतला माता मंदिर जाने वाले मुख्य मार्ग पर नाली ना होने से भरी रहती है गंदगी

अखंड भारत संदेश

पूर्व ग्राम प्रधान नगर पंचायत सांसद विधायक और अधिकारियों ने मां के मंदिर जाने वाले रास्ते की गंदगी को दूर करने का नहीं किया प्रयास

कौशाम्बी। सिराथू तहसील के कड़ाधाम स्थित माता शीतला के मंदिर जाने वाले मुख्य मार्ग पर नालियों का निर्माण वर्षों बाद ना होने से नाली का गंदा पानी मुख्य मार्ग पर बहता रहता है जिससे भक्तों को मंदिर पहुंचने में दिक्कतों से जूझना पड़ता है लेकिन मंदिर के मुख्य मार्ग की गंदगी दूर करने के लिए स्थानीय सांसद विधायकों ने भी सांसद और विधायक निधि से नाला निर्माण करवाकर गंदगी दूर करने का अभी तक प्रयास नहीं किया है जिससे उनकी आस्था के प्रति लगाव का अंदाजा लगाया जा सकता है इतना ही नहीं यह क्षेत्र डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का है और उनके द्वारा भी मंदिर के मुख्य मार्ग की गंदगी को दूर करने के लिए अभी तक सार्थक प्रयास नहीं किया गया है कड़ा धाम नगर पंचायत बन चुकी है लेकिन अधिशासी अधिकारी ने भी वर्षो बीत जाने के बाद शीतला माता के मंदिर जाने वाले मुख्य मार्ग की गंदगी को दूर करने का प्रयास नहीं किया है पूर्व ग्राम प्रधानों के कार्यकाल में भी शीतला माता मंदिर जाने वाले मुख्य मार्ग में नाला का निर्माण कराकर गंदगी को दूर करने का प्रयास नहीं हुआ है पुणे वर्सेस शीतला माता के मंदिर में पूजा अर्जुन दर्शन करने वाले भक्तों की भीड़ लगी रहती है चैत्र और कुंवार के नवरात्रि में भीड़ माता के दरबार में अपार उमड़ती है आषाढ़ के महीने में भी माता के दरबार में लाखों भक्त दर्शन करते हैं आषाढ़ सत्यमी को प्रत्येक वर्ष सुप्रसिद्ध वार्षिक मेला लगता है जिसमे लाखों भक्त दर्शन करने के लिए मां के दरबार पहुंचते हैं कड़ाधाम चौराहा मंदिर मार्ग के मुख्य रोड पर ठेकेदार तथा संबंधित अधिकारियों की उदासीनता के कारण एक तरफ रोड का गंदा पानी बह रहा है साफ सफाई की अव्यवस्था होने के बाद भी भक्तों की आस्था कम नहीं हुई है कड़ाधाम के सभी दार्शनिक और धार्मिक स्थलों को जाने वाली सड़को की मरम्मत किए जाने और नाली निर्माण किए जाने की मांग कई बार क्षेत्र के लोगों ने सांसद विधायक और अधिकारियों से की लेकिन उसके बाद भी व्यवस्था दुरुस्त नहीं हो सकी कड़ाधाम स्थित शीतला माता की मंदिर के मुख्य सड़क में नाली निर्माण के लिए पूर्व ग्राम प्रधान नगर पंचायत और सांसद विधायकों ने भी ध्यान नहीं दिया जिससे शीतला माता के मंदिर जाने वाले मुख्य मार्ग में नाली का गंदा कीचड़ युक्त पानी पूरे समय भरा रहता रहता है जिससे मां के दर्शन करने वाले भक्त जनों को आने-जाने में दिक्कतों से जूझना पड़ता है कड़ाधाम माता शीतला का दर्शन करने वाले तमाम भक्त आस्था से वशीभूत होते हुए गंगा तट से माता के मंदिर तक लेटते हुए परिक्रमा करते हुए मां के दरबार तक पहुंचते हैं गंदा पानी रोड पर बहने की वजह से लेट कर परिक्रमा करने वाले भक्तों के शरीर को वह गंदा पानी दूषित करता है मंदिर व्यवस्थापको द्वारा कई बार संबंधित ठेकेदार तथा विभागीय अधिकारियों को अवगत कराने के बावजूद रोड पर गंदा पानी निकासी हेतु अभी तक कोई ठोस व्यवस्था नहीं किया गया है।

14 लाख की लागत की बनी नाली 15 दिन में ध्वस्त

कौशाम्बी। सिराथू तहसील के कड़ा धाम स्थित शीतला माता के मंदिर जाने के रास्ते में 14 लाख 50 हजार रुपए की लागत से नाली का निर्माण जिला पंचायत ने बीते महीने कराया था लेकिन जिला पंचायत अधिकारियों और ठेकेदारों की सांठगांठ के चलते बेहद घटिया क्वालिटी के नाले का निर्माण किया गया है बताया जाता है कि नाला बनने के 15 दिन के अंदर ही नाला पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है जिससे जिला पंचायत में व्याप्त भ्रष्टाचार का अंदाजा लगाया जा सकता है नाली टूट जाने के बाद फिर शीतला माता के मंदिर के रास्ते में गंदा पानी बहने लगा है जिला पंचायत से बनाए गए नाली के भ्रष्टाचार की यदि आला अधिकारियों ने जांच कराई तो जिला पंचायत के अधिकारियों और ठेकेदारों की सांठगांठ का खुलासा होना तय है।

अफसर नेताओं को नहीं लगता गंदगी का अंदाजा

कौशांबी। लग्जरी वाहनों से माता शीतला का दर्शन करने वाले अफसरों और नेताओं को शीतला माता मंदिर के मुख्य मार्ग में भरी गंदगी का अंदाजा नहीं लगता है अफसरों और नेताओं का जिस दिन मंदिर क्षेत्र में आने का कार्यक्रम होता है उनके आने के कुछ समय पूर्व सफाई कर्मियों को लगाकर पूरे रास्ते की सफाई करा दी जाती है जिससे मुख्य मार्ग की गंदगी अफसर नेताओं के नजर में नहीं पड़ पाती है लेकिन गंदगी का खामियाजा आम भक्तों को भुगतना पड़ा है।

संपादकीय

गर्व कितना और कब तक!

कोई तीन-चार दशक पहले एक नारा बड़े जोरशोर से उछाला गया था- 'गर्व से कहो हम हिन्दू है''। इस नारे के जरिये जनता के एक बड़े हिस्से का भावनात्मक दोहन करते हुए हिंदूवादी ताकतों ने एक बार अटल जी और दूसरी बार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बना ली। लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी जी जब दक्षिण कोरिया गए तो वहां उन्होंने एक विवादास्पद बात कह डाली। उन्होंने कहा था कि ''एक समय था जब लोग...(कहते थे)...पता नहीं पिछले जन्म में क्या पाप किया था, हिन्दुस्तान में पैदा हुए। ये कोई देश है, ये कोई सरकार है। ये कोई लोग हैं...चलो छोड़ो चले जाएं कहीं और...और लोग निकल पड़ते थे...उद्योग जगत के लोग कहते थे कि भई अब यहां व्यापार नहीं करना है।'' यानी नारे के मुताबिक तो हिन्दू होना गर्व का विषय था लेकिन मोदी जी के अनुसार हिन्दुस्तानी होना शर्म का। यह प्रसंग बताता है कि फिरकापरस्ती की कोई एक जबान नहीं होती। जब तब इसका जिक्र होता रहता है। हालांकि अब हिन्दुस्तानी होने पर शर्मिन्दा होने की बात छोड़कर लोगों को प्रत्यक्ष और परोक्ष-दोनों तरह से ये समझाया जा रहा है कि कब और किस बात पर गर्व करना है। मसलन- भारतीय मूल का कोई व्यक्ति किसी देश का प्रधान बन गया तो गर्व करो। किसी विदेशी ने भगवा वेश धारण कर लिया, हिन्दी या संस्कृत में कुछ कह दिया तो गर्व करो। किसी देश के प्रमुख ने हमारे प्रधानमंत्री के पैर छू लिए या उनकी तारीफ में कसीदे पढ़ दिए तो गर्व करो। कोरोना के चलते पश्चिमी देशों के लोग हाथ मिलाने के बजाय नमस्ते करने लगे तो कहा गया कि गर्व करो। प्राचीन मंदिरों के वास्तुशिल्प और मूर्ति शिल्प के वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया में तैर रहे हैं और उनमें भी यही कहा जा रहा है कि हमें पुरातन काल की तकनीक और कारीगरी पर गर्व करना चाहिए। बनाने बैठें तो गर्व करने लायक विषयों की ऐसी सूची बन सकती है, जिसका कोई अंत नहीं होगा। लेकिन उससे पहले यह समझना होगा कि भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म और पुरातन ज्ञान को लेकर हर इस-उस बात पर गर्व करने के लिए कहने के पीछे आग्रह वही है- 'गर्व से कहो हम हिन्दू हैं।' सवाल ये है कि क्या भारत का एक ही धर्म और एक ही संस्कृति है। और पुरातन ज्ञान भी क्या केवल हिन्दुओं के पास ही है। अगर ऐसा है भी तो क्या पिछले कुछ बरसों में ही इसका पता चला है।

क्या लोगों के पास अपना विवेक नहीं है जो उन्हें बताना पड़ रहा है कि आज इस पर गर्व करो, कल उस पर। क्या इससे पहले हम भारतीय अपनी संस्कृति, अपनी धरोहर, अपनी परंपराओं पर गर्व नहीं करते थे। और क्या हिन्दू होना, भारतीय होने से ज्यादा मायने रखता है, जबकि हिंदुत्व या किसी और वाद की तुलना में भारतीयता एक व्यापक विचार है और मानवता उससे भी बड़ा। ऐसा लगता है कि तमाम कोशिशों के बावजूद हिन्दुओं को जगाने में कहीं कोई कमी रह गई है या फिर इस बात का डर होगा कि कथित तौर पर जागा हुआ हिन्दू फिर कहीं सो न जाए, इसलिए उसे सुबह-शाम अलग-अलग तरीकों से गर्व की खुराक दी जा रही है। हिंदुत्व के झंडाबरदारों को यह भी आशंका होगी कि हिन्दू जनता का ध्यान महिला पहलवानों के यौन शोषण या दलितों और अल्पसंख्यकों की मॉब लिंचिंग जैसी बातों पर न चला जाए जिनसे उसका सर शर्म से झुक जाता हो, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर वह कहीं सवाल न पूछने लग जाए। वह यह न सोच पाए कि धार्मिक स्वतंत्रता या भुखमरी के वैश्विक सूचकांक में हम इतने नीचे क्यों हैं, इसलिए उसे लगातार यह बताया जाता रहे कि हमारी संस्कृति कितनी महान है, हमारे वेद-पुराणों में ज्ञान का कितना बड़ा भण्डार है या कि सनातन धर्म जैसा दूसरा कोई धर्म ही नहीं है। धर्म, संस्कृति और पुरातन ज्ञान की महानता अपनी जगह है लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि अति हर चीज की बुरी होती है, जरुरत से ज्यादा गर्व करने-करवाने की भी होगी। थोथे गर्व से भरे आदमी से ये नारा लगवा लेना बहुत आसान है कि दो रोटी कम खाएंगे, फलाने जी को लाएंगे, लेकिन सच्चाई यही है कि गर्व करने से पेट नहीं भरता, न ही जरूरी सवाल दफन हो जाते हैं। किसी दिन यही हिन्दू पूछने लगेंगे कि चलिए, आपके कहने से हमने फलां-फलां बात पर गर्व कर लिया, अब बताइए कि हमारे रोजगार का क्या हुआ, महंगाई कब कम होगी, कॉपोरेट की लूट कब बंद होगी, कब हमें अपने अल्पसंख्यक पड़ोसी से सतर्क रहने के लिए नहीं कहा जाएगा, वो दिन कब आएगा जब बलात्कारियों के समर्थन में जुलूस नहीं निकाले जाएंगे या कब ऐसा होगा कि सरकार के खिलाफ बोलने पर हमें देशद्रोही नहीं ठहराया जाएगा।

क्या 'गर्व करो' का राग अलापने वालों के पास इन सवालों का कोई जवाब है?

प्रचंड से अडानी को दूर क्यों रखा मोदी ने?

पुष्परंजन

शुक्रवार सुबह प्रचंड इंदौर से महाकालेश्वर पहुंचे। कट्टर कम्युनिस्ट नेता कैसे महाकाल का रूद्राभिषेक कर रहे हैं, यह 'मसाला मीडिया' के लिए बड़ी खबर है। नेपाल में रामायण सर्किट के लिए प्रचंड का राजी होना दर्शा रहा था कि वो मोदी के मिशन-2024 अजेंडे पर काम कर रहे हैं। मोदी ने प्रचंड को ऊर्जा निर्यातक देश बनने का सपना दिखा दिया है। नेपाल से ऊर्जा संबंधी समझौते हों, और इन सबसे अडानी पावर को अलहदा रखा जाए। क्यों आखिर? शायद हल्ला बोल के डर से मोदी सरकार ने तय किया होगा कि इस हिमाल देश से जल विद्युत परियोजनाओं के वास्ते हो रही डील से अडानी को कुछ समय के लिए दूर रखा जाए। गुरूवार को हैदराबाद हाउस के नीलगिरी कक्ष में जब दोनों देशों के प्रधानमंत्री अपनी-अपनी टीम के साथ आमने-सामने थे, तब ऊर्जा व्यापार, एयर रूट और अधोसंरचना मुख्य विषय था। दहल और मोदी ने उसी अवसर पर सुनौली-भैरहवा इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट, अमलेखगंज से लोथार पेट्रोलियम पाइप लाइन, और 400 केवीए का गोरखपुर-न्यू बुटवल ट्रांसमिशन लाइन की आभासी आधारशिला रखी। अधिकारियों ने कई एमओयू पर हस्ताक्षर भी किये।नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहा, 'मुझे याद है, 9 साल पहले 2014 में कार्यभार संभालने के तीन महीने के भीतर, मैंने नेपाल की अपनी पहली यात्रा की थी। उस समय मैंने भारत-नेपाल संबंधों के लिए एचआईटी (हाईवे, आईवे, और ट्रांसवे) का फॉर्मूला दिया था। मैंने कहा था कि भारत-नेपाल के बीच ऐसे संबंध स्थापित करेंगे, ताकि हमारे बॉर्डर्स बैरियर न बनें।' मोदी और दहल ने संयुक्त रूप से कुर्था-बीजलपुरा खंड की ई-रेल योजना का अनावरण किया। दोनों प्रधानमंत्रियों ने बथनाहा से नेपाल कस्टम यार्ड तक भारतीय रेल कार्गो ट्रेन को झंडी दिखाकर रवाना किया। पत्रकारों के समक्ष यह भी कहा गया कि ये उभयपक्षीय समझौते पार्टनरशिप को सुपरहिट बनाने के लिए किये जा रहे हैं। इस सुपरहिट संबंधों के आगाज से सप्ताह भर पहले नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड, चीन से 26 एपीसी (आर्मर्ड पर्सनल कैरियर) की खरीद को हरी झंडी दे चुके थे। चीन की कंपनी नोरिंको को छह अरब रुपए के सौदे पर सहमति के लिए काठमांडो में हथियार लॉबी साल भर पहले से सक्रिय थी। नेपाल को 26 एपीसी बेचने वाली चीनी कंपनी नोरिंको अमेरिका में ब्लैक लिस्टेड है। काली सूची वाली इस कंपनी से बख्तरबंद वाहनों के अलावा, दस हजार सीक्यू 5.56 एमएम राइफ लें खरीदने का सौदा भी हुआ है। इसका पेमेंट नेपाल आर्मी वेलफेयर फ ंड के जरिये होगा। इस फंड में यूएन पीस कीपिंग ऑफि स से पैसा आता है। चीनी हथियार सौदे की समीक्षा सही से की जाए, तो लगेगा कि 1950 की संधि को ताक पर रखकर ऐसा हुआ है। काश, सुपरहिट संबंध बनाने की भावनात्मक घोषणा करने वाले मोदी, चीन से हुए इस सौदे को ध्यान में रखते। नेपाली सेना को अत्याधुनिक बनाने के लिए चीन क्या कुछ कर रहा है, इस बारे में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को और अधिक होमवर्क की आवश्यकता है। आमतौर पर भारतीय मीडिया को काठमांडो के अंत:पुर में चल रही गतिविधियों से कोई लेना-देना नहीं होता है। 'जो दिखता है, वही बिकता है' का सनातन सिद्धांत इस शोबे में भी लागू है। शुक्रवार सुबह प्रचंड इंदौर से महाकालेश्वर पहुंचे। कट्टर कम्युनिस्ट नेता कैसे महाकाल का रूद्राभिषेक कर रहे हैं, यह मसाला मीडिया के लिए बड़ी खबर है। नेपाल में रामायण सर्किट के लिए प्रचंड का राजी होना दर्शा रहा था कि वो मोदी के मिशन-2024 अजेंडे पर काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने हैदराबाद हाउस में ही बयान दे दिया था कि पशुपतिनाथ से काशी विश्वनाथ को कनेक्ट करने के बाद इस बार महाकालेश्वर को जोड़ देना है। महाकालेश्वर मंदिर में शुक्रवार सुबह छह बजे से 12 बजे तक आम पब्लिक के लिए प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया गया था। प्रचंड अपने साथ 108 किलो रूद्राक्ष लेते गये, उसे महाकाल को अर्पित किया। गवर्नर मंगूभाई पटेल मंदिर के समारोह में साथ थे। पूजा-पाठ के बाद इंदौर में कूड़ा प्रबंधन प्लांट को देखना प्रचंड के कार्यक्रम में पहले से निर्धारित था। सूबे के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रचंड के सम्मान में इंदौर के मैरियट होटल में डिनर का इंतजाम किया था। प्रचंड सुबह-सवेरे स्पेशल इकानॉमिक जोन में टाटा कंसलटेंसी सर्विस और इंफ ोसिस के सेटअप का अवलोकन करेंगे, और दिल्ली लौट आएंगे। इन दोनों कंपनियों की उपस्थिति नेपाल में है। यह दिलचस्प है कि प्रचंड के सम्मान में कॉनफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्रीज (सीआईआई) और नेपाल उद्योग वाणिज्य संघ (एफ एनसीसीआई) के साझा आयोजन में भी अडानी ग्रुप की उपस्थिति की चर्चा नहीं हो रही थी। क्या यह किसी का इशारा था? सितंबर 2022 में अडानी ने नेपाल की ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश करने में दिलचस्पी दिखाई थी। अडानी ग्रुप ने जल विद्युत उत्पादन, इंटरनल और क्रास बॉर्डर ट्रांसमिशन लाइन लगाने का प्रस्ताव दिया था। उस समय नेपाल में जल संसाधन व ऊर्जा मंत्री पंफा भुसाल थीं। उन्होंने जानकारी साझा की थी कि 1 से 3 अप्रैल 2022 को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा जब दिल्ली में थे, ऊर्जा सहयोग के छह सूत्री विजन पत्र पर हस्ताक्षर किये गये थे। इस विजन पेपर में जल विद्युत का विकास, देश और देश से बाहर ट्रांसमिशन लाइनें तैयार करने के वास्ते निवेश करने और जल विद्युत का बाजार तलाशने की बात की गई थी। देउबा के दिल्ली से लौटने ही भारतीय ऊर्जा कंपनियों की नेपाल में रेस लग गई थी, उनमें अडानी की कंपनी भी शामिल थी। नेपाल की पूर्व ऊर्जा मंत्री पंफा भुसाल बताती हैं कि अप्रैल 2022 के बाद अडानी की कंपनी के प्रतिनिधि हमारे मंत्री रहते तीन बार नेपाल आये। हम पर दबाव काफी था। उन्होंने प्रधानमंत्री और मंत्रिपरिषद कार्यालय, निवेश बोर्ड नेपाल, राष्ट्रीय योजना आयोग, ऊर्जा मंत्रालय और नेपाल विद्युत प्राधिकरण के उच्चाधिकारियों से मुलाकात की और निवेश के लिए प्रस्ताव दिया। इसी विजन पेपर के आधार पर 16 मई, 2022 को प्रधानमंत्री मोदी के लुंबिनी दौरे के समय नेपाल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी और भारत के सतलुज हाइड्रोपावर कॉरपोरेशन के बीच 679 मेगावाट की अरुण-4 हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट के निर्माण के लिए उभयपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। इसके प्रकारांतर 2 अगस्त 2022 को एनएचपीसी इंडिया लिमिटेड के साथ 750 मेगावाट की पश्चिमी सेती जलविद्युत परियोजना और 669 मेगावाट की सेती-6 जलविद्युत परियोजना के सर्वेक्षण के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। एनएचपीसी को दो परियोजनाएं देने के सभी निर्णय प्रधानमंत्री देउबा की अध्यक्षता में विनिवेश बोर्ड की बैठक में लिए गए। अडानी ग्रुप का मुख्य ध्यान से करनाली बेसिन परियोजनाओं पर केंद्रीत था। पूर्व ऊर्जा मंत्री पंफा भुसाल ने कहा, 'पहले चरण में, अडानी समूह नेपाल में कम से कम 1,000 से 2,000 मेगावाट जलविद्युत परियोजनाओं की परियोजनाओं में निवेश करना चाहता था। लेकिन वो कनार्ली-चिसापानी प्रोजेक्ट को फ ोकस कर रहे थे, जहां से 10 हजार मेगावाट विद्युत दोहन की संभावना थी। किसी बड़े प्रोजेक्ट को शुरू करने से पहले हमने राय दी है कि हम 480 मेगावाट फु कोट करनाली जलविद्युत परियोजना, 440 मेगावाट टीला-1 और 420 मेगावाट टीला-2 जैसी परियोजनाओं में निवेश आमंत्रित कर सकते हैं। यह मामला उस समय किसी नतीजे पर नहीं पहुंच सका था।' कालांतर में टीला-1 और टीला-2 जलविद्युत परियोजनाएं चीनी कंपनी के हाथ लग गईं। अडानी ग्रुप ने 400 से 600 मेगावाट क्षमता वाली अंतरदेशीय और क्रास बॉर्डर ट्रांसमिशन लाइन लगाने के वास्ते नेपाल में सर्वे कराना आरंभ किया। मगर, ऊर्जा मंत्रालय के अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस बारे में सरकार जबतक नीति निर्देश नहीं तय करती, हम आगे नहीं बढ़ सकते। उन दिनों देउबा सरकार राजनीतिक कलह में उलझी हुई थी।

गहराता जा रहा है मणिपुर संकट

डॉ. मार्टिन माकवान

विवाद कितना गंभीर है उसे मैतेई नेताओं की इस मांग से भी जाना जा सकता है कि कुकी आदिवासियों की नागरिकता की स्थिति तय करने के लिए एनआरसी जांच शुरू की जाए। परेशानी के मूल कारण के रूप में विभिन्न हितधारकों द्वारा मेज पर रखे जाने वाले अलग-अलग कारण हैं; तथ्य यह है कि कुकी एसटी सदस्य मैतेई के प्रभुत्व वाली घाटी में जमीन खरीद सकते हैं, लेकिन मैतेई पहाड़ पर जमीन नहीं खरीद सकते। मणिपुर में काफी समय से तनाव और संघर्ष की स्थिति है। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि म्यांमार की सीमा से लगे इस उत्तर पूर्वी भारतीय राज्य में तनाव का माहौल अक्सर हिंसा में बदल जाता है। मणिपुर में हिंसा के मौजूदा दौर की शुरूआत शायद स्वस्फूर्त थी और इसकी जड़ में मैतेई तथा कुकी आदिवासियों के बीच असंतोष और कलह नहीं था। स्पष्ट रूप से भूगोल, अर्थव्यवस्था, जाति और धर्म की रेखाओं से विभाजित इन दो समूहों में कई समस्याओं की वजह से संघर्ष बढ़े हैं। अधिकतर मैतेई हिंदू हैं जो मध्य घाटी के मैदानी इलाकों में रहते हैं जबकि बड़ी संख्या में ईसाई कुकी आदिवासी आसपास की पहाड़ियों में रहते हैं। मैतेई बेहतर स्थिति में हैं, शिक्षित हैं तथा मणिपुर की आधी से अधिक आबादी इस वर्ग की है। ये सत्तारूढ़ अभिजात वर्ग हैं जो राज्य की अनुसूचित जनजातियों की सूची में शामिल होना चाहते हैं। इसकी वजह से मौजूदा संकट पैदा हो गया है। मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार से इस मांग पर विचार करने के लिए कहे जाने के बाद यह संकट और बढ़ गया है। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह के नेतृत्व में भाजपा छह साल से यहां सत्ता में है। बीरेन सिंह सरकार अपने दूसरे कार्यकाल का पहला वर्ष पूरा कर रही है इसके बावजूद केंद्र या राज्य सरकार ने इस संकट को कम करने के लिए कुछ भी नहीं किया है जो अंततः पूरे राज्य में फैल जाएगा। यह विवाद संविधान को चुनौती देगा, सरकारों द्वारा पिछड़े वर्गों के उत्थान के प्रयासों की हकीकत को उजागर करेगा और लोकतंत्र की स्थापना के लिए काम करने वालों के प्रयासों को बर्बाद करेगा। ऐसी कठिन परिस्थिति में मणिपुर में शांति की अपील करना ही पर्याप्त नहीं है। अभी की स्थिति में शांति कोसों दूर है और केवल कलह की गहराई और विश्वास की कमी ही साफ नजर आती है। इसे इस बात से समझा जा सकता है कि वर्तमान मणिपुर सरकार के दो मंत्रियों और सात भाजपा विधायकों सहित 10 कुकी विधायकों ने एक संवैधानिक उपाय के रूप में पहाड़ियों में एक अलग प्रशासन प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार को याचिका दी है। उन्होंने कहा है कि घाटी में अनुसूचित जनजाति का कोई सदस्य नहीं है और पहाड़ी क्षेत्रों में मैतेई का कोई विधायक नहीं हैं। विभाजन स्पष्ट है। विवाद की गंभीरता को इस बात से महसूस किया जा सकता है कि घाटी में कथित रूप से पोस्टर और बैनर लगाकर यहां रहने वाले लोगों की सामाजिक पहचान उजागर करने की बात कही जा रही है। संविधान में जिस 'बंधुत्व' की बात कही गई है वह मणिपुर की सड़कों पर एक विदेशी अवधारणा नजर आ रही है। डॉ. बीआर आंबेडकर के अनुसार 'बंधुत्व की अनुपस्थिति में समानता और स्वतंत्रता, दोनों का कोई अर्थ नहीं है।' विवाद कितना गंभीर है उसे मैतेई नेताओं की इस मांग से भी जाना जा सकता है कि कुकी आदिवासियों की नागरिकता की स्थिति तय करने के लिए एनआरसी जांच शुरू की जाए। परेशानी के मूल कारण के रूप में विभिन्न हितधारकों द्वारा मेज पर रखे जाने वाले अलग-अलग कारण हैं; तथ्य यह है कि कुकी एसटी सदस्य मैतेई के प्रभुत्व वाली घाटी में जमीन खरीद सकते हैं, लेकिन मैतेई पहाड़ पर जमीन नहीं खरीद सकते। मैतेई को एक जातीय समूह के रूप में संदर्भित किया गया था लेकिन संविधान के निर्माण के दौरान एसटी सूची में शामिल नहीं किया गया था। मैतेई मणिपुर की 53 प्रतिशत आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं पर राज्य के केवल 10 फीसदी इलाके में रहते हैं। अन्य मुद्दों में राज्य सरकार द्वारा वन क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासियों को 'अतिक्रमणकारी' कहकर हटाने के कदम शामिल हैं। एसटी कोटा के जरिए आदिवासियों के लिए खोले गए रास्तों ने भी दोनों समूहों के बीच विवाद को बढ़ा दिया है। संघर्ष के अंतर्निहित कारण स्पष्ट हैं। मैतेई समुदाय के बीच ईर्ष्या का भी एक महत्वपूर्ण कारण है हालांकि एसटी समुदायों की हुई प्रगति को देखते हुए वे बेहतर स्थिति में हैं। इतने महत्वपूर्ण मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अभी तक खामोश हैं। इससे पता चलता है कि ऐसी स्थितियों में एक राजनीतिक दल के रूप में हिंदुत्व के विचार को बढ़ावा देने में वे दुविधा में हैं। क्या पार्टी और हिंदुत्व की धारणा एक गैर-परक्राम्य सिद्धांत के रूप में भारतीय संविधान के महत्व को मान्यता देती है जिसने आरक्षण की प्रणाली के माध्यम से हाशिए पर खड़े समुदायों के लिए सार्वजनिक जीवन में कई अवसरों पर प्रतिनिधित्व के लिए एक सुरक्षित स्थान बनाया है? या जाति व्यवस्था द्वारा प्रदान की गई असमानता की स्थिति को बढ़ावा देकर भारतीय संविधान को कमजोर किया जाना चाहिए? निस्संदेह, पहली स्थिति ने पार्टी को समाज सुधारक की एक बड़ी भूमिका के लिए प्रेरित किया है। 1919 में साउथबोरो आयोग के समक्ष डॉ. आंबेडकर ने सभी भारतीय नागरिकों के लिए वयस्क मताधिकार की वकालत करते हुए तर्क दिया था कि प्रतिनिधित्व का अधिकार और सार्वजनिक पद धारण करने का अधिकार नागरिकता का एक अभिन्न अंग है। भारतीय संविधान ने बाद में अपने सभी नागरिकों के लिए वयस्क मताधिकार को वैध बना दिया तथा अनुसूचित वर्गों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण की प्रणाली शुरू कर उसका दायरा उच्च शिक्षा, सार्वजनिक क्षेत्र की नौकरियों और विधायिकाओं के क्षेत्र तक विस्तारित किया। संविधान ने महिलाओं, ओबीसी और अंत में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को आरक्षण के दायरे में लाया है जो एससी, एसटी और ओबीसी का हिस्सा नहीं हैं। हालांकि देश में उनकी सामाजिक और राजनीतिक स्थिति बहस का विषय है लेकिन मुख्य प्रश्न यह है- कि क्या आरक्षण के बिना हाशिए पर रहने वाले समुदायों- एससी और एसटी को कभी प्रतिनिधित्व मिलता जो देश में समानता और मानवीय गरिमा प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है? अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामलों में आरक्षण ने शैक्षिक और आर्थिक फायदों के अलावा उनके मानवीकरण को भी स्थान दिलाया है। इस वर्ग ने खुद को शिक्षित करने के प्रतिबंध को झेलने के साथ-साथ सदियों से अभाव और अपमान का सामना किया है। अनुसूचित जातियों के लिए सार्वजनिक स्थानों पर घूमने-फिरने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था। देश ने लंबे समय से दलित और गैर-दलित समुदायों के बीच सामाजिक तनाव देखा है। आरक्षण विरोधी कई दंगे हुए हैं तथा हर साल जातिगत हिंसा की घटनाएं बढ़ रही हैं। भारत और उसके सभी राजनीतिक दल अस्पृश्यता और मैला ढोने की प्रथा को समाप्त करने में विफल रहे हैं। अक्सर जातिगत हिंसा की घटनाएं बेतुके आधारों पर निहित होती हैं जैसे दलित मूंछें बढ़ाते हैं या बेहतर कपड़े पहनते हैं।

बेसब्र न हो मुस्लिम समाज

पिछले साल रामनवमी और हनुमान जयंती पर देश के अलग-अलग हिस्सों को साम्प्रदायिकता की आग में झुलसते हम सबने देखा था। अभी मई के महीने में फिर कुछ ऐसी घटनाएं हुई हैं जिनसे मालूम होता है कि दो समुदायों के बीच नफरत की चिंगारी कभी भी, कैसे भी भड़काई जा सकती है। तेलंगाना के मेडक जिले के नरसापुर में एक रेस्तरां मालिक और गैस सिलेंडर की डिलीवरी देने वाले शख्स के बीच हुई हल्की सी हाथापाई देखते ही देखते एक मजहबी वारदात में बदल गई। रेस्तरां मालिक था मोईनुद्दीन और डिलीवरी बॉय लिंगम, और ये नाम तिल का ताड़ बनाने के लिए काफी थे। स्थानीय नगर पालिका अध्यक्ष मुरली यादव और पार्षद राजेन्द्र - जिनका सम्बन्ध भाजपा से बताया जाता है, की अगुआई में भीड़ ने मोईनुद्दीन की जमकर पिटाई कर दी। अपनी माँ के साथ बीच-बचाव करने आई मोईनुद्दीन की गर्भवती बहन को भी भीड़ ने नहीं बख्शा और उसका गर्भपात हो गया। नपा अध्यक्ष, पार्षद और बाकी बलवाइयों के खिलाफ तो पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की लेकिन मोईनुद्दीन को जरूर जेल भेज दिया। दूसरी घटना महाराष्ट्र में औरंगाबाद के सिल्लोद में हुई, जहां सागर विट्ठल वानखेड़े नामक एक शख्स को सिर्फ इसलिए गिरफ्तार कर लिया गया क्योंकि उसने सोशल मीडिया पर अपने प्रोफाइल पिक्चर में ऐसी तस्वीर लगाई थी जिसमें औरंगजेब जमीन पर पड़ा है और शिवाजी का एक पैर उसके ऊपर है। अमीर शौकत शाह नाम के एक शख्स ने मुसलमानों की भावनाएं आहत करने का आरोप लगाते हुए सागर के खिलाफ मामला दर्ज करवाने की कोशिश की, लेकिन जब पुलिस ने ऐसा करने से मना कर दिया तो शिंदे गुट की शिवसेना के विधायक अब्दुल सत्तार ने दखल दिया और पुलिस को अंततः सागर के खिलाफ कार्रवाई करनी पड़ी। हालांकि बाद में सागर को गिरफ्तार करने वाले पुलिस कर्मी को निलंबित कर दिया गया। तीसरी घटना मध्यप्रदेश की व्यावसायिक राजधानी इंदौर में घटी। यहां डॉक्टरी की पढ़ाई कर रहे भावेश सुनहरे को मुस्लिम महिला मित्र के साथ घूमते देख मुसलमान युवकों ने घेर लिया और उसके साथ मारपीट की, उसकी मित्र को भी इस्लाम को लेकर भाषण पिलाया गया। जो लोग बीच बचाव करने आए, उन्हें चाकुओं के वार झेलने पड़े। इससे कुछ ही दिन पहले इसी शहर के अल्पसंख्यक बहुल इलाके में द केरला स्टोरी फिल्म के विरोध में या कहें कि उसके जवाब में बेनामी पोस्टर लगाए गए थे जिनमें मुस्लिम लड़कियों से भगवा लव ट्रैप में न फंसने की अपील की गई थी और हिंदू संगठनों से सावधान रहने को भी कहा गया था। गनीमत है कि दोनों मामलों में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर आरोपियों को पकड़ लिया गया है। इन सभी घटनाओं में एक बात साफ है कि इनमें बेवजह बात का बतंगड़ बनाया गया। मेडक में जिस मामूली से विवाद को समझा बुझाकर शांत करवाया जा सकता था, उसे जान बूझकर भड़काने और उसकी आंच पर राजनीतिक रोटियां सेंकने की कोशिश की गई। सिल्लोद का प्रसंग तो हास्यास्पद है और आश्चर्यजनक भी। आखिर आज के मुसलमान को औरंगजेब से क्या लेना-देना है जो एक तस्वीर से उसकी भावनाएं आहत हुई जा रही हैं। और ऐसे मामले में विधायक महोदय की दखलंदाजी समझ से परे है, खास तौर से तब जब वे अपनी पार्टी की विचारधारा को अच्छी तरह जानते-समझते हैं। वे भलीभांति जानते होंगे कि उनकी पार्टी और सरकार उनके ऐसे क्रियाकलाप से कभी सहमत नहीं होगी। महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश की घटनाओं में यह भी नजर आ रहा है कि मुस्लिम समुदाय - जिसने हाल के ज्यादातर मामलों में बहुत समझदारी दिखाई, भड़काऊ बातों पर प्रतिक्रिया नहीं दी, उलटे हिन्दुओं के धार्मिक आयोजनों में फूल बरसाकर, शरबत पिलाकर अपनी तरफ से सद्भाव जताने की कोशिश की, अब शायद अपना सब्र खोने लगा है। लेकिन अगर वह किसी तस्वीर को मुद्दा बनाने की कोशिश करके, किसी फिल्म का जवाब आपत्तिजनक पोस्टरों से देकर या अपने समाज की लड़की के गैर मुस्लिम लड़के से दोस्ती पर ऐतराज करके अपनी बेचैनी का इजहार कर रहा है तो कहना होगा कि ये तरीके कतई ठीक नहीं हैं। नफरत का जवाब नफरत से देना अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मारने जैसा होगा।

नये संसद भवन में सेंगोल की स्थापना

प्रकाश कारत

नये संसद भवन के उद्घाटन के लिए 28 मई को इसलिए चुना गया क्योंकि उस दिन वीडी सावरकर की जयंती भी थी। इसने नये भारत की कहानी गढ़ने का भी काम किया। स्वतंत्रता सेनानी के रूप में शुरूआत करने वाले सावरकर ने अंडमान सेलुलर जेल से रिहा होने के बाद ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ाई छेड़ दी, जिसके परिणामस्वरूप उनकी बार-बार दया याचिकाओं के बाद उन्हें रिहा कर दिया गया। बीस विपक्षी दलों ने 28 मई को नये संसद भवन के उद्घाटन का इस आधार पर बहिष्कार किया था कि मोदी सरकार ने भारत के राष्ट्रपति, द्रौपदी मुर्मू, जो राज्य के प्रमुख होने के साथ-साथ संसद के प्रमुख भी हैं, को दरकिनार कर दिया और फैसला किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई संसद का उद्घाटन करेंगे। संसद के ऊपर कार्यपालिका के प्रमुख को थोपने की यह संवैधानिक अनुपयुक्तता विपक्ष के विरोध का एक वैध कारण थी। लेकिन उद्घाटन के दिन वास्तव में जो सामने आया, उसने विपक्ष के दूर रहने के फैसले को औरमजबूत कर दिया। अचानक, केंद्रीय गृह मंत्री, अमित शाह ने घोषणा की कि एक सेंगोल (राजदंड) जिसे वायसराय लॉर्ड माऊंटबेटन द्वारा जवाहरलाल नेहरू को सौंपा गया था, संसद के अंदर स्थापित किया जायेगा। अमित शाह के शब्दों में, 'भारत की सत्ता का हस्तांतरण पंडित जवाहरलाल नेहरू को सेंगोल सौंपने के माध्यम से हुआ था।' इस प्रकार ब्रिटिश सरकार से स्वतंत्र भारत की नयी सरकार को 'सत्ता के हस्तांतरण' का प्रतीक एक हिंदू धार्मिक कलाकृति की एक काल्पनिक कहानी निर्मित की गई। आधिकारिक तौर पर यह कहा गया था कि लॉर्ड माऊंटबेटन ने जवाहरलाल नेहरू से पूछा था कि क्या सत्ता के हस्तांतरण के प्रतीक के लिए कोई पारंपरिक भारतीय समारोह था? नेहरू ने इसके बारे में वरिष्ठ कांग्रेसी नेता सी राजगोपालाचारी से सलाह ली, जिन्होंने बदले में तमिलनाडु में धार्मिक मठों के साथ जांच की और सलाह दी कि एक सेंगोल को सत्ता हस्तांतरण का प्रतीक बनाया जाना चाहिए। यह भी बताया गया कि संविधान सभा में आधिकारिक बैठक से पहले लॉर्ड माऊंटबेटन ने स्वयं 14 अगस्त की रात जवाहरलाल नेहरू को सेंगोल सौंप दिया था। लेकिन सेंगोल का वास्तविक तथ्य और इतिहास क्या है?

पुलिस ने दबोचे तीन वांछित

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर वांछित/वारंटी की गिरफ्तारी को जारी अभियान में पुलिस ने एक वांछित व दो वारंटियों को दबोचा है।

रविवार को राजापुर थाने के वरिष्ठ दरोगा रामवीर सिंह की टीम ने वारंटी गयादीन वर्मा पुत्र बाबूलाल निवासी कारखाना मोहल्ला को गिरफ्तार किया है। टीम में वरिष्ठ दरोगा रामवीर सिंह, सिपाही उमेन्द्र त्रिपाठी शामिल रहे। इसी क्रम में पहाडी थाने के दरोगा त्रिलोकीनाथ मिश्रा की टीम ने विद्युत अधिनियम के वारंटी रमेश उपाध्याय पुत्र राममनोहर निवासी कलवारा को गिरफ्तार किया है। टीम में दरोगा त्रिलोकीनाथ मिश्रा, सिपाही जलील अहमद शामिल रहे। पहाडी थाने के दरोगा रविकान्त राय की टीम ने दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के वांछित धनराज पुत्र छोटेलाल निवासी मुबारकपुर थाना महेबाघाट जिला कौशाम्बी को गिरफ्तार किया है। टीम में दरोगा रविकान्त राय, सिपाही जलील अहमद, महिला सिपाही रोशनी शामिल रही।

पुलिस ने श्रमदान कर की साफ-सफाई

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर पुलिस ने श्रमदान करते हुये थाना, चैकी, कार्यालय एवं पुलिस लाइन परिसर में साफ-सफाई अभियान चलाया।

रविवार को सीओ यातायात/लाइन्स श्रीमती निष्ठा उपाध्याय की देखरेख में यातायात कार्यालय कालूपुर एवं पुलिस लाइन में अधिकारी/कर्मचारियों ने श्रमदान कर यातायात कार्यालय एवं पुलिस लाइन परिसर की साफ-सफाई की। जिले के समस्त थाना/चैकी परिसर में प्रभारी निरीक्षकों की अगुवाई में थाने में नियुक्त अधिकारी/कर्मचारियों ने श्रमदान कर साफ-सफाई की।

प्रभास महासभा के प्रदेश संरक्षक बने लक्ष्मी

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। प्रभास महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लवलेश विराग की संस्तुति पर बल्दाऊगंज कर्वी निवासी गल्ला व्यापारी लक्ष्मी प्रसाद केशरवानी को प्रभास महासभा की राष्ट्रीय महासचिव साधना मिश्रा ने प्रदेश इकाई का प्रदेश संरक्षक नियुक्त किया।

रविवार को प्रभास महासभा प्रदेश कार्यकारणी के सभी पदाधिकारियों ने लक्ष्मी प्रसाद केशरवानी को प्रदेश संरक्षक नियुक्त करने पर स्वागत किया। प्रभास महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लवलेश विराग ने कहा कि लक्ष्मी प्रसाद केशरवनी के संगठन से जुड़ने से संगठन को मजबूती मिलेगी। जिले के अन्य व्यापारी भी संगठन से जुड़ेंगे। उम्मीद है कि लक्ष्मी प्रसाद प्रभास महासभा के उद्देश्यों के प्रति निष्ठापूर्वक कार्य करेगें। सामाजिक कार्यों में बढ- चढ़कर हिस्सा लेंगे।

15 वर्षीय बालिका ने फांसी लगाकर दी जान

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भरतकूप थाना क्षेत्र के हरिहरपुर गांव की 15 वर्षीय खुशबू ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

ये आत्महत्या उस समय हुई, जब घर में उसका छोटा भाई था। पिता को सूचना मिली, जो अपनी साली के यहां बांदा जिले के खुरहंड गए थे। जब वह घर लौटे तो खुशबू फांसी में लटकी मिली। उन्होंने बताया कि दस वर्ष पहले उनकी पत्नी की मौत हो गई थी। जिसकी फोटो देखकर खुशबू डिप्रेशन में चली जाती थी। इसके चलते उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। खुशबू के फांसी लगाकर आत्महत्या करने से घर में मातम छा गया है। परिजनों का रो-रोकर हाल बुरा है। सवाल है कि 15 वर्षीय खुशबू ने फांसी क्यों लगाई?

मेरी लाईफ मेरा शहर के तहत हुई सफाई

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। स्वच्छ भारत मिशन नगरीय 2.0 के तहत नगर पालिका परिषद कर्वी में मेरी लाईफ मेरा स्वच्छ शहर अभियान के तहत रिड्यूज रिसाइकिल कार्यक्रम के तहत नगर पालिका सीमा के प्रोफेसर कॉलोनी में साफ-सफाई की गई।

रविवार को अभियान व रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया गया। जिला समन्वयक स्वच्छ भारत मिशन शिवा कुमार, डॉ अनिल अग्रवाल, द्रौपदी अग्रवाल, डॉ आरसी त्रिपाठी, डॉ सुधाकर मिश्रा, डॉ विवेक फड़नीस, दादूराम, संतोष गुप्ता, रामकिशोर करवरिया, शिवम त्रिपाठी, आशुतोष शुक्ला, अजीत यादव, राजेश मौर्य, राकेश मौर्या, गुरु प्रकाश शुक्ला, राजकिशोर, सभासद शंकर प्रसाद यादव, सुशील विश्वकर्मा आदि कर्मचारी और अधिकारी मौजूद रहे।

बगरेही गांव में दबंग कर रहे गांवसभा की जमीन पर अवैध निर्माण

अखंड भारत संदेश

मानिकपुर/चित्रकूट। मानिकपुर तहसील के बगरेही गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे गांवसभा की भूमि पर दबंगों ने तेजी से अवैध निर्माण कर रहे हैं।

रविवार को भी दबंग बगरेही गांव में गांवसभा की भूमि पर अवैध निर्माण करते देखे गये। उप्र किसान सभा राज्यकारिणी सदस्य का रुद्र प्रसाद मिश्र एड ने जिला प्रशासन से मांग की है कि दबंगों के तेजी से किये जा रहे अवैध निर्माण को तत्काल बन्द कराया जाये। दबंग भारी तादाद में मजदूर लगाकर अवैध निर्माण कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि गांव में चकबंदी प्रक्रिया चल रही है। इसके बाद भी बिना अनुमति के गांवसभा में अवैध निर्माण हो रहा है। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग किया कि अवैध निर्माण को तत्काल रोका जाये। अवैध निर्माणकर्ता दबंग किस्म का त्रिलोकी पटेल अपने चार दबंगों को साथ लेकर ताबडतोड ढंग से अवैध निर्माण में जुटा है।

दबंग ने बंद घर का छज्जा तोड़ कब्जाई रास्ता की भूमि

पीडित ने लगाई कार्यवाही की गुहार

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। कोतवाली कर्वी के खोह गांव के विजय विश्वकर्मा पुत्र भैरों प्रसाद ने डीएम-एसपी समेत मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में कहा कि वह परिवार समेत राजस्थान के कोटा में रह रहा है। गांव में उसका पुश्तैनी पक्का घर बना है। मां के निधन बाद 2020 से घर पर ताला लगा हुआ है। घर के पीछे के पड़ोसी जितेंद्र भारद्वाज ने अपनी भूमि राजापुर क्षेत्र के

अर्जुनपुर निवासी जगजीवनराम पांडेय को बेच दिया है। रविवार को खोह गांव के विजय विश्वकर्मा ने बताया कि आबादी की भूमि होने के चलते जमीन खरीदने के दौरान जगजीवनराम ने बैनामा नहीं कराया, लेकिन दबंगई दिखाते हुए जगजीवनराम ने खरीदी जमीन के छोड़े दस फिट के रास्ते की भूमि को भी अवैध ढंग से कब्जा कर लिया है, जबकि यहीं पर शिवलिंग की स्थापना भी रही है। बीती 30 मई की दोपहर जगजीवनराम ने दबंगई से बंद घर की छत के छज्जा को तोड़ना शुरू कर दिया। जिसकी शिकायत कर्वी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक गुलाब त्रिपाठी व कर्वी एसडीएम राजबहादुर को जरिए मोबाइल से दिया। इन दोनों अधिकारियों ने उसकी पीड़ा सुनने के बजाय उसे ही दोषी ठहरा दिया। उसने ही छज्जा बढ़ाकर बनाया था। पीड़ित विजय विश्वकर्मा ने बताया कि उसका घर पुश्तैनी है, जबकि दबंगई दिखाने वाले जगजीवनराम ने दूसरे की भूमि अभी खरीदी है। छज्जा तोड़ने के साथ छत पर रखी पानी की टंकी भी तोड दिया है। विरोध पर जगजीवनराम व उसके बेटे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पीड़ित ने अधिकारियों से पूरे मामले की जांच कर दोषी जगजीवनराम व उसके बेटों पर रिपोर्ट दर्ज कराकर कार्रवाई की गुहार लगाई है।

चाची ने भतीजे को कुल्हाड़ी से काट की हत्या

बेटी से थे अवैध संबंध

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिले में दिल दहला देने वाली घटना सामने आयी है। एक चाची ने अपने ही भतीजे को कुल्हाड़ी से काटकर मौत के घाट उतार दिया। चाची का आरोप है कि भतीजा उसकी बेटी पर गंदी नजर रखता था। आए दिन छेड़छाड़ भी करता था। इस बात को लेकर कई बार समझाने पर भी न मानने पर कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। दो जून की रात मऊ थाना क्षेत्र के काशीनाथ पुरवा की एक महिला ने अपने भतीजे की हरकतों से तंग आकर उसकी हत्या कर दी। वह उसकी बेटी के साथ छेड़छाड़/गंदी

हरकतें करता था। महिला के समझाने के बाद भी वह बाज नहीं आ रहा था। शुक्रवार की रात नौ बजे भतीजा चाची के घर में घुसकर बेटी के साथ गलत हरकतें करने लगा। चाची ने बेटी को बचाने को भतीजे पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इससे भतीजा गंभीर रुप से घायल हो गया। आसपास के लोग युवक को अस्पताल लेकर आये। घाव गहरा होने से इलाज दौरान युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि युवक का चाची की बेटी से अवैध संबंध थे। दोनों के बीच प्रेम-प्रसंग चल रहा था। इसके चलते युवक की हत्या की गई। इस मामले में एसपी वृंदा शुक्ला ने बताया कि 22 साल के युवक की हत्या चाची ने कुल्हाड़ी मारकर की है। आरोपी महिला से पूंछताछ की जा रही है। फिलहाल इस मामले में किसी तरह की रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई।

समिति ने 72वें अभियान में बरहा हनुमान मंदिर में की सफाई

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद की प्रेरणा से स्वच्छ भारत मिशन के तहत कामतानाथ परिक्रमा में जन जागरूकता से स्वच्छता अभियान जारी है।

रविवार को नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता ने कहा कि अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। बच्चों को भी साफ-सफाई के महत्व के बारे में बताना चाहिए। अधिशासी अधिकारी लालजी यादव ने कहा कि स्वच्छता अभियान का मुख्य उद्देश्य लोगों को स्वच्छ माहौल रखने को प्रेरित करना है। कामदगिरि स्वच्छता समिति के अध्यक्ष राकेश केसरवानी ने कहा कि स्वच्छता अभियान में जिला प्रशासन और नगर पालिका का अच्छा सहयोग

मिल रहा है। अभियान का मूल उद्देश्य कामतानाथ परिक्रमा स्वच्छ और साफ रखना है। लोग सफाई के प्रति जिम्मेदार बनें। स्वच्छ भारत मिशन के जिला समन्वयक शिवा कुमार ने कहा कि इस तरह के अनूठे स्वच्छता अभियान से समाज में जन जागरूकता फैलती है। आम जनमानस को स्वच्छता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। इस तरह का अभियान शासन-प्रशासन के सहयोग से चलाते रहना चाहिए।

पुलिस ने तमंचे से फायर कर दहशत फैलाने वालों को दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर अपराधों में अंकुश लगाने को अपराधियों के खिलाफ जारी कार्यवाही में प्रभारी निरीक्षक राजापुर भास्कर मिश्रा की अगुवाई में पुलिस ने दो जून की रात कस्बा राजापुर में एकराय होकर मारपीट, गाली-गलौज, तोड़फोड व दहशत फैलाने की गरज से फायरिंग करने वाले तीन लोगों को तमंचा व कारतूस समेत गिरफ्तार किया है।

ज्ञात है कि दो जून को कस्बा राजापुर की श्रीमती सियादुलारी पत्नी स्व प्रेमचन्द्र गुप्ता

के घर रोहित तिवारी ने पांच साथियों के साथ एकराय होकर परिजनों के साथ मारपीट कर गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देते हुये कार व मोटरबाइक में तोड़फोड़ की थी। दहशत फैलाने की गरज से तमंचे से फायरिंग की थी। इस घटना की बाबत राजापुर थाने में मामला दर्ज किया था। रिपोर्ट में रोहित तिवारी समेत चार साथियों के नाम थे। वरिष्ठ दरोगा रामवीर सिंह की टीम ने रविवार को रोहित तिवारी पुत्र बाबूलाल तिवारी, अमन तिवारी पुत्र बुद्धराज तिवारी, नितिन द्विवेदी पुत्र राजेन्द्र द्विवेदी निवासी कस्बा राजापुर को गिरफ्तार किया है। आरोपी रोहित तिवारी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त तमंचा व कारतूस बरामद की है। टीम में वरिष्ठ दरोगा रामवीर सिंह, सिपाही उमेन्द्र त्रिपाठी, संतोष तिवारी, अजय पाण्डेय शामिल रहे।

ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं की उमडी भीड

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। भगवान राम की तपोभूमि धर्मनगरी में ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमडी। रामघाट में मंदाकिनी में स्नान कर श्रद्धालुओं ने भगवान कामदनाथ के दर्शन कर परिक्रमा लगाई। कामदनाथ मंदिर में सवेरे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी थी। आसपास के जिलों से भारी तादाद में श्रद्धालु धर्मनगरी पहुंचे।

रविवार को छुट्टी होने के चलते

तमाम लोग परिवार समेत पर्यटन व धार्मिक स्थलों की यात्रा पर हैं। भगवान राम की तपोभूमि में गर्मी के समय दूर-दूर से श्रद्धालुओं का आगमन होता है। रविवार को ज्येष्ठ माह की पूर्णिमा पर आसपास के जिलों से भारी तादाद में श्रद्धालु यहां आये। तड़के से ही रामघाट में मंदाकिनी स्नान को श्रद्धालु उमड़ने लगे। कामदनाथ मंदिर पहुंचकर दर्शन, पूजन करते हुए परिक्रमा लगाई। श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए यूपी-एमपी प्रशासन सुरक्षा को लेकर खासतौर पर सक्रिय था।

पुलिस ने 40 क्वार्टर शराब समेत एक दबोचा

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक श्रीमती वृंदा शुक्ला के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में थानाध्यक्ष भरतकूप सूबेदार बिन्द की अगुवाई में वरिष्ठ दरोगा यदुवीर सिंह की टीम ने राजबहादुर उर्फ देव कुमार पुत्र स्व जगमोहन निवासी चकला गुरुबाबा कोतवाली कर्वी को 40 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। टीम में वरिष्ठ दरोगा यदुवीर सिंह, सिपाही भास्कर शुक्ला, अंकित राजपूत शामिल रहे।

शिक्षा के क्षेत्र में प्रदेश में जनपद मथुरा को मिला 10वां स्थान

मथुरा ।जनपद मथुरा के जिलाधिकारी पुलकित खरे के उत्कृष्ट प्रयासों से जनपद के 1546 विद्यालयों का कायाकल्प हुआ । विद्यालयों की रैकिंग 19 पैरामीटरों में की जाती है, जिसमें जनपद मथुरा ने प्रदेश में 10वां स्थान हासिल किया। गतवर्ष जनपद मथुरा की रैकिंग 56वीं थी, जिसका सुधार होते हुए आज जनपद मथुरा 10 वें स्थान पर आ गया है।

जिलाधिकारी द्वारा निरंतर अधिकारियों के साथ बैठकें की गई तथा निर्देशित किया गया कि सभी स्कूलों को उत्तम बनायें। उन्होंने कहा कि स्कूलों में सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं पर विशेष जोर देते हुए बीएसए, एबीएसए प्रधानाचार्य, एडीओ पंचायत तथा ग्राम प्रधान आदि को निर्देशित किया था ।

जिलाधिकारी के निर्देशन में स्कूल चलो अभियान को गति प्राप्त हुई और विद्यालयों में अधिकाधिक पंजीकरण करवाएं गए। उनका लक्ष्य था कि एक भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित नहीं रहना।

चाहिए। 6 वर्ष से 14 वर्ष के बच्चों के लिए अध्यापक घर घर जाकर प्रोत्साहित करेंगे। शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता को हमेशा प्राथमिकता देनी चाहिए।

राज्य शासन की मंशानुसार जिलाधिकारी द्वारा जनपद के 115 जिला स्तरीय अधिकारियों को जनपद के 115 स्कूल गोद दिये गये थे, जिनके निर्देशन में स्कूलों का कायाकल्प किया गया। गोद लिए गए स्कूलों के सम्बंध में अधिकारियों को स्कूलों का कायाकल्प, स्कूल परिसर एवं भवनों का

जीर्णोद्धार, शिक्षकों का व्यावहारिक परिवर्तन, स्कूल चलो अभियान के लिए प्रोत्साहन, निपुण भारत की परिकल्पना आदि के निर्देश दिए गए थे। जिलाधिकारी द्वारा समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया गया था की अपने गोद लिए विद्यालयों में जाकर शिक्षा गुणवत्ता को परखे, बच्चों की उपस्थिति पर विशेष ध्यान दे तथा स्कूल में मीड डे मील को स्वयं खा कर चेक करें। विद्यालयों के सामान्य शौचालय, दिव्यांग शौचालय, पेयजल व्यवस्था, वाउण्ड्रीबाल, टाइल्स, हैंडवाशिंग यूनिट, स्कूल का मैदान आदि का बारीकी से निरीक्षण करें।

उक्त सभी प्रयासों का परिणाम आज हम सबके सामने है। जनपद मथुरा ने प्रदेश में 10वां स्थान हासिल किया। भविष्य में विभागों द्वारा समन्वय स्थापित करते हुए जनपद मथुरा को टॉप 10 से टॉप 03 जिलों में लाने का अथक प्रयास किया जायेगा । शासन द्वारा 19 पैरामीटर पर जनपद के 1546 विद्यालयों का मूल्यांकन किया गया था, जिसमें जनपद मथुरा का सैचुरेशन प्रतिशत 94.47 प्रतिशत रहा और मथुरा ने दसवां स्थान प्राप्त किया है।

मथुरा अपर मुख्य सचिव ने उद्यमियों के संग की बैठक

मथुरा। अपर मुख्य सचिव सूक्ष्म लघु एवं मध्यम तथा निर्यात प्रोत्साहन, खादी ग्रामोद्योग, हथकरघा एव वस्त्रोद्योग अमित मोहन प्रसाद ने कलेक्ट्रेट सभागार में उद्यम विभाग की उद्यमियों (एमएसएमई) के रजिस्ट्रेशन को बढ़ावा देने के लिए संचालित उद्यम रजिस्ट्रेशन (यूआरसी) अभियान के तहत संचालित व्यापारियों, कारखाने संचालकों तथा उद्यमियों के साथ बैठक की।

यह अभियान 1 जून से 15 जून तक चलाया जाएगा । कोई भी व्यापारी वेवसाइट पर अपना रजिस्ट्रेशन कर इसका लाभ उठा सकता है। जिन लोगों ने अपना रजिस्ट्रेशन कराया है उन लोगों को प्रमाण पत्र वितरण किए। अपर मुख्य सचिव ने व्यापारियों के सुझाव तथा समस्याओं के बारे में जानकारी प्राप्त की और आश्वासन दिया कि जो भी समस्याएं हैं उन्हें निस्तारण कराया जायेगा तथा उद्यमों को बढ़ावा देने पर जोर दिया और कहा कि आप सब लोग बड़ चढ़कर जनपद तथा प्रदेश की प्रगति में योगदान दें। बैठक में जिलाधिकारी पुलकित खरे, मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना, उपायुक्त उद्योग रामेंद्र कुमार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नवीन मंडी के व्यापारियों की परेशानी को लेकर एक मीटिंग नवीन मंडी पर

रामपुर। आज उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की नवीन मंडी के व्यापारियों की परेशानी को लेकर एक मीटिंग नवीन मंडी पर हुई। नवीन मंडी के अध्यक्ष तनवीर खान गुड्डू ने व्यापार मंडल के सामने चुनाव के समय नवीन मंडी अधिकृत करने को लेकर अपनी परेशानी रखी और बताया कि कल भी हमने नवीन मंडी के व्यापारियों के साथ मीटिंग करी थी इसमें ते पाया था व्यापारी की सारी परेशानी को लेकर

प्रांतीय प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा के सामने रखेंगे आज

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा अपनी कोर कमेटी के साथ नवीन मंडी पहुंचे उन्होंने बोलते हुए कहा हर 6 महीने चुनाव हो रहे हैं

जिसकी वजह से जिला प्रशासन नवीन मंडी को अधिकृत कर लेता है और जब तक परिणाम घोषित ना हो जाए 2 महीने तक वह मंडी अधिकृत रहती है जिससे नवीन मंडी के अनाज व्यापारी फ्रूट व्यापारी सब्जी व्यापारी मंडी के बाहर खुले आसमान के नीचे तपती धूप में अपना कारोबार करते हैं जिससे उनका माल खराब हो जाता है पर अगर कहीं बारिश हो जाए तो और लाखों रुपए का नुकसान हो जाता है है कोई सुरक्षा नहीं होती है खुले हुए जानवर माल को नुकसान पहुंचाते हैं और बड़ी-बड़ी गाड़ियां सड़कों पर माल उतारती हैं जिससे एक्सीडेंट होने का भी खतरा रहता है मंडी के व्यापारियों का दर्द हमें मालूम है हमने पहले भी प्रशासन से मांग की गई थी कि मंडी को छोड़कर कोई और जगह अधिकृत कर दें लेकिन इसमें कुछ ना हो सका आगे उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा ने बताया कल दिनांक 4 मई 2023 को उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल की प्रदेश लेवल की लखनऊ में नवीन मंडियों की बैठक बुलाई गई है जिसके अंदर इस बिंदु को उठाया जाएगा जिससे प्रदेश की सारी मंडियों को चुनाव के समय अधिकृत ना किया जा सके कोई और जगह तलाश किया जा सके जो प्रदेश लेवल की मीटिंग में तय होगा उसकी रणनीति बनाकर आगे काम किया जाएगा बैठक मे आदि मौजूद रहे।

नेपाल के प्रधानमंत्री 'प्रचंड' भारत यात्रा से लौटे, कहा-दोनों देशों के बीच भरोसे का माहौल विकसित हुआ

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' अपनी भारत यात्रा से स्वदेश लौट आए हैं। वह नेपाल पहुंचे हैं। भारत की चार दिवसीय यात्रा से लौटे 'प्रचंड' ने कहा कि उनकी यात्रा सफल रही। उन्होंने कहा कि भारत के साथ भरोसे का माहौल और विकसित हुआ है।नेपाल लौटने के बाद त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में 'प्रचंड' ने दावा किया कि बिजली व्यापार और जलविद्युत क्षेत्र में ब्रेक थ्रू हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व में हुए समझौतों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि उन्होंने मोदी के साथ गहन चर्चा की और एक समझौते पर पहुंचे, जिससे दोनों देशों को दीर्घकालिक लाभ होगा। 'प्रचंड' ने अपनी भारत यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ तीन बार वन-टू-वन चर्चा की।

डिप्टी एनएसए बोले- भारत सैन्य गठजोड़ में भागीदारी में विश्वास नहीं करता, सभी को मानता है बराबर

सिंगापुर। डिप्टी एनएसए विक्रम मिसरी ने कहा कि भारत सैन्य गठजोड़ में भागीदारी में विश्वास नहीं करता है लेकिन वह खुद को सभी तंत्रों में बराबर का भागीदार मानता है। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्ट्रैटेजिक स्टडीज (आईआईएसएस) द्वारा आयोजित शांगरी-

ला डायलॉग में प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए मिसरी ने कहा कि इनमें से कई तंत्रों के केंद्र में समानता है। उन्होंने कहा, भारत सैन्य गठजोड़ में भागीदारी में विश्वास नहीं करता है। हालांकि, हम सैन्य और रक्षा क्षेत्र सहित कई देशों के लिए भागीदार हैं। उन्होंने कहा, गठबंधन इसके लिए बहुत अलग संकेत हैं और इसकी बहुत अलग व्याख्या है। हम किसी भी सैन्य गठबंधन का हिस्सा नहीं हैं। हम खुद को उन सभी तंत्रों में समान भागीदार के रूप में देखते हैं, जिनका हम हिस्सा हैं। कार्यक्रम हिंद महासागर क्षेत्र में रक्षा सहयोग, जिसमें चीन के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया। चीन में भारत के पूर्व राजदूत मिश्री ने हिंद महासागर में भारत-अमेरिका गठबंधन पर एक चीनी प्रतिनिधि के सवाल का खंडन किया। उन्होंने कहा, सहयोग हर जगह खुला और समावेशी होना चाहिए।

जयशंकर ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति रामाफोसा से मुलाकात की; लीबिया ने नौ भारतीय नाविकों को रिहा किया

जर्मनी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा से मुलाकात की। इसके अलावा विदेश मंत्री ब्रिक्स समूह के अन्य मंत्रियों से मिले। उन्होंने सभी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं। ब्रिक्स पांच सबसे बड़े विकासशील देशों का समूह है। इसमें ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। जयशंकर केपटाउन में ब्रिक्स के एक सम्मेलन में भाग लेने के लिए दक्षिण अफ्रीका की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं। जयशंकर ने ट्वीट किया कि दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति के अलावा ब्रिक्स के अन्य मंत्रियों के साथ मुलाकात करके खुशी हुई। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से शुभकामनाएं व्यक्त कीं। ब्रिक्स को आगे ले जाने पर उनका मार्गदर्शन और विचार महत्वपूर्ण है। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, दक्षिण अफ्रीका से जयशंकर नामीबिया की यात्रा पर जाएंगे। यहां वे चार से छह जून तक रहेंगे। ब्रिक्स वैश्विक आबादी के 41 प्रतिशत, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 24 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के 16 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। इस बीच लीबिया से एक अच्छी खबर आई। यहां एक स्थानीय मिलिशिया ने कई महीनों से एक व्यापारी जहाज को बंधक बनाकर रखा था। आखिरकार जहाज के नौ भारतीय नाविकों को रिहा कर दिया गया है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री ने कहा, खुले रहने चाहिए चीन के साथ बातचीत के रास्ते

सिंगापुर। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने कहा है कि चीन के साथ बातचीत के रास्ते खुले रहने चाहिए। सिंगापुर में आयोजित शंगरी-ला डायलॉग डिफेंस समिट में उन्होंने चीन द्वारा बातचीत की पेशकश खारिज किये जाने पर निराशा जाहिर की। सिंगापुर में शंगरी-ला डायलॉग समिट में अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के साथ चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू भी शामिल हुए। इस दौरान दोनों नेताओं ने हाथ मिलाए लेकिन बातचीत नहीं की।

दरअसल, इस समिट के इतर सिंगापुर में चीन और अमेरिका के रक्षा मंत्रियों के बीच बातचीत प्रस्तावित थी, किन्तु पिछले दिनों चीन ने बातचीत से इनकार कर दिया था। अमेरिका ने इस इनकार पर निराशा जाहिर की है। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने चीन के साथ बातचीत के रास्ते खुले रखने की बात कही। उन्होंने

कहा कि दोनों देशों के रक्षा और सैन्य नेताओं के बीच बातचीत जरूरी है। जितना ज्यादा दोनों देश बातचीत करेंगे, उतनी ही गलतफहमी की आशंका कम होगी। इससे संघर्ष जैसे हालात नहीं बनेंगे। अमेरिका के रक्षा मंत्री ने कहा कि वह चीन द्वारा बातचीत को लेकर अनिच्छा जाहिर करने से बेहद चिंतित हैं। अंतरराष्ट्रीय एयरस्पेस में अमेरिका और सहयोगी देशों के साथ हो रहे खतरनाक इंटरसेप्ट पर भी लॉयड ऑस्टिन ने चिंता जाहिर की।

'जब आप देश के बाहर होते हैं तो राजनीति पीछे रह जाती है', विदेश मंत्री की राहुल गांधी को नसीहत

केपटाउन। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि देश से बाहर कदम रखने पर कभी-कभी राजनीति से बड़ी चीजें होती हैं। इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिका के सांता क्लारा में भारतीय अमेरिकियों को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व सांसद राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर कटाक्ष किया था और विभिन्न मोर्चों पर उनकी सरकार की नीतियों पर भी हमला किया।

ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक में भाग लेने के बाद केपटाउन में एक प्रवासी कार्यक्रम में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि वह अपने लिए बात कर सकते हैं और विदेश यात्रा के दौरान राजनीति नहीं करते हैं।

विदेश मंत्री ने राहुल पर साधा निशाना

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अमेरिका में दिए गए भाषण पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि अगर मैं विदेश की यात्रा पर हूं तो मैं वहां राजनीतिक नहीं करूंगा। बहस अपने देश में करूंगा। देश के बाहर कदम रखते ही ध्यान रखना चाहिए की राजनीति से और भी बड़ी चीजें होती हैं। साउथ अफ्रीका के केपटाउन में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारतीय समुदाय के लोगों के साथ बातचीत करते हुए कहा, कुछ चीजें राजनीति से हटकर होती हैं।

भारत कूटनीतिक वार्ताओं पर जोर दे रहा है

विदेश मंत्री जयशंकर ने ट्वीट करते हुए कहा कि ब्रिक्स एफएमएम के बाद केपटाउन में रूसी विदेश मंत्री लावरोव से मिलकर अच्छा लगा। चर्चा में ब्रिक्स, जी-20 और एससीओ देश के नेता शामिल थे। भारत जुलाई में एससीओ और सितंबर में जी-20 शिखर सम्मलेन आयोजित करेगा। पिछले कुछ महीनों से भारत कच्चे तेल के कारण तनाव में है। हालांकि, भारत रूस से कच्चा तेल आयात करता है लेकिन यूक्रेन से युद्ध के बाद से तनावपूर्ण स्थिति बन गई है। बता दें, भारत रूस से रियायती दरों में कच्चा तेल खरीद रहा है, इस वजह से दोनों देशों के बीच आर्थिक व्यापार में अधिक बढ़ोतरी हुई है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने अब तक रूस की निंदा नहीं की है। भारत फिलहाल कूटनीतिक वार्ताओं के माध्यम से समाधान पर जोर दिया है। एक इंटरव्यू के दौरान जयशंकर ने कहा कि पीएम मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की थी।

ब्रिक्स पांच विकासशील देशों का एक समूह है। समूह में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल है। समूह के देशों की आबादी वैश्विक आबादी का 41 प्रतिशत है। पांचों देश घरेलू उत्पाद का 24 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार का 16 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं।

ऐतिहासिक जीत के बाद एर्दोगन ने ली राष्ट्रपति पद की शपथ, आर्थिक संकट झेल रहे देश को उबारने की चुनौती

अंकारा । तुर्किये के लंबे समय से राष्ट्रपति रहे रेसेप तैयप एर्दोगन ने अपने तीसरे कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति पद की शपथ ली। वह शीघ्र नए मंत्रिमंडल की घोषणा करेंगे, जिससे यह संकेत मिलेगा कि देश में गैर रूढ़िवादी आर्थिक नीतियां जारी रहेंगी, या तुर्किये कहीं अधिक पारंपरिक नीतियों की ओर लौटेगा। 69 वर्षीय नेता एर्दोगन पर आर्थिक संकट के प्रबंधन की जिम्मेदारी होगी। तुर्किये इस समय महंगाई और मुद्रा में गिरावट से जूझ रहा है। उन्होंने शनिवार को नई सरकार के मंत्री का भी खुलासा किया। उन्होंने प्रसिद्ध पूर्व बैंकर और अर्थव्यवस्था के पिछले प्रमुख मेहमत सिमसेक को वित्त और राजकोष का मंत्री बनाया। संसद में एक समारोह में एर्दोगन ने कहा कि मैं राष्ट्रपति के रूप में देश के अस्तित्व और स्वतंत्रता की रक्षा

के लिए महान तुर्किये राष्ट्र और इतिहास के समक्ष अपने सम्मान और अखंडता की शपथ लेता हूं। हम सभी 85 मिलियन लोगों को उनके राजनीतिक विचारों, मूल या संप्रदाय की परवाह किए बिना गले लगाएंगे। उद्घाटन के बाद देश की राजधानी स्थित राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक शानदार कार्यक्रम में कई विदेशी नेताओं ने शिरकत की। फरवरी में 50,000 से अधिक लोगों की जान लेने वाले भयानक भूकंप के बाद आर्थिक संकट और आलोचना के बावजूद तुर्किये की जनता ने अर्दोगन सत्ता पर बैठाया। उन्होंने 28 मई को एक मजबूत विपक्षी गठबंधन के खिलाफ रन-ऑफ चुनाव जीता। अर्दोगन को 52.2 प्रतिशत वोट मिले, जबकि केमल किलिकडारोग्लू को 47.8 प्रतिशत वोट मिले।

जापान में 'मावार' तूफान से बाढ़ 10 लाख से अधिक प्रभावित

जापान में उष्णकटिबंधीय तूफान 'मावार' ने लोगों के जीवन को अस्तव्यस्त कर दिया है। भारी बारिश से देश के बड़े हिस्से में बाढ़ ला दी है। सैकड़ों लोग ट्रेनों में फंसे हुए हैं और पूर्व-पश्चिम के 7,000 घरों में बिजली गुल है। 10 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने ट्रेन हादसे पर जताया शोक, कहा- दुख की घड़ी में भारत के साथ

सिंगापुर। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने ओडिशा में हुए ट्रेन हादसे पर शोक जताया है। उनका कहना है कि वह हादसे के कारण काफी दुखी हैं। बता दें, हादसे में करीब 288 लोगों की अब तक मौत हो चुकी है। राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि मैं और अमेरिकी की पहली महिला जिल बाइडन ट्रेन हादसे की खबर से दुखी हैं। मृतकों और घायलों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं। बड़ी संख्या में लोगों ने अपनों को खोया है। बाइडन ने आगे कहा कि अमेरिका और भारत एक मजबूत रिश्ता साझा करता है। सांस्कृतिक और पारिवारिक रूप से हो दोनों देश एक दूसरे से एकजुट हैं। उनका कहना है कि अमेरिका की जनता भारत में हुए हादसे के लिए शोक मना रही है। अमेरिका इस दुख की घड़ी में भारत के लोगों के साथ खड़ा है।

छह महीने बाद धरती पर लौटे तीन चीनी अंतरिक्ष यात्री, कहा- अपनी मातृभूमि पर बेहतर लग रहा है

अंकारा । चीनी अंतरिक्ष यात्री रविवार को सुरक्षित छह महीने बाद धरती पर लौट आए हैं। शेनझोउ -15 से धरती लौटे यात्री छह महीने से अंतरिक्ष पर थे, यहां वे चीनी स्पेस स्टेशन के निर्माण मिशन पर थे। चीनी अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि फी जुनलॉन्ग, देंग क्विंगमिंग और झांग लू उत्तरी चीन के डोंगफेंग लैंडिंग साइट पर सुबह 6:33 बजे उतरे थे। एजेंसी ने बताया कि यात्री स्वस्थ्य थे और हमारा मानव मिशन कामयाब रहा। एजेंसी का कहना है कि 30 मई को अंतरिक्ष यात्रा पर गए यात्रियों के बाद तीनों यात्री वापस आए हैं। नए यात्री पांच महीने वहां रुकेंगे।

चीन को मिलेगी उपलब्धि

बता दें, स्पेस स्टेशन तैयार होने के बाद, चीन ऐसा पहला देश होगा, जिसके

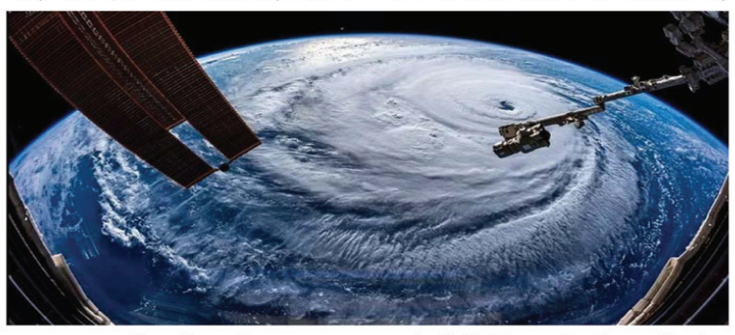

पास खुद का स्पेस स्टेशन होगा। रूस का अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन कई देशों के साथ मिलकर तैयार किया गया है और 2030 तक वह सेवामुक्त भी हो जाएगा। चीन के स्पेस स्टेशन की खासियत है, उसके दो रोबोटिक बाहें, जो उपग्रहों सहित कई चीजों को एक साथ पकड़ सकते हैं।

अंतरिक्ष यात्री फी ने बताया कि हमें सौंपे गए सभी कार्यों को हमने पूरा कर लिया है। अपने देश वापस लौटकर आएं हैं, हमें इसकी खुशी है। इससे पहले फी 2005 में भी शेनझोउ-6 से अंतरिक्ष की यात्रा पर गए थे। 25 साल की तैयारियों के बाद डेंग को अंतरिक्ष पर जाने का मौका मिला था। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा सपनों को पूरा करने में विश्वास रखता हूं। मैं देश के काम आ सका, इसकी मुझे बहुत खुशी है। उन्होंने बताया कि जब मैं स्पेस स्टेशन पर मुझे काफी अच्छा लगा था। मैं कई बार खिड़की से अपने मातृभूमि को अंतरिक्ष से देखता था। झांग ने बताया कि हम अब अपने शरीर को धरती के हिसाब से ढाल लेंगे। उन्होंने बताया कि हम अब दोबारा ट्रेनिंग पर जाएंगे और भविष्य के स्पेस मिशन के लिए तैयार होंगे।

30 मई को यात्रा पर गए थे नए तीन यात्री- चीन ने 30 मई को अपने तीन यात्रियों को अंतरिक्ष यात्रा पर भेजा था। जिंग हैपेंग, झू यांग्झू और गुई हाइचाओ को अंतरिक्ष स्टेशन की परिक्रमा करने के लिए चुना गया है। शेनझोउ-16 अंतरिक्ष यान से तीनों अंतरिक्ष के लिए रवाना होंगे। जिंग पहले चीनी यात्री हैं, जो चौथी बार अंतरिक्ष की यात्रा करेंगे। जिंग ने 2008 में शेनझोउ-7, 2012 में शेनझोउ-9 और 2016 में शेनझोउ-11 क्रू की कमान संभाली थी। जबकि, झू और गुई अपनी पहली यात्रा पर अंतरिक्ष मिशन पर जा रहे हैं।

अमेरिका में बोले राहुल गांधी- भारत में वैकल्पिक सोच के लिए हाथ मिलाएगा विपक्ष, मिलकर लड़ना जरूरी

वाशिंगटन। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वॉशिंगटन में भारतीय-अमेरिकी समुदाय से कहा कि भारत में इस समय दो विभिन्न विचारधाराओं के बीच लड़ाई चल रही है और उन्होंने भरोसा जताया कि देश को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा की सोच का 'विकल्प मुहैया कराने वाले नजरिए' के लिए सभी विपक्षी दल हाथ मिलाएंगे। उन्होंने कहा, हम भाजपा को हराने में पूरी तरह जहां सर्वधर्म समभाव अहम है और दूसरी तरफ आरएसएस की

विभाजनकारी अहंकार, अवैज्ञानिक आक्रामकता की सोच है। मुझे गांधी की सोच में जीत दिखती है।

भारत-अमेरिकी रिश्तों को गहरा करने में भरोसा जताया...

राहुल गांधी ने अमेरिका में छह दिनी तीन शहरों के दौरे के हिस्से के रूप में वाशिंगटन में अपनी यात्रा खत्म की। इस दौरान, उन्होंने थिंक-टैंक समुदाय, शिक्षाविदों, प्रतिष्ठित भारतीय अमेरिकियों, मीडिया और प्रशासन के सदस्यों के साथ कई बैठकें कीं। कांग्रेस पार्टी में डाटा विश्लेषण विभाग के अध्यक्ष प्रवीण चक्रवर्ती ने बताया कि इन बैठकों में राहुल गांधी ने भारत-अमेरिकी रिश्तों को गहरा करने में काफी रुचि दिखाई। यूक्रेन युद्ध पर पूछे गए एक सवाल में जवाब में राहुल ने भारत सरकार के रुख को पूरा समर्थन दिया।

भ्रामक बयान पर माफी मांगें राहुल...

केंद्रीय सामाजिक न्याय-अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने राहुल से पीएम मोदी के खिलाफ अमेरिका में गलत व भ्रामक बयान देने और देश को विदेशी धरती पर बदनाम करने के लिए माफी मांगने को कहा है। उन्होंने कहा, राहुल ने बार-बार सत्तारूढ़ व्यवस्था का मजाक उड़ाया और पीएम पर हमला किया।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर
योग सत्संग समिति
द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज
1/6C माधव कुंज
कटरा प्रयागराज से मुद्रित
एवं
क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान
झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश
से प्रकाशित।
सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI No: UPHIN/2001/09025
ऑफिस मो.:
9565333000
Email:-
akhandbharatsandesh1@gmail.com
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र
प्रयागराज होगा।

मिस्र की सीमा पर गोलीबारी, तीन इस्त्राइली सैनिकों की मौत, मरने वालों में महिला भी शामिल

केपटाउन। मिस्र के पुलिस अधिकारी की वर्दी पहने एक बंदूकधारी द्वारा की गई गोलीबारी में तीन इस्त्राइली सैनिकों की मौत हो गई। इस्त्राइली सेना के प्रवक्ता ने इस घटना की पुष्टि की है। इस्त्राइली सेना के अनुसार, मिस्र की सीमा पर एक सैन्य चौकी की रखवाली कर रहे एक पुलिसकर्मी ने तड़के गोलियां चला दी। जिसमें दो सैनिकों की जान चली गई। इस घटना के बाद फिर गोलीबारी हुई। जिसमें मिस्र के पुलिस अधिकारी और तीसरा इस्त्राइली सैनिक मारा गया। सेना के प्रवक्ता ने कहा कि जब सैनिकों ने

सीमा पार नशीली दवाओं की तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया तब लड़ाई शुरू हुई।

मिस्र और गाजा पट्टी सीमा के पास हुई गोलीबारी-एक बयान में कहा गया है, सुरक्षा बलों के एक सदस्य ने ड्रग तस्करों का पीछा किया। पीछा करने के दौरान सुरक्षा एजेंट ने सीमा पार कर ली। जिसके बाद गोलीबारी हुई। यह घटना मिस्र और गाजा पट्टी सीमा के पास हुई, जो कि इस्त्राइल और मिस्र के बीच नित्जाना और अल-अवजा सीमा के करीब है। इसका उपयोग मिस्र से इस्त्राइल या गाजा पट्टी के लिए माल लाने के लिए किया जाता है। सेना द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, मिस्र के रक्षा मंत्री मोहम्मद जकी ने सीमा पर हुई गोलीबारी की घटना पर अपने इस्त्राइली समकक्ष से बात की और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आपसी समन्वय पर चर्चा की।

मारे गए सैनिकों में एक महिला शामिल

इस्त्राइली सेना के मुताबिक मारे गए सैनिकों में एक महिला भी थी। इस्त्राइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने दावा किया कि पूरे घटनाक्रम की जांच की जाएगी। जांच के दौरान यह भी ध्यान रखा जाएगा कि हत्या तस्करी गतिविधि से जुड़ी थी। मिस्र पहला अरब राष्ट्र था जिसने 1979 में इस्त्राइल के साथ कड़े सुरक्षा संबंध स्थापित किए और उसके साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए।

सीनेटर बोले- विश्व सुरक्षा के लिए भारत-अमेरिकी रिश्ते अहम, पीएम मोदी के दौरे से गहरी होगी दोस्ती

वाशिंगटन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा से पहले अमेरिकी कांग्रेस सदस्य सीनेटर राजा कृष्णमूर्ति ने कहा है कि वह दोनों देशों की साझेदारी मजबूत करने के लिए तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि भारत-अमेरिका में साझेदारी न केवल अमेरिका और भारत के लिए बल्कि पूरी दुनिया के लिए महत्वपूर्ण है। सीनेटर रो खन्ना ने भी कहा, दोनों देशों के रिश्ते विश्व सुरक्षा व समृद्धि के लिए महत्वपूर्ण हैं।

22 जून को मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान प्रतिनिधि सभा और सीनेट के संयुक्त सत्र को संबोधित करने के लिए पीएम मोदी को निमंत्रण मिलने के बाद यह प्रतिक्रिया आई है। कृष्णमूर्ति ने कहा, ये संबंध सिर्फ दोनों देशों के लिए नहीं बल्कि पूरे विश्व की सुरक्षा व समृद्धि के लिए अहम है। उन्होंने कहा, वह इस साझेदारी को मजबूत करने और गहरा करने के लिए तत्पर हैं। जोनाथन जैक्सन समेत अन्य सीनेटरों ने भी हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी के मोदी को साझा सत्र में संबोधित करने देने के फैसले का स्वागत किया। स्पीकर मैक्कार्थी, सीनेट में बहुमत के नेता चक शूमर, सीनेट रिपब्लिकन लीडर मिच मैककोनेल व डेमोक्रेटिक लीडर ने कहा, मोदी का संबोधन, भारत के भविष्य का दृष्टिकोण साझा करने और दोनों देशों के सामने चुनौतियों के बारे में बात करने का अवसर होगा। इससे साझेदारी गहरी होगी।

मंडेला और रॉबिन जैसे नेताओं की श्रेणी में मोदी

मोदी ने इससे पहले 8 जून, 2016 को अमेरिकी कांग्रेस के साझा सत्र को संबोधित किया था।

वह दूसरी बार संबोधित करने वाले दुनिया के गिने-चुने नेताओं में होंगे। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के नेल्सन मंडेला और इस्त्राइल के यित्जाक रॉबिन ने भी दो बार कांग्रेस की संयुक्त बैठकों को संबोधित किया। ब्रिटिश पीएम विंस्टन चर्चिल और इस्त्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने तीन-तीन बार कांग्रेस को संबोधित किया है।